



# उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग,

आयोग भवन, हरिद्वार-249404

आयोग की वेबसाइट-[www.ukpsc.gov.in](http://www.ukpsc.gov.in)

विज्ञापन सं०: A-1/S-1/2018



01334-244143  
01334-244282(F)



07060002410(M)

दिनांक 04.09.2018

## उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग-समूह 'ग') सेवा (सामान्य एवं महिला शाखा) परीक्षा-2018

विज्ञापन प्रकाशन की तिथि	-	04 सितम्बर, 2018
ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि	-	25 सितम्बर, 2018 (रात्रि 11.59.59 बजे तक)
आवेदन शुल्क Net Banking/Debit Card/ Credit Card or CSC Connect (only for CSC Operatros) द्वारा जमा करने की अन्तिम तिथि	-	25 सितम्बर, 2018 (रात्रि 11.59.59 बजे तक)

### अति महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. अभ्यर्थी अपने ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज आरक्षण से सम्बन्धित धारित सभी श्रेणी/उप श्रेणी का अंकन ऑनलाइन आवेदन पत्र में अवश्य करें। आरक्षण का दावा न किये जाने की दशा में रिट याचिका (स्पेशल अपील) संख्या: 79/2010 राधा मित्तल बनाम उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग में मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा पारित आदेश दिनांक 08.06.2010 तथा विशेष अनुज्ञा याचिका (सिविल) नं० (एए) 19532/2010 में मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के क्रम में अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ कदापि अनुमन्य नहीं होगा। आरक्षण विषयक प्रमाण पत्र आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि तक अभ्यर्थी द्वारा अवश्य धारित करना चाहिए।
2. अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि वह ऑनलाइन आवेदन भरने की अन्तिम तिथि अर्थात् दिनांक 25 सितम्बर, 2018 तक विज्ञापन में वर्णित अनिवार्य शैक्षिक अर्हताएं एवं अन्य अर्हताएं अवश्य धारित करते हों। अभ्यर्थी की शैक्षिक अर्हता के सम्बन्ध में परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि वह तिथि मानी जायेगी जो अंक पत्र निर्गत होने की तिथि हो। अतः अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि ऑनलाइन आवेदन पत्र के शैक्षिक अर्हता के विवरण में Result Declaration Date के कॉलम में, संबंधित शैक्षिक अर्हता के अंक पत्र निर्गत होने की तिथि (Marksheet Issuing Date) का अंकन हो।
3. अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करने के पूर्व विज्ञापन में वर्णित समस्त निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें। किसी भी स्थिति में अपूर्ण आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
4. आवेदन के इस चरण में ऑनलाइन आवेदन के आवेदन पत्र के प्रिंट आउट प्रति अथवा किसी भी प्रमाण-पत्र को आयोग में जमा करने की आवश्यकता नहीं है। अभ्यर्थी आवेदन पत्र का प्रिंटआउट, भविष्य में आयोग से किये जाने वाले पत्राचार व अन्य आवश्यक प्रयोग/साक्ष्य हेतु अपने पास सुरक्षित रखें।
5. फर्जी प्रमाण पत्रों (शैक्षिक योग्यता/आयु/अनुभव/आरक्षण सम्बन्धी) के आधार पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आयोग की समस्त आगामी परीक्षाओं से अधिकतम 05 वर्षों के लिए प्रतिवारित कर दिया जायेगा। साथ ही सुसंगत विधि के अन्तर्गत ऐसे अभ्यर्थियों के विरुद्ध अभियोग भी दर्ज कराया जा सकता है। अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश पत्र पर लिखना/लिखा होना भी अनुचित साधन की श्रेणी में आयेगा।
6. आयोग में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के उपरान्त आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियों यथा:- पदनाम, अर्हता, आरक्षण से सम्बन्धित श्रेणी/उप श्रेणी, विषय, शाखा, आयु एवं परीक्षा केन्द्र इत्यादि में किसी भी प्रकार के संशोधन का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

Susheel



7. प्रश्नगत परीक्षा हेतु मात्र ऑनलाइन आवेदन एवं ऑनलाइन शुल्क [Net Banking/Debit Card/ Credit Card or CSC Connect (only for CSC Operatros)] ही स्वीकार्य होगा। अन्य किसी भी प्रकार से किया गया आवेदन/शुल्क स्वीकार नहीं किया जायेगा।
8. अभ्यर्थी एक से अधिक शाखा तथा विषयों हेतु आवेदन कर सकता है, जिसके लिए अभ्यर्थी को पृथक-पृथक ऑनलाइन आवेदन करना है। पुरुष अभ्यर्थी केवल सामान्य शाखा तथा महिला अभ्यर्थी दोनों शाखाओं (महिला एवं सामान्य शाखा) हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र में ही शाखा तथा सम्बन्धित विषय का उल्लेख किया जाना होगा।
9. अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपनी शैक्षिक अर्हता का उल्लेख करेगा तथा विभिन्न पदों हेतु वांछित शैक्षिक अर्हता, जो वह धारित करता हो, के अनुसार एक से अधिक विषयों हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। एक से अधिक विषयों हेतु आवेदन करने की दशा में प्रत्येक विषय हेतु निर्धारित शुल्क पृथक-पृथक जमा करना होगा।  
उदाहरण – यदि एक सामान्य श्रेणी की महिला अभ्यर्थी प्रवक्ता हिन्दी (शुल्क ₹100.00) तथा प्रवक्ता अंग्रेजी (शुल्क ₹100.00) दोनों विषयों हेतु अनिवार्य शैक्षिक अर्हता धारित करती है और वह दोनों शाखाओं (सामान्य शाखा एवं महिला शाखा) के उक्त विषयों हेतु आवेदन करती है तो उसे दोनों शाखाओं {सामान्य शाखा (प्रवक्ता हिन्दी + प्रवक्ता अंग्रेजी) एवं महिला शाखा (प्रवक्ता हिन्दी + प्रवक्ता अंग्रेजी)} हेतु निर्धारित शुल्क पृथक-पृथक {सामान्य शाखा (₹100.00 + ₹100.00 = ₹200.00) + महिला शाखा (₹100.00 + ₹100.00 = ₹200.00)} अर्थात् कुल ₹400.00 जमा करना होगा।
10. प्रश्नगत विज्ञापन के तहत एक शाखा के अंतर्गत एक विषय हेतु एक ही ऑनलाइन आवेदन-पत्र स्वीकार किया जायेगा। अभ्यर्थी किसी एक शाखा के अंतर्गत एक विषय हेतु एक से अधिक आवेदन कदापि न करें तथापि परीक्षा शुल्क जमा करने के उपरान्त भी त्रुटि होने पर अपना आवेदन रद्द (cancel) कर आवेदन करने की अंतिम तिथि से पूर्व पुनः आवेदन कर सकते हैं, किन्तु आवेदन रद्द (cancel) करने पर जमा किया गया शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं होगा।  
उदाहरण – यदि कोई महिला अभ्यर्थी प्रवक्ता हिन्दी (सामान्य शाखा) तथा प्रवक्ता हिन्दी (महिला शाखा) हेतु आवेदन करना चाहती है तो उसे दोनों शाखाओं सामान्य शाखा (प्रवक्ता हिन्दी) एवं महिला शाखा (प्रवक्ता हिन्दी) हेतु पृथक-पृथक ऑनलाइन आवेदन करना होगा।
11. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि एवं नियत समय तक अभ्यर्थी द्वारा "Online Application" प्रक्रिया में पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र तथा आवेदन शुल्क जमा करने के पश्चात ही "Online Application" की प्रक्रिया पूर्ण मानी जाएगी।
12. प्रश्नगत चयन हेतु अर्ह अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया अपनायी जाएगी, परन्तु रिक्त पदों के सापेक्ष मानक से अधिक संख्या में आवेदन पत्र प्राप्त होने की दशा में आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध उत्तराखण्ड परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली-2012 यथा संशोधित के अनुसार साक्षात्कार के पूर्व विषयवार स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) आयोजित करायी जायेगी। स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित किये जाने की दशा में स्क्रीनिंग परीक्षा का पाठ्यक्रम परिशिष्ट-दो पर उपलब्ध है।
13. प्रश्नगत परीक्षा के विभिन्न चरणों हेतु न्यूनतम अर्हक अंकों के प्रतिशत का उल्लेख विज्ञापन के परिशिष्ट-3 पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को सम्बन्धित श्रेणी/उपश्रेणी के अनुसार न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त करने पर ही प्रवीणता सूची हेतु विचारित किया जायेगा।
14. स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित होने की दशा में अभ्यर्थियों को आवंटित परीक्षा केन्द्र व परीक्षा की तिथि की सूचना यथासमय पृथक से आयोग की वेबसाइट तथा दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से उपलब्ध करायी जाएगी।
15. साक्षात्कार से पूर्व अर्ह अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन में किये गये दावों की पुष्टि हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र के स्वहस्ताक्षरित प्रिंटआउट के साथ समस्त अनिवार्य शैक्षिक, अधिमानी, अनुभव, आरक्षण, निवास, सेवायोजन पंजीकरण एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र आदि से संबंधित समस्त स्वहस्ताक्षरित अभिलेखों की छायाप्रति आयोग कार्यालय द्वारा मांगे जाने पर विहित समय सीमा के अन्दर उपलब्ध कराना आवश्यक होगा।



उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा उत्तराखण्ड शासन के माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा (सामान्य/महिला शाखा) पद हेतु ऑनलाईन आवेदन-पत्र (Online Application) आमंत्रित किये जाते हैं।

01. रिक्तियों का विवरण : विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा (सामान्य/महिला शाखा) पद हेतु रिक्तियों की कुल संख्या 917 है। रिक्तियों की संख्या घटायी एवं बढ़ायी जा सकती है। रिक्तियों का शाखावार (सामान्य एवं महिला शाखा) विवरण निम्नवत है :-

(क) प्रवक्ता संवर्ग (सामान्य शाखा) – कुल 782 पद

क्र० सं०	विषय	रिक्तियों की संख्या	अनु०जाति	अनु०जनजाति	अ०पि०वर्ग	अनारक्षित
01.	हिन्दी	121	23	06	17	75
02.	अंग्रेजी	93	17	04	14	58
03.	संस्कृत	51	10	03	07	31
04.	भौतिक शास्त्र	67	12	03	10	42
05.	रसायन शास्त्र	49	10	02	07	30
06.	गणित	73	14	03	10	46
07.	जीव विज्ञान	71	14	03	10	44
08.	नागरिक शास्त्र	71	14	03	10	44
09.	अर्थशास्त्र	45	09	02	06	28
10.	इतिहास	39	07	02	06	24
11.	भूगोल	92	18	04	13	57
12.	समाजशास्त्र	07	01	—	01	05
13.	वाणिज्य	02	—	—	—	02
14.	कृषि शास्त्र	01	—	—	—	01
योग		782	149	35	111	487

क्षैतिज आरक्षण का विवरण :-

क्र० सं०	विषय	कुल रिक्त पद	विषयवार विकलांगता की उपश्रेणी का चिन्हांकन	अनुसूचित जाति (क्षैतिज आरक्षण)					अनुसूचित जनजाति (क्षैतिज आरक्षण)					अन्य पिछड़ा वर्ग (क्षैतिज आरक्षण)					अनारक्षित (क्षैतिज आरक्षण)												
				रिक्त पद	महिला	पूर्व सैनिक	विकलांग			रिक्त पद	महिला	पूर्व सैनिक	विकलांग			रिक्त पद	महिला	पूर्व सैनिक	विकलांग			रिक्त पद	महिला	पूर्व सैनिक	विकलांग						
							दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया				स्व०सं० से०आश्रित	दृष्टिहीनता	श्रवणहास				चलनक्रिया	स्व०सं० से०आश्रित	दृष्टिहीनता				श्रवणहास	चलनक्रिया	स्व०सं० से०आश्रित	दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया	स्व०सं० से०आश्रित
1	हिन्दी	121	OA, OL, B, PB	23	07	01	01	—	—	—	06	02	—	01	—	—	—	17	05	01	01	—	—	—	75	23	04	03	—	—	02
2	अंग्रेजी	93	OA, OL, B, PB	17	05	01	02	—	01	—	04	01	—	01	—	—	—	14	04	01	01	—	01	—	58	17	03	05	—	02	01
3	संस्कृत	51	OA, OL, B, PB	10	03	01	01	—	—	—	03	01	—	—	01	—	—	07	02	—	01	—	—	—	31	09	02	01	—	—	01
4	भौतिक शास्त्र	67	OA, OL, PD	12	04	01	—	02	—	—	03	01	—	—	01	—	—	10	03	—	—	01	01	—	42	13	02	—	05	03	01
5	रसायन शास्त्र	49	OA, OL, PD	10	03	—	—	02	01	—	02	01	—	—	01	—	—	07	02	—	—	01	—	—	30	09	02	—	05	01	01
6	गणित	73	OA, OL, PD	14	04	01	—	02	01	—	03	01	—	—	—	—	—	10	03	01	—	01	01	—	46	14	02	—	04	02	01
7	जीव विज्ञान	71	OA, OL, PD	14	04	01	—	01	—	—	03	01	—	—	01	—	—	10	03	01	—	01	01	—	44	13	02	—	04	04	01
8	नागरिक शास्त्र	71	OA, OL, B, PB	14	04	01	—	—	—	—	03	01	—	—	—	—	—	10	03	01	—	—	—	—	44	13	02	—	—	—	01
9	अर्थशास्त्र	45	PB, PD	09	03	—	—	01	—	—	02	01	—	01	—	—	—	06	02	—	—	—	—	—	28	08	01	03	02	—	01
10	इतिहास	39	OA, OL, B, PB	07	02	—	01	—	—	—	02	01	—	—	—	—	—	06	02	—	01	—	—	—	24	07	01	—	—	—	—
11	भूगोल	92	PB, PD	18	05	01	01	01	—	—	04	01	—	—	—	—	—	13	04	01	01	01	—	—	57	17	03	01	01	—	01
12	समाजशास्त्र	07	OA, OL, B, PB	01	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	01	—	—	01	—	—	—	05	02	—	—	—	—	—
13	वाणिज्य	02	OA, OL, PD	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	02	01	—	—	—	—	—
14	कृषि शास्त्र	01		—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	01	—	—	—	—	—	—
योग		782		149	44	08	06	09	03	—	35	12	—	03	02	02	—	111	33	06	06	05	04	—	487	146	24	13	21	12	11

Sushael

विकलांगजनों हेतु आरक्षित पदों के सापेक्ष विकलांगता की श्रेणी/उपश्रेणी :-

क्र० सं०	विषय	विषयवार विकलांगता की उपश्रेणी का चिन्हांकन	अनुसूचित जाति (क्षैतिज आरक्षण)			अनुसूचित जनजाति (क्षैतिज आरक्षण)			अन्य पिछड़ा वर्ग (क्षैतिज आरक्षण)			अनारक्षित (क्षैतिज आरक्षण)		
			विकलांग श्रेणी			विकलांग श्रेणी			विकलांग श्रेणी			विकलांग श्रेणी		
			दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया	दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया	दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया	दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया
(1)	(2)	(3)	(4)			(5)			(6)			(7)		
1	हिन्दी	OA, OL, B, PB	B, PB	-	-	B, PB	-	-	B, PB	-	-	B, PB	-	-
2	अंग्रेजी	OA, OL, B, PB	B, PB	-	OA, OL	B, PB	-	-	B, PB	-	OA, OL	B, PB	-	OA, OL
3	संस्कृत	OA, OL, B, PB	B, PB	-	-	-	-	OA, OL	B, PB	-	-	B, PB	-	-
4	भौतिक शास्त्र	OA, OL, PD	-	PD	-	-	PD	-	-	PD	OA, OL	-	PD	OA, OL
5	रसायन शास्त्र	OA, OL, PD	-	PD	OA, OL	-	PD	-	-	PD	-	-	PD	OA, OL
6	गणित	OA, OL, PD	-	PD	OA, OL	-	-	-	-	PD	OA, OL	-	PD	OA, OL
7	जीव विज्ञान	OA, OL, PD	-	PD	-	-	-	OA, OL	-	PD	OA, OL	-	PD	OA, OL
8	नागरिक शास्त्र	OA, OL, B, PB	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	अर्थशास्त्र	PB, PD	-	PD	-	PB	-	-	-	-	-	PB	PD	-
10	इतिहास	OA, OL, B, PB	B, PB	-	-	-	-	-	B, PB	-	-	-	-	-
11	भूगोल	PB, PD	PB	PD	-	-	-	-	PB	PD	-	PB	PD	-
12	समाजशास्त्र	OA, OL, B, PB	-	-	-	-	-	-	B, PB	-	-	-	-	-
13	वाणिज्य	OA, OL, PD	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	कृषि शास्त्र		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

नोट- (i) प्रत्येक विषय के लिए विकलांगजन हेतु आरक्षित पद उक्तांकित तालिका के कॉलम संख्या-4, 5, 6 एवं 7 में उल्लिखित विकलांगता की उपश्रेणी हेतु ही अनुमन्य है।

(ii) उक्तांकित तालिका के कॉलम संख्या-4, 5, 6 एवं 7 में अंकित विकलांगता की उपश्रेणी के अतिरिक्त प्रत्येक विषय के कॉलम संख्या-3 में अंकित विकलांगता की उपश्रेणी के अभ्यर्थी अपने आरक्षण की मूल उर्ध्वाधर (Vertical) श्रेणी के अन्तर्गत आवेदन कर सकते हैं।

(iii) उक्तांकित तालिका के प्रत्येक विषय के कॉलम संख्या-3 में अंकित विकलांगता की उपश्रेणी के अतिरिक्त अन्य विकलांगता उपश्रेणी के अभ्यर्थी सम्बन्धित विषय में आवेदन हेतु पात्र नहीं हैं।

(ख) प्रवक्ता संवर्ग (महिला शाखा) - कुल 135 पद

क्र० सं०	विषय	रिक्तियों की संख्या	अनु०जाति	अनु०जनजाति	अ०पि०वर्ग	अनारक्षित
1.	हिन्दी	17	03	01	02	11
2.	अंग्रेजी	20	04	01	04	11
3.	संस्कृत	12	02	-	02	08
4.	भौतिक शास्त्र	23	05	01	03	14
5.	रसायन शास्त्र	12	02	-	03	07
6.	जीवविज्ञान	10	02	-	01	07



7.	नागरिक शास्त्र	12	02	—	02	08
8.	अर्थशास्त्र	11	02	—	01	08
9.	इतिहास	11	02	—	02	07
10.	भूगोल	06	01	—	01	04
11.	मनोविज्ञान	01	—	—	—	01
योग		135	25	03	21	86

**क्षैतिज आरक्षण का विवरण :-**

क्र० सं०	विषय	कुल रिक्त पद	विषयवार विकलांगता की उपश्रेणी का चिन्हांकन	अनुसूचित जाति (क्षैतिज आरक्षण)					अनुसूचित जनजाति (क्षैतिज आरक्षण)					अन्य पिछड़ा वर्ग (क्षैतिज आरक्षण)					अनारक्षित (क्षैतिज आरक्षण)						
				रिक्त पद	पूर्व सैनिक	विकलांग			रिक्त पद	पूर्व सैनिक	विकलांग			रिक्त पद	पूर्व सैनिक	विकलांग			रिक्त पद	पूर्व सैनिक	विकलांग				
						दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया			दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया			दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया			दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया		
1	हिन्दी	17	OA, OL, B, PB	03	—	—	—	—	01	—	01	—	—	—	02	—	—	—	—	11	01	—	—	—	—
2	अंग्रेजी	20	OA, OL, B, PB	04	—	01	—	—	01	—	—	—	—	—	04	—	—	—	—	11	01	01	—	—	—
3	संस्कृत	12	OA, OL, B, PB	02	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	02	—	—	—	—	08	—	—	—	—	—
4	भौतिक शास्त्र	23	OA, OL, PD	05	—	—	01	—	01	—	—	—	—	—	03	—	—	01	—	14	01	—	—	—	—
5	रसायन शास्त्र	12	OA, OL, PD	02	—	—	01	—	—	—	—	—	—	—	03	—	—	—	—	07	—	—	01	—	—
6	जीवविज्ञान	10	OA, OL, PD	02	—	—	01	—	—	—	—	—	—	—	01	—	—	—	—	07	—	—	—	—	—
7	नागरिक शास्त्र	12	OA, OL, B, PB	02	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	02	—	—	—	—	08	—	01	—	—	—
8	अर्थशास्त्र	11	PB, PD	02	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	01	—	01	—	—	08	—	—	01	—	—
9	इतिहास	11	OA, OL, B, PB	02	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	02	—	—	—	—	07	—	—	—	—	—
10	भूगोल	06	PB, PD	01	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	01	—	—	—	—	04	—	—	01	—	—
11	मनोविज्ञान	01	OA, OL, PD	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	01	—	—	—	—	—
योग		135		25	—	01	01	02	—	03	—	01	—	—	21	—	01	01	—	86	03	02	03	—	—

**विकलांगजनों हेतु आरक्षित पदों के सापेक्ष विकलांगता की श्रेणी/उपश्रेणी :-**

क्र० सं०	विषय	विषयवार विकलांगता की उपश्रेणी का चिन्हांकन	अनुसूचित जाति (क्षैतिज आरक्षण)			अनुसूचित जनजाति (क्षैतिज आरक्षण)			अन्य पिछड़ा वर्ग (क्षैतिज आरक्षण)			अनारक्षित (क्षैतिज आरक्षण)		
			विकलांग			विकलांग			विकलांग			विकलांग		
			दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया	दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया	दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया	दृष्टिहीनता	श्रवणहास	चलनक्रिया
(1)	(2)	(3)	(4)			(5)			(6)			(7)		
1	हिन्दी	OA, OL, B, PB	—	—	—	B, PB	—	—	—	—	—	—	—	
2	अंग्रेजी	OA, OL, B, PB	B, PB	—	—	—	—	—	—	—	—	B, PB	—	
3	संस्कृत	OA, OL, B, PB	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	
4	भौतिक शास्त्र	OA, OL, PD	—	—	OA, OL	—	—	—	—	PD	—	—	—	
5	रसायन शास्त्र	OA, OL, PD	—	—	OA, OL	—	—	—	—	—	—	—	PD	
6	जीवविज्ञान	OA, OL, PD	—	PD	—	—	—	—	—	—	—	—	—	
7	नागरिक शास्त्र	OA, OL, B, PB	—	—	—	—	—	—	—	—	—	B, PB	—	

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten signature]*

8	अर्थशास्त्र	PB, PD	-	-	-	-	-	-	-	PB	-	-	-	PD	-
9	इतिहास	OA, OL, B, PB	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	भूगोल	PB, PD	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	PD	-
11	मनोविज्ञान	OA, OL, PD	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

नोट- (i) प्रत्येक विषय के लिए विकलांगजन हेतु आरक्षित पद उक्तांकित तालिका के कॉलम संख्या-4, 5, 6 एवं 7 में उल्लिखित विकलांगता की उपश्रेणी हेतु ही अनुमन्य है।

(ii) उक्तांकित तालिका के कॉलम संख्या-4, 5, 6 एवं 7 में अंकित विकलांगता की उपश्रेणी के अतिरिक्त प्रत्येक विषय के कॉलम संख्या-3 में अंकित विकलांगता की उपश्रेणी के अभ्यर्थी अपने आरक्षण की मूल उर्ध्वाधर (Vertical) श्रेणी के अन्तर्गत आवेदन कर सकते हैं।

(iii) उक्तांकित तालिका के प्रत्येक विषय के कॉलम संख्या-3 में अंकित विकलांगता की उपश्रेणी के अतिरिक्त अन्य विकलांगता उपश्रेणी के अभ्यर्थी सम्बन्धित विषय में आवेदन हेतु पात्र नहीं हैं।

02. (1) पद हेतु अनिवार्य शैक्षिक एवं अधिमानी अर्हताएं :- सेवा में प्रवक्ता पद हेतु सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी की निम्नलिखित अर्हताएं होनी आवश्यक है -

क्र०सं०	पद का नाम	अनिवार्य शैक्षिक अर्हता	अधिमानी अर्हताएं
01.	प्रवक्ता समाजशास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, इतिहास, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, गणित, मनोविज्ञान, अंग्रेजी।	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विषय में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. राजकीय या सरकार से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०)।	अन्य बातों के समान होते हुए भी सीधी भर्ती के मामले में उस अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा, जिसने - (एक) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष की सेवा की हो, या (दो) नेशनल कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो, या (तीन) एन०एस०एस० का 'सी' प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।
02.	प्रवक्ता नागरिक शास्त्र	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०)।	
03.	प्रवक्ता जीव विज्ञान	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान या जन्तु विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०)।	
04.	प्रवक्ता हिन्दी	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. संस्कृत विषय के साथ कला स्नातक या संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की शास्त्री परीक्षा का प्रमाण-पत्र। 03. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०)।	
05.	प्रवक्ता संस्कृत	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संस्कृत में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०/शिक्षाशास्त्री)।	
06.	प्रवक्ता वाणिज्य	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०)।	



07.	प्रवक्ता कृषि शास्त्र	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से कृषि शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल0टी0 डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी0एड0)।	
-----	--------------------------	---	--

(2) उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा प्रवक्ता संवर्ग समूह 'ग' के पदों पर भर्ती के लिए सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण की अनिवार्यता -

01. उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत तथा लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर समूह 'ग' के पदों की भर्ती के लिए अनिवार्य शैक्षिक अर्हता/वांछनीय अर्हता नियमावली, 2010 के नियम 04 के अनुसार उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग में समूह-ग के पद पर भर्ती हेतु वही अभ्यर्थी पात्र होगा जिसका नाम उत्तराखण्ड राज्य में स्थित किसी सेवायोजन कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि तक अवश्य पंजीकृत हो।

परन्तु शासन के पत्रांक : 1097/XXX(2)/2011, दिनांक 08 अगस्त, 2011 के अनुसार "जो व्यक्ति पूर्व से ही राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजित है, किन्तु इस विज्ञापन में विज्ञापित पदों के सापेक्ष आवेदन करने के इच्छुक हैं, उनके लिए सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण की अनिवार्यता नहीं है। शासन के पत्रांक : 310/XXX(2)/2015 दिनांक 28 जुलाई, 2015 के अनुसार समूह 'ग' के पदों हेतु सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण की अनिवार्यता से छूट पाने वाली राज्याधीन सेवाओं में केन्द्र अथवा अन्य राज्य की सेवायें सम्मिलित नहीं हैं।

02. शासन के पत्रांक : 809/XXX(2)/2010-3(1)/2010, दिनांक 14 अगस्त, 2012 के अनुसार "जिन पूर्व सैनिकों द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के किसी जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में पंजीकरण कराया गया है, उन्हें पुनः सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी और जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा सम्बन्धित पूर्व सैनिकों को निर्गत पंजीकरण सम्बन्धी प्रमाण पत्र को सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण के समतुल्य माना जाएगा।"

03. अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन पत्र भरते समय राज्याधीन सेवाओं में होने या न होने के सम्बन्ध में हाँ/नहीं को अवश्य चुने।

03. वेतनमान:- ₹ 9300-34800, ग्रेड पे ₹ 4800.00 (लेवल-8)

04. पद का स्वरूप व पेंशन योजना:- अराजपत्रित, अस्थायी/स्थायी (अविरल), अंशदायी पेंशन योजना।

05. आयु सीमा :-

(1) उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा सामान्य/महिला शाखा पद हेतु आयु गणना की निश्चयक तिथि 01 जुलाई, 2018 है अर्थात् अभ्यर्थियों को आयु गणना की निश्चयक तिथि को न्यूनतम 21 वर्ष की आयु अवश्य पूरी करनी चाहिए और 42 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होना चाहिए अर्थात् अभ्यर्थी का जन्म 01 जुलाई, 1997 के पश्चात् व 02 जुलाई, 1976 के पूर्व का नहीं होना चाहिए।

(2) उच्चतम आयु सीमा में छूट :- उत्तराखण्ड राज्य के अधिवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अ0पि0व0/विकलांग/पूर्व सैनिक तथा स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थियों को उत्तराखण्ड शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत एवं वर्तमान में प्रचलित शासनादेशों के अनुसार उच्चतम आयु सीमा में उनके आरक्षण की श्रेणी तथा उप श्रेणी के अनुसार छूट प्रदान की जायेगी। अभ्यर्थियों को यह छूट उनके लिए अधिक लाभकारी आरक्षण की श्रेणी/उप श्रेणी के आधार पर प्रदान की जायेगी।

06. राष्ट्रीयता : सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए आवश्यक है कि अभ्यर्थी :-

Sushant

 P. S. Singh



(क) भारत का नागरिक हो; या (ख) तिब्बती शरणार्थी हो जो भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से 01 जनवरी, 1962 से पूर्व भारत आया हो; या (ग) भारतीय उद्भव का ऐसा व्यक्ति हो, जिसने भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश केनिया, युगाण्डा और संयुक्त तन्जानिया गणराज्य (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो;

परन्तु यह कि उपर्युक्त श्रेणी (ख) या (ग) से संबंधित अभ्यर्थी ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिनके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो;

परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) से संबंधित अभ्यर्थी के लिए पुलिस उप महानिरीक्षक, अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड द्वारा प्रदत्त पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना भी आवश्यक होगा;

परन्तु यह भी कि यदि कोई अभ्यर्थी उपर्युक्त श्रेणी (ग) से संबंधित है तो पात्रता का प्रमाण-पत्र एक वर्ष से अधिक के लिए जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष की अवधि से बाद सेवा में इस शर्त पर रहने दिया जायेगा कि वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर ले।

**टिप्पणी :-** ऐसे अभ्यर्थी को जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, किन्तु उसे न तो जारी किया गया हो और न ही नामजूर किया गया हो, उसे परीक्षा या साक्षात्कार में प्रवेश दिया जा सकता है और उसे अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है, किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि उसके द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जाय या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाय।

**07. चरित्र :-** सेवा में किसी पद पर सीधे भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से सर्वथा उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस विषय में स्वयं समाधान करेगा।

**टिप्पणी :-** संघ सरकार या राज्य सरकार अथवा संघ सरकार, या राज्य सरकार के स्वामित्व अथवा नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम या निकाय द्वारा पदव्युक्त व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धदोष व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

**08. वैवाहिक प्रस्थिति :-** सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो,

परन्तु यह कि राज्यपाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान हैं।

**09. शारीरिक स्वस्थता :-** किसी भी अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक वह मानसिक व शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ न हो और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त हो, जिससे उसे अपने कर्तव्यों का दक्षतापूर्वक निर्वहन करने में बाधा पडने की सम्भावना हो। किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति के लिए अन्तिम रूप से अनुमोदित करने से पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायेगी कि वह वित्तीय हस्तपुस्तिका, खण्ड-दो, भाग-तीन के अध्याय-तीन में समाविष्ट मूल नियम-10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे।

**10. आरक्षण :** ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज आरक्षण, शासन द्वारा निर्गत तथा अद्यतन प्रचलित शासनादेश के आधार पर केवल उत्तराखण्ड राज्य के अधिवासी अभ्यर्थियों को अनुमन्य होगा। आरक्षण संबंधी शासनादेशों के विस्तृत विवरण हेतु आयोग की वेबसाइट देखें।

(क) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, पूर्व सैनिक, निःशक्त (विकलांग), स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित तथा महिला श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थी, जो उत्तराखण्ड राज्य के अधिवासी नहीं हैं, को आरक्षण का लाभ अनुमन्य नहीं होगा।

(ख) यदि अभ्यर्थी एक से अधिक उपश्रेणी में आरक्षण का दावा करता है तो वह केवल एक उपश्रेणी, जो उसके लिए अधिक लाभदायक होगी, का लाभ पाने का पात्र होगा।

Sushant

100, Tula College, Ahoi, Haridwar

P. Ravi



(ग) आरक्षण के लाभ का दावा करने वाले अभ्यर्थियों के पास अपनी श्रेणी/उपश्रेणी के समर्थन में विज्ञापन के "परिशिष्ट-1" में मुद्रित निर्धारित प्रारूप पर सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र होना आवश्यक है, जिसे उन्हें ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति के साथ साक्षात्कार से पूर्व संलग्न कर प्रस्तुत करना होगा। आरक्षण के सम्बन्ध में जिस श्रेणी से सम्बन्धित निर्धारित प्रारूप का उल्लेख "परिशिष्ट-1" में नहीं है, उससे सम्बन्धित प्रमाण पत्र, जो सम्बन्धित विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप पर जारी किया गया हो, संलग्न करें। जहां शपथ पत्र प्रस्तुत करना भी आवश्यक हो वहां वांछित शपथ पत्र मजिस्ट्रेट अथवा नोटरी द्वारा विधिवत प्रमाणित कराकर साक्षात्कार से पूर्व ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ अवश्य संलग्न कर प्रस्तुत करें।

(घ) विकलांग आरक्षण के लाभ हेतु विकलांगता की विभिन्न श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी में कम से कम 40 प्रतिशत की विकलांगता होना अनिवार्य है। सम्बन्धित विषय में जिस-जिस विकलांगता श्रेणी/उपश्रेणी हेतु पद आरक्षित हैं, उसी विकलांगता श्रेणी/उपश्रेणी हेतु आरक्षण प्रदान किया जायेगा।

(ङ) पूर्व सैनिक आरक्षण का लाभ शासनादेश संख्या : 133/xxxvi(3)/2009/14(1)/2009 दिनांक 16 मार्च, 2009 के अनुसार सेना से सेवानिवृत्त/विनियोजित सैन्यकर्मियों को ही अनुमन्य होगा। सैन्य कर्मियों के आश्रितों को पूर्व सैनिक आरक्षण का लाभ कदापि अनुमन्य नहीं होगा।

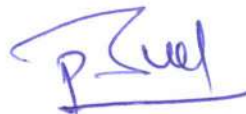
(च) स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी के आश्रित को आरक्षण का लाभ शासन द्वारा निर्गत अद्यतन प्रचलित शासनादेशों के आधार पर दिया जायेगा।

#### 11. ऑनलाइन आवेदन किये जाने हेतु प्रक्रिया :-

- (1) अभ्यर्थी उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग-समूह 'ग') सेवा (सामान्य एवं महिला शाखा) परीक्षा-2018 के विज्ञापन का सम्यक् रूप से अवलोकन करने हेतु आयोग की वेबसाइट [www.ukpsc.gov.in](http://www.ukpsc.gov.in) या [www.ukpsconline.in](http://www.ukpsconline.in) पर जायें।
- (2) नये यूजर [www.ukpsconline.in](http://www.ukpsconline.in) पर जाकर सर्वप्रथम स्वयं को OTR में पंजीकृत करें। (OTR में रजिस्टर करने हेतु विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट [www.ukpsc.gov.in](http://www.ukpsc.gov.in) या [www.ukpsconline.in](http://www.ukpsconline.in) पर उपलब्ध है।)
- (3) पूर्व में पंजीकृत यूजर अपने यूजर आईडी एवं पासवर्ड से अपने Account में लॉग इन करें।
- (4) लॉग इन करने के उपरान्त अभ्यर्थी "Online Application" पर क्लिक करें।
- (5) आयोग द्वारा जारी उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग-समूह 'ग') सेवा (सामान्य एवं महिला शाखा) परीक्षा-2018 के विज्ञापन के सम्मुख "Click here to Apply" पर क्लिक करें।
- (6) अगर अभ्यर्थी विज्ञापन की शर्तों को पूर्ण करता है तो अभ्यर्थी द्वारा OTR पर अंकित की हुई जानकारी स्वतः ही आवेदन फार्म पर प्रदर्शित हो जायेगी। उक्त के अतिरिक्त आवेदन फार्म को विज्ञापन के शर्त के अनुसार सही-सही भरें एवं फार्म पर प्रदर्शित निर्देशों का पालन करें। असत्य सूचना देने पर अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त माना जायेगा तथा ऐसे अभ्यर्थी को आयोग द्वारा कराये जाने वाली आगामी परीक्षाओं से भी प्रतिवारित (Debar) कर दिया जायेगा।
- (7) आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरने के पश्चात् प्रविष्टियों को सावधानीपूर्वक जाँच लें। भरी गयी प्रविष्टियों में शंका होने पर अथवा किसी त्रुटि की दशा में अभ्यर्थी अपने OTR पर जाकर उक्त प्रविष्टियों को ठीक करवा लें एवं पुनः आवेदन करें। भरी गयी प्रविष्टियों के एकदम सही होने की दशा में ही आवेदन पत्र के अंत में Submit Button पर क्लिक करें। अभ्यर्थी के आवेदन पत्र में भरी गयी सूचनाओं को ही अन्तिम माना जायेगा।
- (8) "You have successfully submitted your application for Special Subordinate Education Services (Lecturer-Group C) (General/Women's Branch) Exam-2018" का संदेश स्क्रीन पर स्वतः प्रदर्शित होगा।
- (9) अभ्यर्थी परीक्षा शुल्क जमा करने हेतु "My Application" पर क्लिक करें। उसके पश्चात् "Please select year" से वर्ष एवं "Select Post Name" से पद Select करें।
- (10) प्रदर्शित हुए आवेदन पर Tick कर उसके सम्मुख "Pay Now" पर क्लिक कर अपना परीक्षा शुल्क जमा करें।

Susheel







- (11) परीक्षा शुल्क जमा करने के उपरान्त अभ्यर्थी चाहें तो त्रुटि होने पर अपना आवेदन रद्द (cancel) कर पुनः आवेदन कर सकते हैं। किन्तु आवेदन रद्द (cancel) करने पर जमा किया गया शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं होगा।
- (12) अभ्यर्थी द्वारा प्रारम्भिक/स्क्रीनिंग परीक्षा/मुख्य परीक्षा अथवा साक्षात्कार परीक्षा के सम्बन्ध में यदि कोई गलत सूचना अथवा अभिलेख प्रस्तुत किये जाते हैं, तो उन्हें सम्बन्धित परीक्षा व आयोग द्वारा प्रस्तावित समस्त परीक्षाओं से प्रतिवारित (Debar) किया जा सकता है।

**नोट :-** अभ्यर्थी "उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग-समूह 'ग') सेवा (सामान्य शाखा तथा महिला शाखा) परीक्षा-2018" के सापेक्ष एक से अधिक शाखाओं/विषयों हेतु ऑनलाइन आवेदन मात्र एक ही OTR के माध्यम से करें।

**12. शुल्क :** आवेदन शुल्क निम्नवत् है-

(i) क्र०सं०	श्रेणी	आवेदन शुल्क	प्रोसेसिंग शुल्क टैक्स सहित	कुल शुल्क
01.	अनारक्षित (सामान्य)	₹100.00	₹35.40	₹135.40
02.	उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	₹60.00	₹35.40	₹95.40
03.	उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति (एससी)	₹60.00	₹35.40	₹95.40
04.	उत्तराखण्ड अनुसूचित जनजाति (एसटी)	₹60.00	₹35.40	₹95.40
05.	उत्तराखण्ड विकलांग (सम्बन्धित विषय में जिस-जिस विकलांगता श्रेणी/उपश्रेणी हेतु पद चिन्हित हैं, उसी विकलांगता श्रेणी/उपश्रेणी के अभ्यर्थी को आवेदन शुल्क से छूट अनुमत्य है।)	₹00.00	₹35.40	₹35.40
06.	उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक	₹60.00	₹35.40	₹95.40

**नोट :-** विकलांग अभ्यर्थियों को शुल्क में छूट शासनादेश संख्या : 1673/XXX(2)/2010 दिनांक 10 नवम्बर, 2010 के बिन्दु संख्या-22 के अनुसार दिया जायेगा। उक्तकित शासनादेश के बिन्दु संख्या-22 के अनुसार "निःशक्तता से ग्रस्त व्यक्तियों को विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग आदि द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में विहित आवेदन-शुल्क और परीक्षा-शुल्क के भुगतान से छूट प्राप्त होगी। यह छूट केवल उन्हीं व्यक्तियों को उपलब्ध होगी जो अन्यथा इस पद के लिए निर्धारित चिकित्सकीय उपयुक्तता के मानदण्ड के आधार पर नियुक्ति के पात्र होते।"

**13. अभ्यर्थियों के लिए स्क्रीनिंग/साक्षात्कार परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण निर्देश :-**

(01) आयोग द्वारा सम्पन्न की जाने वाली सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया, पदों से संबंधित संगत सेवानियमावली, अद्यतन प्रचलित अधिनियमों/नियमावलियों/मैनुअल्स/मार्ग-दर्शक सिद्धान्तों एवं समय-समय पर आयोग द्वारा लिये गये निर्णयों इत्यादि में वर्णित प्राविधानों के अन्तर्गत सम्पन्न की जायेगी।

(02) अभ्यर्थियों हेतु Uttarakhand Public Service Commission (Procedure and Conduct of Business) Rules-2013 एवं प्रथम संशोधन-2016 और उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली, 2012 यथा संशोधन 2013 (प्रथम संशोधन), 2014 (द्वितीय संशोधन), 2015 (तृतीय संशोधन) एवं 2016 (चतुर्थ संशोधन) आयोग की वेबसाइट [www.ukpsc.gov.in](http://www.ukpsc.gov.in) पर उपलब्ध है।

(03) रिक्त पदों के सापेक्ष मानक से अधिक संख्या में आवेदन पत्र प्राप्त होने की दशा में अभ्यर्थियों की छंटनी हेतु साक्षात्कार के पूर्व विषयवार स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) आयोजित करायी जा सकती है। साक्षात्कार से पूर्व ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ समस्त वांछित अभिलेख/प्रमाण-पत्र आयोग कार्यालय में प्राप्त किए



जायेंगे। साक्षात्कार के पूर्व/तत्समय आवेदन-पत्र/प्रमाण-पत्रों इत्यादि की सन्निरीक्षा के दौरान यदि अभ्यर्थी के अर्हता के सम्बन्ध में प्रस्तुत दावों में कोई कमी या असत्यता पायी जाती है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा तथा उसे साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं किया जायेगा। अनर्ह अभ्यर्थियों की सूचना आयोग की वेबसाइट पर प्रसारित की जायेगी। उक्त हेतु सूचना डाक द्वारा प्रेषित नहीं की जायेगी। इस सम्बन्ध में अभ्यर्थियों की सूचना हेतु विज्ञापित राज्य के दैनिक समाचार पत्रों में एवं आयोग की वेबसाइट पर प्रसारित की जायेगी।

(04) स्क्रीनिंग परीक्षा/साक्षात्कार हेतु प्रवेश पत्र डाक द्वारा प्रेषित नहीं किये जायेंगे अपितु आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकेंगे। इस सम्बन्ध में अभ्यर्थियों की सूचना हेतु विज्ञापित राज्य के दैनिक समाचार पत्रों में एवं वेबसाइट [www.ukpsc.gov.in](http://www.ukpsc.gov.in) पर प्रसारित की जायेगी।

(05) केवल वही अभ्यर्थी साक्षात्कार में सम्मिलित किए जायेंगे जो आवेदन पत्रों की संख्या के दृष्टिगत आवश्यकता होने पर आयोजित होने वाली विषयवार स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के परिणाम के आधार पर आयोग द्वारा सकल घोषित किये जायेंगे।

(06) स्क्रीनिंग परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार हेतु आहूत अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय अलग-अलग शाखा/विषय हेतु तत्समय आयोग की वेबसाइट [www.ukpsc.gov.in](http://www.ukpsc.gov.in) पर उपलब्ध पृथक-पृथक आवेदन पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

(07) अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करने होंगे, जिनका मिलान अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन-पत्र में किये गये दावों से किया जाएगा। अभ्यर्थी को दो स्वप्रमाणित नवीनतम फोटोग्राफ भी प्रस्तुत करने होंगे।

(08) केन्द्र अथवा राज्य सरकार के अधीन अथवा उनके नियंत्रणाधीन कार्यरत अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय अपने सेवा नियोजक का 'अनापत्ति प्रमाण-पत्र' मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा।

(09) न्यूनतम शैक्षिक अर्हता, स्क्रीनिंग परीक्षा/साक्षात्कार में बुलाये जाने के लिए पर्याप्त नहीं है। मात्र अर्हता धारित करना अभ्यर्थी को साक्षात्कार/स्क्रीनिंग परीक्षा के लिए आहूत किये जाने अथवा चयन के लिए अधिकार नहीं देता है। स्क्रीनिंग परीक्षा की दशा में एक विषयवार पाठ्यक्रम के अनुसार वस्तुनिष्ठ प्रकृति का प्रश्नपत्र होगा तथा प्रश्नों के मूल्यांकन में ऋणात्मक प्रवृत्ति अपनाई जायेगी। स्क्रीनिंग परीक्षा/साक्षात्कार तिथि की सूचना यथासमय आयोग की वेबसाइट पर प्रसारित की जायेगी।

(10) चयन हेतु उपलब्ध पदों के सापेक्ष आवेदकों की संख्या मानक से अधिक होने पर आयोग स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित कर सकता है। अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन करते समय स्क्रीनिंग परीक्षा हेतु नियत नगर का उल्लेख अवश्य करें। स्क्रीनिंग परीक्षा निम्नलिखित नगरों पर आयोजित की जायेगी :-

क्रम सं०	नगर का नाम
01.	अल्मोडा (अल्मोडा)
02.	हल्द्वानी (नैनीताल)
03.	काशीपुर (उधमसिंह नगर)
04.	देहरादून (देहरादून)
05.	हरिद्वार (हरिद्वार)
06.	श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल)

नोट :- अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार स्क्रीनिंग परीक्षा हेतु नगरों की संख्या घटाई-बढ़ाई जा सकती है। आयोग अभ्यर्थियों को उनके विकल्प के अनुसार आवेदित नगरों में परीक्षा केन्द्र आवंटित करने का प्रयास करेगा किन्तु अपरिहार्य परिस्थितियों में अभ्यर्थियों को उनके विकल्प से इतर अन्य नगर भी आवंटित किये जा सकते हैं तथा इस संबंध में आयोग द्वारा किसी भी प्रकार के प्रत्यावेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

(11) स्क्रीनिंग परीक्षा में अभ्यर्थियों को प्रश्नों के उत्तर स्वयं देने होंगे। दृष्टिहीन अभ्यर्थियों को शासनादेश संख्या : 320/XXX(2)/2011 दिनांक 18 मार्च, 2011 के अनुसार श्रुत लेखक की व्यवस्था अनुमत्य होगी। श्रुत लेखक की

  
Susheel  
Joint Director (College Advancement II)









शैक्षिक अर्हता इण्टरमीडिएट से अधिक नहीं होगी। श्रुत लेखक की अनुमति आयोग से परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व अवश्य प्राप्त करनी होगी, जिसके लिए अभ्यर्थी द्वारा श्रुत लेखक की शैक्षिक अर्हता सम्बन्धी प्रमाण पत्र शपथ पत्र के साथ प्रार्थना पत्र सहित आयोग के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

(12) गलत उत्तरों के लिए दण्ड – वस्तुनिष्ठ प्रश्न पत्रों में अभ्यर्थियों द्वारा दिये गये गलत उत्तरों के लिए दण्ड (ऋणात्मक मूल्यांकन) दिया जायेगा –

(क) प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प (उत्तर) है। अभ्यर्थी द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिये गए एक गलत उत्तर के लिए प्रश्न हेतु नियत किये गये अंकों का एक चौथाई दण्ड रूप में काटा जायेगा।

(ख) प्रत्येक प्रश्न का यदि अभ्यर्थी एक से अधिक उत्तर देता है, तो इसे गलत उत्तर माना जायेगा; यदि दिये गये उत्तरों में से एक उत्तर सही भी हो, फिर भी उस प्रश्न के लिए उपरोक्तानुसार ही उसी तरह का दण्ड दिया जायेगा।

(ग) यदि अभ्यर्थी द्वारा कोई प्रश्न हल नहीं किया जाता है, अर्थात् अभ्यर्थी द्वारा उत्तर नहीं दिया जाता है, तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं होगा।

(13) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पत्रों से सम्बन्धित उत्तर कुंजी/कुंजियों का विवरण परीक्षा समाप्ति के उपरान्त आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया जायेगा और अभ्यर्थी उत्तर कुंजी के प्रकाशन के 10 दिनों के भीतर प्रश्नपत्र एवं सम्बन्धित उत्तर कुंजी के सम्बन्ध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इस अवधि के उपरान्त आपत्तियों के संबंध में प्राप्त प्रत्यावेदनों पर आयोग द्वारा कोई विचार नहीं किया जायेगा। अभ्यर्थी द्वारा प्रति-प्रश्न आपत्ति के सापेक्ष निर्धारित शुल्क ₹50.00 का भुगतान करना होगा, जिसे किसी भी दशा में अभ्यर्थियों को वापस नहीं किया जायेगा। यदि अभ्यर्थी द्वारा प्रति-प्रश्न आपत्ति के सापेक्ष निर्धारित शुल्क का भुगतान नहीं किया गया है तो आयोग द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

(14) परीक्षा केन्द्र परिसर में परीक्षा के दौरान अभ्यर्थी को फोटो कैमरा, कैल्कुलेटर, मोबाईल फोन, पेजर, स्कैनर पैन अथवा किसी अन्य प्रकार के संचार यंत्र अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के प्रयोग की अनुमति नहीं है। यदि वे इन अनुदेशों का उल्लंघन करते पाये जाते हैं तो उन पर लोक सेवा आयोग द्वारा भविष्य में आयोजित की जाने वाली इस अथवा सभी परीक्षाओं में बैठने पर रोक सहित अन्य कार्यवाही की जा सकती है। अभ्यर्थियों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा स्थल पर फोटो कैमरा, मोबाईल फोन, पेजर, स्कैनर पैन अथवा किसी अन्य प्रकार के संचार यंत्र अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित किसी प्रकार की प्रतिबन्धित सामग्री न लायें; क्योंकि उनकी सुरक्षा का प्रबन्ध सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है।

(15) कोई भी अभ्यर्थी किसी भी अन्य अभ्यर्थी के पेपरों से न तो नकल करेगा, न ही अपने पेपरों से नकल करायेगा, न ही किसी अन्य तरह की अनुचित सहायता देगा, न ही सहायता देने का प्रयास करेगा, न ही सहायता प्राप्त करेगा और न ही प्राप्त करने का प्रयास करेगा।

(16) परीक्षा केन्द्र में आचरण – कोई भी अभ्यर्थी किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार न करे तथा परीक्षा हॉल में अव्यवस्था न फैलायें तथा परीक्षा संचालन हेतु आयोग द्वारा तैनात स्टॉफ को परेशान न करें, ऐसे किसी भी दुराचरण के लिए कठोर दण्ड दिया जाएगा। परीक्षा को समाप्ति के उपरान्त उत्तर-पुस्तिका कक्ष निरीक्षक को सौंपकर ही परीक्षा कक्ष के बाहर जायें।

(17) अँगूठे का निशान (Thumb Impression) – सभी अभ्यर्थी परीक्षा कक्ष में अपनी परीक्षा की उत्तर पुस्तिका के निर्धारित स्थान पर अपने अँगूठे का निशान (पुरुष अभ्यर्थी की दशा में बांये अँगूठे का निशान तथा महिला अभ्यर्थी की दशा में दांयें अँगूठे का निशान) अवश्य अंकित करेंगे।

(18) स्क्रीनिंग परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर रिक्त पदों की संख्या के सापेक्ष आयोग द्वारा नियमानुसार संख्या में अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु अर्ह घोषित किया जायेगा। स्क्रीनिंग परीक्षा का परिणाम आयोग की वेबसाइट पर प्रदर्शित कराया जायेगा, जिसकी सूचना विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित करायी जायेगी। स्क्रीनिंग परीक्षा के प्राप्तांकों को साक्षात्कार परीक्षा में नहीं जोड़ा जायेगा, साक्षात्कार परीक्षा हेतु अधिकतम 100 अंक निर्धारित है।

Sushal

Leet. Inter College Advertisement 12

Ruel



- (19) परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वे परीक्षा में प्रवेश हेतु सभी पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं। परीक्षा के सभी स्तरों पर उनका प्रवेश पूर्णतः अनन्तिम होगा बशर्ते कि वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हों। उम्मीदवार को मात्र प्रवेश पत्र/साक्षात्कार ज्ञाप जारी किए जाने का यह अर्थ नहीं होगा कि उसकी उम्मीदवारी आयोग द्वारा अन्तिम रूप से सुनिश्चित कर दी गयी है। यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी अर्ह नहीं था अथवा उसका आवेदन पत्र अस्वीकृत किया जाना चाहिए था अथवा वह प्रारम्भिक स्तर पर ही स्वीकार किए जाने योग्य नहीं था, तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा और यदि वह अन्तिम रूप से चयनित/संस्तुत किया जा चुका है तो भी आयोग द्वारा शासन से चयन संस्तुति वापस ले ली जाएगी।
- (20) हाईस्कूल प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी। जन्मतिथि हेतु उक्त प्रमाण पत्र के अतिरिक्त अन्य कोई अभिलेख मान्य नहीं होगा।
- (21) यदि कोई अभ्यर्थी अपनी श्रेणी हेतु निर्धारित शुल्क से कम शुल्क जमा करता है, तो उसका आवेदन पत्र/अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।
- (22) प्रश्नगत परीक्षा हेतु मात्र ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किया जायेगा एवं आवेदन शुल्क Net Banking/Debit Card/ Credit Card or CSC Connect (only for CSC Operatros) के माध्यम से ही स्वीकार्य होगा। किसी अन्य प्रकार से किया गया आवेदन शुल्क स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- (23) अभ्यर्थियों को सचेत किया जाता है कि वे पूर्णतया यह संतुष्ट हो जाने के पश्चात् कि वे विज्ञापन/परीक्षा की सभी शर्तों को पूरा करते हैं, आवेदन करें और परीक्षा में बैठें।
- (24) आयोग अभ्यर्थियों को उनकी पात्रता के सम्बन्ध में कोई परामर्श नहीं देता है, इसलिये अभ्यर्थी विज्ञापन का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें और तभी आवेदन करें, जब वे संतुष्ट हो कि वे विज्ञापन की शर्तों के अनुसार अर्ह हैं। अधिवयस्क, अल्पवयस्क तथा अनर्ह होने अथवा नियमों, प्रक्रिया आदि के उल्लंघन के कारण अस्वीकृत किये जाने वाले आवेदन-पत्रों के मामलों में कोई शुल्क वापस नहीं किया जायेगा।
- (25) कदाचार के दोषी पाये गए अभ्यर्थियों के विरुद्ध Uttarakhand Public Service Commission (Procedure and Conduct of Business) Rules-2013 एवं प्रथम संशोधन-2016 के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
- (26) आयोग से किए जाने वाले सभी पत्राचार में अभ्यर्थियों द्वारा अपने नाम के साथ आवेदित पद, आवेदित शाखा तथा विषय का नाम, विज्ञापन संख्या, अभ्यर्थी की जन्मतिथि, पिता/पति का नाम, रजिस्ट्रेशन सं० तथा अनुक्रमांक (यदि सूचित किया गया हो) का उल्लेख अवश्य किया जाना चाहिए।
- (27) यदि पते में कोई परिवर्तन होता है तो उसे तत्परता से आयोग को रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित किया जाना चाहिए।
- (28) आवेदित पद पर अन्तिम रूप से चयनित हो जाने के बाद भी अभ्यर्थी को नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता है जब तक कि शासन को ऐसी जाँच करने के पश्चात् जैसा आवश्यक समझा जाय, यह समाधान न हो जाये कि वह नियुक्ति के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त है।
- (29) अभ्यर्थियों को परीक्षा से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं आयोग की वेबसाइट के माध्यम से अवगत करायी जाएंगी। अतः अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट [www.ukpsc.gov.in](http://www.ukpsc.gov.in) का समय-समय पर अनुश्रवण करना सुनिश्चित करें।
- (30) अनारक्षित वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को प्रत्येक चरण हेतु उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली, 2012, 2013 (प्रथम संशोधन), 2014 (द्वितीय संशोधन), 2015 (तृतीय संशोधन) एवं 2016 (चतुर्थ संशोधन) द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को सम्बन्धित श्रेणी/उपश्रेणी के अनुसार न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त करने पर ही प्रवीणता सूची हेतु विचारित किया जायेगा।
- (31) चयन परिणाम पद हेतु विहित संगत सेवा नियमावली के प्राविधानों के अनुसार तैयार की जायेगी।


*Susheel*

*[Signature]*

*[Signature]*

*[Signature]*

(32) अभ्यर्थियों को ऑनलाईन आवेदन में किये गये दावों की पुष्टि हेतु सभी पुष्ट प्रमाण पत्र कार्यालय द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करने आवश्यक होंगे अन्यथा उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा। उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत आरक्षण सम्बन्धी सभी शासनादेशों एवं आरक्षण सम्बन्धी प्रारूपों के आधार पर ही आरक्षण का दावा एवं अनुमन्यता देय होगी।

  
(अनन्द स्वरूप)  
सचिव।

*Sushant*

Lect. Inter College Advertisement 14

 . 



परिशिष्ट-1

उत्तराखण्ड राज्य की आरक्षित श्रेणियों हेतु निर्धारित प्रमाण-पत्रों के प्रपत्र।

प्रमाण-पत्र का प्रारूप

उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिये जाति प्रमाण प्रपत्र  
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .....  
सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री श्री ..... निवासी ग्राम ..... तहसील ..... नगर .....  
..... जिला ..... उत्तराखण्ड की ..... जाति के व्यक्ति है, जिसे संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश  
1950 (जैसा कि समय-समय पर संशोधित हुआ) संविधान (अनुसूचित जनजाति उ0प्र0) आदेश 1967, जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में प्रभावी  
है, के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है।

श्री/श्रीमती/कुमारी ..... तथा अथवा उनका परिवार उत्तराखण्ड  
के ग्राम ..... तहसील ..... नगर ..... जिला ..... में सामान्यतया रहता है।

स्थान :

दिनांक :

मुहर :

हस्ताक्षर .....

पूरा नाम .....

पदनाम .....

जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/सिटी  
मजिस्ट्रेट/उप जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार  
/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

उत्तराखण्ड राज्य के अन्य पिछड़े वर्ग के लिये जाति प्रमाण-पत्र  
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... सुपुत्र/पत्नी/  
सुपुत्री श्री ..... निवासी ग्राम ..... तहसील ..... नगर .....  
..... जिला ..... उत्तराखण्ड के राज्य की ..... पिछड़े जाति के व्यक्ति है। यह जाति उ0प्र0 लोक  
सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण अधिनियम, 1994) जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में  
प्रभावी है, की अनुसूची-1 के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है। उक्त अधिनियम, 1994 की अनुसूची-2 से अधिसूचना  
संख्या-22/16/92-का-2/1995 टी.सी. दिनांक 08 दिसम्बर, 1995 द्वारा यथा संशोधित से आच्छादित नहीं है।

श्री/श्रीमती/कुमारी ..... तथा अथवा उनका परिवार उत्तराखण्ड के ग्राम .....  
तहसील ..... नगर ..... जिला ..... में सामान्यतया रहता है।

स्थान :

दिनांक :

हस्ताक्षर .....

पूरा नाम .....

पदनाम .....

मुहर .....

जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/सिटी  
मजिस्ट्रेट/उप जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार  
/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

Sushel

उत्तराखण्ड राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों के लिए प्रमाण-पत्र  
शासनादेश संख्या 4/23/1982-2/1997, दिनांक 26 दिसम्बर, 1997  
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)  
प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .....सुपुत्र/पत्नी/  
सुपुत्री ..... निवासी ग्राम ..... तहसील ..... नगर .....  
..... जिला ..... उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित  
और भूतपूर्व सैनिक के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993 जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में लागू है, के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी है और  
श्री/श्रीमती/कुमारी(आश्रित) ..... पुत्र/पुत्री/पौत्र/ अविवाहित पौत्री उपयुक्त  
अधिनियम, 1993 के ही प्रावधानों के अनुसार उक्त श्री/श्रीमती/(स्वतंत्रता संग्राम सेनानी) के आश्रित है।

स्थान :  
दिनांक :

हस्ताक्षर .....  
पूरा नाम .....  
पदनाम .....  
मुहर .....  
जिलाधिकारी .....  
(सील) .....

Sushael





संस्थान/अस्पताल का नाम और पता

प्रमाण पत्र संख्या -

तारीख

निःशक्तता प्रमाण-पत्र

चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा  
विधिवत प्रमाणित उम्मीदवार  
का हाल का फोटो जो  
उम्मीदवार की निःशक्तता  
दर्शाता हो।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु0..... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री  
.....आयु ..... लिंग ..... पहचान चिन्ह ..... निम्नलिखित श्रेणी की स्थायी  
निःशक्तता से ग्रस्त है।

क. गति विशयक (लोकोमोटर) अथवा प्रमस्तिशकीय पक्षाघात (फॉल्लिज)

(i) दोनों टांगें (बी एल) -

दोनों पैर प्रभावित किन्तु हाथ प्रभावित नहीं

(ii) दोनों बाहें (बी ए) -

दोनों बाहें प्रभावित

(क) दुर्बल पहुँच

(ख) कमजोर पकड़

(iii) दोनों टांगें और बाहें (बी एल ए)-दोनों टांगें और दोनों बाहें प्रभावित

(iv) एक टांग (ओ एल) -

एक टांग प्रभावित

(दायां या बायां)

(क) दुर्बल पहुँच

(ख) कमजोर पकड़

(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)

(v) एक बांह (ओ ए) -

एक बांह प्रभावित

(क) दुर्बल पहुँच

(ख) कमजोर पकड़

(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)

(vi) पीठ और नितम्ब (बी एच) - पीठ और नितम्ब में कड़ापन (बैठ और झुक नहीं सकते)

(vii) कमजोर मांस पेशियां (एम डब्लू) - मांस पेशियों में कमजोरी और सीमित शारीरिक सहनशक्ति।

ख. अंधापन अथवा अल्प दृष्टि -

(i) बी - अंधता

(ii) पी बी - ऑशिक रूप से अंधता

ग. कम सुनाई देना

(i) डी-बधिर

(ii) पी डी - ऑशिक रूप से बधिर

(उस श्रेणी को हटा दें जो लागू न हो)

2. यह स्थिति में प्रगामी है/गैर प्रगामी है/इसमें सुधार होने की सम्भावना है/सुधार होने की सम्भावना नहीं है। इस मामले का पुनर्निर्धारण किए जाने की अनुशंसा नहीं की जाती। .....वर्षों ..... महीनों की अवधि के पश्चात् पुनर्निर्धारण किए जाने की अनुशंसा की जाती है। \*

3. उनके मामले में निःशक्तता का प्रतिशत ..... है।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी  
करते/करती हैं:-

अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं को पूरा

(i) एफ-अंगुलियों को चलाकर कार्य कर सकते/सकती हैं।

हाँ/नहीं

Sushel

- |  |          |
|--|----------|
| (ii) पी पी-धकेलने और खींचने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं।    | हाँ/नहीं |
| (iii) एल-उठाने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं।                 | हाँ/नहीं |
| (iv) के सी-घुटनों के बल झुकन और दबक कर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (v) बी-झुक कर कार्य कर सकते/सकती हैं।                          | हाँ/नहीं |
| (vi) एस-बैठ कर कार्य कर सकते/सकती हैं।                         | हाँ/नहीं |
| (vii) एस टी-खड़े होकर कार्य कर सकते/सकती हैं।                  | हाँ/नहीं |
| (viii) डब्लू-चलते हुए कार्य कर सकते/सकती हैं।                  | हाँ/नहीं |
| (ix) एस ई-देख कर कार्य कर सकते/सकती हैं।                       | हाँ/नहीं |
| (x) एच-सुनने/बोलने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं।             | हाँ/नहीं |
| (xi) आर डब्लू-पढ़ने और लिखने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं।   | हाँ/नहीं |

डा0.....)

सदस्य  
चिकित्सा बोर्ड

(डा0.....)

सदस्य  
चिकित्सा बोर्ड

(डा0.....)

सदस्य  
चिकित्सा बोर्ड

चिकित्सा अधीक्षक/मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ अस्पताल के मुखिया  
द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित  
(मुहर सहित)

\* जो लागू न हो काट दें।

Sushant






## परिशिष्ट-2

### उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संगर्ग) सेवा (सामान्य/महिला शाखा) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों पर चयन हेतु स्क्रीनिंग परीक्षा का पाठ्यक्रम/परीक्षा योजना


प्रतियोगिता परीक्षा दो स्तरों पर आयोजित होगी:- (समय- 02 घण्टे)

1. स्क्रीनिंग परीक्षा - वस्तुनिष्ठ प्रकार
2. साक्षात्कार - 100 अंक

#### स्क्रीनिंग परीक्षा हेतु विषय सूची:-

क्रमांक	विषय
01	हिन्दी
02	अंग्रेजी
03	संस्कृत
04	भौतिक विज्ञान
05	रसायन विज्ञान
06	गणित
07	जीव-विज्ञान
08	नागरिक शास्त्र
09	अर्थशास्त्र
10	इतिहास
11	भूगोल
12	समाज शास्त्र
13	कला
14	मनोविज्ञान
15	वाणिज्य
16	कृषि

उपरोक्त विषयों में से अभ्यर्थी स्क्रीनिंग परीक्षा हेतु विषय का चयन कर सकते हैं। चयनित विषय का 200 अंको का एक प्रश्नपत्र होगा, जिसकी समय अवधि 02 घण्टे तथा प्रश्नों की संख्या 100 (प्रत्येक प्रश्न 02 अंक) होगी।

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## हिन्दी

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास: पृष्ठभूमि, काल-विभाजन, नामकरण, वर्गीकरण एवं युग प्रवृत्तियाँ

—आदिकाल (वीरगाथा काल)

—भक्तिकाल (पूर्वमध्य काल)

—रीतिकाल (उत्तरमध्य काल)

—आधुनिककाल (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग एवं छायावादोत्तर युग)

2. आदिकालीन हिन्दी काव्य: सिद्धकवि, नाथकवि, जैन मतावलम्बी कवि, आदिकाल का वीरगाथात्मक काव्य, आदिकाल के अन्य कवि।

3. भक्तिकालीन हिन्दी काव्य: संतकाव्य: कवि और कृतियाँ, सूफीकाव्य: कवि और कृतियाँ, राम काव्य: कवि और कृतियाँ, कृष्ण काव्य: कवि और कृतियाँ।

4. रीतिकालीन हिन्दी काव्य: प्रमुख रीतिबद्ध कवि, प्रमुख रीति सिद्ध कवि, प्रमुख रीतिमुक्त कवि।

5. आधुनिक हिन्दी साहित्य: (गद्य, पद्य एवं इतर गद्य विधाएँ)

भारतेन्दु युग: काव्यधारा तथा गद्यसाहित्य, द्विवेदी युग: काव्यधारा तथा गद्यसाहित्य।

छायावाद युग: काव्यधारा तथा गद्य साहित्य, छायावादोत्तरकाल: काव्यधारा तथा गद्य साहित्य, प्रगतिवादी काव्य, प्रयोगवादी काव्य, नई कविता, समकालीन कविता, अद्यतन गद्यसाहित्य एवं इतर गद्यविधाएँ (रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृत्तांत, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्टाज, फीचर, पत्र-पत्रिकाएँ तथा रचनात्मक लेखन एवं जनसंचार माध्यम आदि), दलित साहित्य।

6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना:

भारतीय काव्यशास्त्र: काव्य-लक्षण, काव्य-प्रयोजन, काव्य-हेतु, काव्य-सम्प्रदाय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वकोक्ति और औचित्य), भरतमुनि का रस-सूत्र और उसके व्याख्याकार, शब्दशक्ति विवेचन-शब्दशक्ति का स्वरूप एवं शब्दशक्ति के प्रकार, रस-विवेचन, रस से तात्पर्य, रस के अवयव, रस के भेद तथा रसों की परस्पर अनुकूलता और प्रतिकूलता, साधारणीकरण, गुण-दोष विवेचन: काव्य के गुण तथा दोष, अलंकार विवेचन: अलंकार से तात्पर्य, अलंकार के मुख्य भेद, बिम्ब, प्रतीक, छन्द विवेचन: छन्द का स्वरूप, छन्द से तात्पर्य, छन्द के घटक, छन्द के भेद, गण, मुक्त छन्द।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र: प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त तथा अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त, लौजाइनस: काव्य में उदात्त तत्त्व, कोचे: अभिव्यंजनावाद, आई.ए.रिचर्ड्स: संप्रेषण सिद्धान्त।



हिन्दी आलोचना: हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक—रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा, डॉ० नगेन्द्र, डॉ० नामवर सिंह।

7. (I) हिन्दी वाक्य रचना एवं व्याकरण: शब्द-विचार-शब्दों के भेद (उद्गम के आधार पर, बनावट या रचना के आधार पर, रूपान्तरण के आधार पर), शब्द निर्माण: उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि एवं सन्धि विच्छेद, समास एवं समास विग्रह, वाक्य विचार: वाक्य भेद एवं वाक्य शुद्धि, वाक्यांश के लिए एक शब्द, वर्तनी शुद्धि, बोध-शक्ति (अपठित गद्यांश एवं पद्यांशबोध)।

(II) संस्कृत वाक्य रचना एवं व्याकरण: सन्धि, समास, कारक, शब्दरूप एवं धातुरूप।

8. मुहावरे, लोकोक्तियाँ एवं सूक्तियाँ।

9. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, हिन्दी भाषा के विविध रूप, हिन्दी की उपभाषाएँ और बोलियाँ: वर्गीकरण और क्षेत्र, मानक भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा।

10. उत्तराखण्ड के साहित्य और संस्कृति का सामान्य परिचय।



(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## English

### **Unit I -Poetry:**

William Wordsworth, John Keats, Tennyson, Matthew Arnold, T.S. Eliot, W.B. Yeats, Stephen Spender, Robert Frost, Sarojini Naidu, A.K. Ramanujan and Kamla Das.

### **Unit II - Essay:**

Francis Bacon, Charles Lamb, William Hazlitt, Bertrand Russel, A.G.Gardiner, M.K. Gandhi , Khushwant Singh and A.P.J. Abdul Kalam.

### **Unit III- Novel:**

Henry Fielding , Thomas Hardy, Virginia Woolf, E.M. Forster, Mulk Raj Anand, R.K. Narayan , Raja Rao, Amitav Ghosh and Arvind Adiga.

### **Unit IV-Drama:**

William Shakespeare, Bernard Shaw, Harold Pinter, Girish Karnad , R.N.Tagore, Vijay Tendulkar and Mahesh Dattani.

### **Unit V-Short Story :**

O' Henry, Guy de Maupassant, Ernest Hemingway, Shashi Deshpande, Ruskin Bond and Arundhati Roy.

### **Unit VI- Comprehension of the Text:**

1. Prose Passage
2. Poetry Passage

( Questions shall be based on the interpretation of theme and style of the two passages)

### **Unit VII- An Acquaintance with Literary Forms, Terms and Movements**

1. Renaissance, Metaphysicals , Gothic Novel, Pre-Raphaelites, Post – Modernism ,Existentialism, Deconstruction and Intertextuality.
2. Ballad, Sonnet, Elegy, Ode, Metre, Heroic Couplet, Katharsis, Hamartia, Aside, Chronicle Play and Travelogue.



**Unit VIII- Test of Vocabulary :**

1. One Word Substitution
2. Antonyms, Synonyms and Homonyms
3. Phrasal verbs and Idioms and Phrases.
4. Spellings.

**Unit IX-Application of the Rules of English Grammar :**

1. Uses of Tenses and Conditional Sentences.
2. Subject-verb Agreement.
3. Transformation of Sentences.
4. Direct-Indirect Narration.

**Unit X-Test of Writing Skills :**

1. Parts of Speech and Figures of Speech with their usage in sentences.
2. Technical Aspects of Letter and Report Writing.



(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## संस्कृत

### 1. वैदिक साहित्य

वैदिक साहित्य का इतिहास

वैदिक काल-निर्धारण के विषय में विभिन्न सिद्धान्त-मैक्समूलर; ए० बेबर; जैकोबी; बालगंगाधर तिलक; एम्० विन्टरनिट्ज एवं भारतीय परम्परागत विचार।

#### वेदांग

वेदांगों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

शिक्षा; कल्प; व्याकरण; निरुक्त; छन्द; ज्योतिष।

निरुक्त (अध्याय 1 और 2)

चार पद- नाम का विचार; आख्यात का विचार; उपसर्गों का अर्थ; निपातों की कोटियाँ।

क्रिया के छः रूप (षड्भावविकार)

निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य

निर्वचन के सिद्धान्त

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ

आचार्य, गो, वृत्र, आदित्य, वाक्, नदी, पुत्र, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु।

#### देवता

ऋग्वेद- अग्नि 1.1; 5.8; सवितृ 1.35; 2.38; इन्द्र 1.32; 2.12; रुद्र 1.114; पुरुष सूक्त 10.121; नासदीय 10.129; हिरण्यगर्भ 10.121;

यजुर्वेद- शिवसंकल्प सूक्त 34.1-6;

अथर्ववेद-भूमि सूक्त 12.1;

#### विषय-वस्तु

संहिता- सामान्य परिचय

ब्राह्मणग्रन्थ- सामान्य परिचय

आरण्यकग्रन्थ- सामान्य परिचय

उपनिषद्- ईश; केन; कठ; तैत्तिरीय, बृहदारण्यक

वैदिक व्याख्या पद्धति- प्राचीन एवं अर्वाचीन; वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर।

### 2. दर्शन

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका-

सत्कार्यवाद; पुरुष-स्वरूप; प्रकृति स्वरूप; सृष्टि-क्रम; प्रत्ययसर्ग एवं कैवल्य।

सदानन्द का वेदान्तसार-

अनुबन्ध-चतुष्टय; अज्ञान; अध्यारोप-अपवाद; विवर्त; जीवनमुक्ति।

केशवमिश्र की तर्कभाषा-

पदार्थ; कारण; प्रमाण-प्रत्यक्ष; अनुमान; उपमान; एवं शब्द प्रमाण।

जैन दर्शन एवं बौद्धदर्शन का सामान्य अध्ययन।

(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)

अनुभाग अधिकारी



### 3. व्याकरण

परिभाषाएं— संहिता; गुण; वृद्धि; प्रातिपदिक; नदी; घि; उपधा; अपृक्त; गति; पद; विभाषा; सवर्ण; टि; प्रगृह्य; सर्वनामस्थान; निष्ठा।

शब्द रूप— अजन्त, हलन्त, सर्वनाम एवं संख्यावाचक शब्द।

धातु रूप— परस्मैपदी, आत्मनेपदी एवं उभयपदी।

प्रत्यय—कृत एवं तद्धित प्रत्यय।

कारक— लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

समास— लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

सन्धि— लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

### 4. संस्कृत एवं उत्तराखण्ड का आधुनिक संस्कृत साहित्य तथा काव्यशास्त्र

पद्य— रघुवंश; मेघदूत; किरातार्जुनीय; शिशुपालवध; नैषधीयचरित; बुद्धचरित—सामान्य परिचय

गद्य— दशकुमारचरित; हर्षचरित; कादम्बरी; भीष्मचरित; गंगापुत्रावदान—सामान्य परिचय

नाटक— स्वप्नवासवदत्ता; अभिज्ञानशाकुन्तल; मृच्छकटिक; उत्तररामचरित; मुद्राराक्षस;

रत्नावली; वेणीसंहार—सामान्य परिचय

#### काव्यशास्त्र

साहित्यदर्पण

काव्य की परिभाषा

काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन

शब्दशक्ति— संकेतग्रह; अभिधा; लक्षणा; व्यंजना

रस (रस—भेद स्थायी भावों सहित)

रूपक के प्रकार

नाटक के लक्षण

महाकाव्य के लक्षण

#### अन्य

रामायण; महाभारत; पुराण; मनुस्मृति; याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय); कौटिलीय अर्थशास्त्र।

(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)

अनुभाग अधिकारी

## भौतिक शास्त्र

### यूनिट 1: शुद्धगतिकी

निर्देश तंत्र। एक सरल रेखा में गति। समान तथा असमान गति, सामान्य रूप से त्वरित गति, गति-समय, स्थिति-समय ग्राफ, एक समान त्वरित गति के लिए संबंध। गति का वर्णन करने के लिए अवकलन और समाकलन की प्राथमिक अवधारण, अदिश और सदिश राशियाँ, स्थिति और विस्थापन सदिश, सामान्य सदिश और संकेत। सदिश की समानता इकाई सदिश, एक समतल-आयताकार घटकों में सदिश का विभेदन, समतल में गति, एक समान वेग और एकसमान त्वरण-प्रक्षेपी गति, एक समान वृत्तीय गति।

### यूनिट 2: गति के नियम

बल की अवधारणा, जड़त्व, जड़ता, न्यूटन का गति का पहला नियम, न्यूटन का गति का दूसरा नियम, आवेग, न्यूटन का गति का तीसरा नियम, रेखिक संवेग संरक्षण का नियम और इसके अनुप्रयोग, स्थितिज और गतिज घर्षण, घर्षण के नियम, रोलिंग घर्षण, एक समान वृत्ताकार गति की गतिकी, अभिकेन्द्रीय बल और इसके उदाहरण।

### यूनिट 3: स्थिर वैद्युतिकी

वैद्युत आवेश, कूलॉम का नियम, वैद्युत क्षेत्र, एक बिंदु आवेश के कारण विद्युत क्षेत्र, आवेश वितरण तथा द्विध्रुव, एक समान वैद्युत क्षेत्र के कारण द्विध्रुव पर आघूर्ण, वैद्युत पलक्स, गाउस का प्रमेय और उसके अनुप्रयोग, वैद्युत विभव, विभवान्तर, वैद्युत विभव के ऋणात्मक ग्रेडिएण्ट के रूप में वैद्युत क्षेत्र, एक बिन्दु आवेश के कारण वैद्युत विभव, द्विध्रुव, आवेश वितरण और आवेशों के निकाय, समविभव सतह, दो बिन्दु आवेशों के निकाय की और स्थिर वैद्युत क्षेत्र में रखे वैद्युतद्विध्रुव की वैद्युत स्थितिज ऊर्जा। चालक और कुचालक, परावैद्युतांक और वैद्युत ध्रुवीकरण, संधारित्र और धारिता, एक समानांतर प्लेट संधारित्र के लिए प्लेट्स के बीच में परावैद्युत के साथ और बिना परावैद्युत के धारिता, एक संधारित्र में जमा ऊर्जा, वैन डी-ग्राफ जेनरेटर।

### यूनिट 4: वैद्युत चालन

वैद्युत धारा, किसी धात्विक चालक में आवेश का प्रवाह, अपवाह वेग, गतिशीलता तथा इनका धारा से सम्बन्ध, वैद्युत चालन का लोरेन्ज-ड्र्यूड सिद्धान्त, विडामैन-फ्रैंज का नियम, ओम का नियम, वैद्युत ऊर्जा और शक्ति, वैद्युत प्रतिरोधकता तथा चालकता, कार्बन प्रतिरोधक, कार्बन प्रतिरोधकों के लिए रंग कोड, प्रतिरोध की ताप पर निर्भरता, किरचॉफ के नियम और उनके अनुप्रयोग।



## यूनिट 5: धारा के चुम्बकीय प्रभाव तथा चुम्बकत्व

बायो-सैवर्ट का नियम और उसके अनुप्रयोग, एम्पीयर का नियम और उसके अनुप्रयोग, एक समान चुम्बकीय और वैद्युत क्षेत्र में गतिमान आवेश पर बल, साइक्लोट्रॉन, एक समान चुम्बकीय क्षेत्र में रखे धारावाही चालक पर बल, दो समानांतर धारावाही चालकों के बीच बल, चल कुण्डल गैल्वेनोमीटर और उसका अमीटर और वोल्टमीटर में रूपांतरण, धारा लूप—एक चुम्बकीय द्विध्रुव के रूप में तथा इसका चुम्बकीय द्विध्रुव आघूर्ण, परिभ्रमण करते इलेक्ट्रॉन का चुम्बकीय द्विध्रुव आघूर्ण, किसी चुम्बकीय द्विध्रुव के कारण उसकी धुरी के अक्ष के अनुदिश तथा धुरी के अक्ष के अभिलम्बित चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता, एक समान चुम्बकीय क्षेत्र में चुम्बकीय द्विध्रुव के कारण बल—आघूर्ण, चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएँ, अनुचुम्बकीय प्रतिचुम्बकीय तथा लोह—चुम्बकीय पदार्थ और इनके उदाहरण, विद्युत चुम्बक और उसकी शक्तियों को प्रभावित करने वाले कारक।

## यूनिट 6: वैद्युत चुम्बकीय प्रेरण और प्रत्यावर्ती धाराएँ

विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, फ़ैराडे का नियम, प्रेरित विद्युत वाहक बल और धारा, लेन्ज का नियम, भंवर धाराएँ, स्व और अन्योन्य प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराएँ, प्रत्यावर्ती धारा तथा विभव का शिखर और वर्गमाध्य मूल मान, प्रतिक्रिया और प्रतिबाधा, एल सी आर श्रेणी क्रम और सामानान्तर क्रम परिपथ, अनुनाद, प्रत्यावर्ती धारा परिपथों में शक्ति, वाटहीन धारा, प्रत्यावर्ती धारा जनित्र और परिवर्तक।

## यूनिट 7: कार्य, ऊर्जा और शक्ति

कार्य, गतिज ऊर्जा, कार्य—ऊर्जा प्रमेय, शक्ति, किसी स्प्रिंग की स्थितिज ऊर्जा, संरक्षित बल, यांत्रिक ऊर्जा का संरक्षण, गैर—संरक्षित बल, एक और दो आयामों में प्रत्यास्थ और अप्रत्यास्थ टक्कर।

## यूनिट 8: गुरुत्वाकर्षण

केपलर के ग्रहों की गति के नियम, गुरुत्वाकर्षण का नियम, गुरुत्वीय त्वरण तथा इसका सीधी ऊँचाई तथा गहराई के साथ परिवर्तन, गुरुत्वीय स्थितिज ऊर्जा, गुरुत्वीय विभव, पलायन वेग, उपग्रह का कक्षीय वेग, भूस्थिर उपग्रह।

## यूनिट 09: वैद्युत चुम्बकीय तरंगें

विस्थापन धारा, वैद्युत चुम्बकीय तरंगें और उनकी अभिलक्षणतायें, वैद्युत चुम्बकीय तरंगों की अनुप्रस्थ प्रकृति, वैद्युत चुम्बकीय वर्णक्रम, मुक्त आकाश और रेखिय समदैशिक माध्यम में मैक्सवेल के समीकरण, अन्तरफलक पर क्षेत्र के लिए परिसीमा प्रतिबंध, सदिश और अदिश विभव, प्रमापी निश्चरता, मुक्त आकाश में वैद्युत चुम्बकीय तरंगें, प्वाइन्टिंग सदिश, प्वाइन्टिंग प्रमेय, वैद्युत चुम्बकीय तरंगों की ऊर्जा और संवेग।



## यूनिट 10: प्रकाशीकी

प्रकाश का परावर्तन, गोलाकार दर्पण, दर्पण सूत्र, प्रकाश का अपवर्तन, पूर्ण आंतरिक परावर्तन और उसके अनुप्रयोग, प्रकाशीय फाइबर, गोलाकार सतहों से अपवर्तन, लेंस पतले लेंस का सूत्र, लेन्समेकर्स का सूत्र, आवर्धन क्षमता, लेंस की शक्ति, सम्पर्क में रखे पतले लेंसों का संयोजन, प्रिज्म द्वारा प्रकाश का अपवर्तन और परिक्षेपण, प्रकाश का प्रकीर्णन—आकाश का नीला रंग और सूर्योदय और सूर्यास्त में सूरज की लाल प्रतीति (दिखावट)।


प्रकाशीय यंत्र, मानव आँख, छवि निर्माण और समंजन, लेंसों के द्वारा आखों के दोषों में सुधार, सूक्ष्मदर्शी और खगोलीय दूरबीन और उनकी आवर्धक शक्तियाँ। तरंग प्रकाशीकी: तरंगाग्र और हाइगेन्स का सिद्धान्त, किसी समतल तरंग के समतल पृष्ठ से तरंगाग्र का उपयोग करते हुए परावर्तन और अपवर्तन, हाइगेन्स के सिद्धान्त का उपयोग कर परावर्तन और अपवर्तन के नियमों को सिद्ध करना, व्यतिकरण, यंग का द्विस्लीट प्रयोग और फ्रिंज की चौड़ाई का सूत्र, कलासंबद्ध स्रोत और प्रकाश का प्रतिपालित व्यतिकरण, एकल स्लिट के द्वारा विवर्तन, केन्द्रीय महत्तम की चौड़ाई, सूक्ष्मदर्शी और खगोलीय दूरबीनों की विभेदन क्षमता, ध्रुवीकरण, समतल ध्रुवित प्रकाश, ब्रेवस्टर का नियम, समतल ध्रुवित प्रकाश के उपयोग और पोलोराइड्स।

## यूनिट 11: पदार्थ और विकिरण की द्वैत प्रकृति

विकिरण की द्वैत प्रकृति, प्रकाश—वैद्युत प्रभाव, हर्त्स और लिनार्ड की टिप्पणियाँ, आइंस्टीन का प्रकाश वैद्युत प्रभाव का समीकरण, प्रकाश की कण प्रकृति, पदार्थ तरंगे, कणों की तरंग प्रकृति, द ब्रोग्ली सम्बन्ध, डेविसन—जरमर का प्रयोग, तरंग और कण की द्वैत प्रकृति, तरंग फलनों का निर्देशांक और संवेग निरूपण, क्रमविनिमक और हाइजेनबर्ग का अनिश्चितता का सिद्धान्त, स्थिति वेक्टर के लिए डिराक की अंकन (नोटेशन), श्राउदींगर समीकरण (समय निर्भर और समय अनिर्भरता), अभिलक्षणिक मान प्रश्न (बाक्स में कण, प्रसंवादी दोलन इत्यादि), किसी प्रतिबाधा से टनलिंग।

## यूनिट 12: परमाणु और नाभिक

अल्फा कण प्रकीर्णन का प्रयोग, रदरफोर्ड का परमाणु मॉडल, बोहर मॉडल, ऊर्जा स्तर, हाइड्रोजन स्पेक्ट्रम, नाभिक की संरचना और आकार, परमाणु द्रव्यमान, समस्थानिक, समदाबी और आइसोटोन्स, रेडियोधर्मिता, अल्फा, बीटा और गामा कण और उनके गुण, रेडियोधर्मी क्षय नियम, द्रव्यमान—ऊर्जा सम्बन्ध, द्रव्यमान क्षति, बन्धन ऊर्जा प्रति न्यूक्लियॉन और द्रव्यमान संख्या के साथ इसकी परिवर्तनशीलता, परमाणु विखण्डन, परमाणु रिएक्टर, परमाणु संलयन।

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी



### यूनिट 13: इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

अर्द्धचालक, अर्द्धचालक डायोड, डायोड रेगुलेटर की तरह, प्रकाश उत्सर्जक डायोड, फोटो डायोड, सौर सेल और जेनर डायोड, जेनर डायोड एक विभव रेगुलेटर की तरह, संधि ट्रांजिस्टर, ट्रांजिस्टर क्रिया, ट्रांजिस्टर की अभिलाक्षणतायें, ट्रांजिस्टर एक प्रवर्धक और दोलित्र की तरह, संख्या प्रणाली: द्विआधारी, आक्टल, हेक्साडेसिमल, बीसीडी कोड, ग्रे कोड, द्वि अंकी बीजगणित, डी-मॉर्गन का नियम, तर्क परिपथ: OR-द्वार, AND-द्वार, NOT-द्वार, NAND-द्वार, NOR-द्वार, और XOR-द्वार, अंकीय तकनीकों, और अनुप्रयोगों (रजिस्टर्स, काउंटर्स, तुलनित और समान परिपथ), परिचालनात्मक प्रवर्धक और उनके अनुप्रयोग।

### यूनिट 14: संचार प्रणाली

संचार प्रणाली के तत्व, संकेतों की बैंड चौड़ाई, संचार माध्यम की बैंड चौड़ाई, वायुमण्डल में वैद्युत चुम्बकीय तरंगों का प्रसार, आकाश और अंतरिक्ष तरंग प्रसार, मॉड्युलन की आवश्यकता, आयाम संग्राहक तरंग का उत्पादन और प्राप्त करना, संगणक और संचार, संचार नेटवर्क की आवश्यकता, इन्टरनेट, बर्लड वाइड वेब, संचार प्रोटोकॉल, लोकल एरिया नेटवर्क।

### यूनिट 15: परमाणु और आणविक भौतिकी

किसी परमाणु में इलेक्ट्रान की क्वांटम स्थिति, इलेक्ट्रॉन स्पिन, हुंड का नियम, पॉली का बहिष्कार सिद्धान्त, स्टर्न-गेर्लाच का प्रयोग, जीमान प्रभाव, पाष्चैन-बैफ प्रभाव और स्टार्क प्रभाव, एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी, लेजर, सहज और उत्तेजित उत्सर्जन, आइंस्टीन के ए और बी गुणांक, प्रकाशिक पंपन, जनसंख्या व्युत्क्रमण, दर समीकरण, अनुनादों के प्रकार और संबद्धता लम्बाई।

### यूनिट 16: संघनित पदार्थ भौतिकी

ब्रेविस जालक, व्युत्क्रम जालक, विवर्तन और संरचना का कारक, ठोस पदार्थों में बन्धन, प्रत्यास्थ गुणधर्म, फोनोन, जालक विशिष्ट ऊष्मा, मुक्त इलेक्ट्रॉन सिद्धान्त और इलेक्ट्रॉन विशिष्ट ऊष्मा, अनुक्रिया और श्रांति की घटनाएँ, तापीय चालकता का डोड माडल, ठोसों का बन्धन सिद्धान्त: चालक, अर्द्धचालक और कुचालक, अति चालकता।

### यूनिट 17: नाभिकीय और कण भौतिकी

मौलिक परमाणु गुण : आकार, आकृति और आवेश वितरण, स्पिन और समता, बन्धन ऊर्जा, सेमि-आनुभाविक संहति सूत्र, द्रव बूंद माडल, नाभिकीय बल की प्रकृति, परमाणु त्वरक और डिटेक्टर, मौलिक कणों का वर्गीकरण, मूल इन्टैरैक्शन्स, प्राथमिक कण और

उनकी क्वांटम संख्याएँ, सममितता और संरक्षण नियम, लेप्टान और बेरियान संख्याएँ, जेलमान-निशिजीमा सूत्र, क्वार्क मॉडल।

### यूनिट 18: भौतिकी के गणितीय तरीके

सदिश बीजगणित और सदिश कलन, गौस, स्टोक्स और ग्रीन के प्रमेय, आव्यूह: लांबिक, एकात्मक और हेर्मिटियन आव्यूह, आव्यूह के अभिलक्षणिक मान और अभिलक्षणिक सदिश, विशिष्ट फलन (लीजेंड्रे, बेसेल, हर्मिट और लेग्रेंगे फलन), प्रदिश: सहपरिवर्ती, प्रतिपरिवर्त और मिश्रित प्रदिश, एपिसलॉन, क्रिस्टोफेल और रिची प्रदिश।

### यूनिट 19: क्लासीकल यांत्रिकी

डी-अलेम्बर्ट का सिद्धान्त, केन्द्रीय बल गति, केप्लर के समीकरण तथा नियम, कृत्रिम उपग्रह, लैंग्रेज और पॉजियन कोष्टक, विहित रूपान्तरण, हैमिल्टन-जैकोबी समीकरण, कोण क्रियाचर, लैंग्रेजियन और हैमिल्टनियन वैधिकता और गति के समीकरण, सापेक्षता का विशिष्ट सिद्धान्त-लोरेन्ट्ज रूपान्तरण, सापेक्षित शुद्धगतिकी और द्रव्यमान-ऊर्जा तुल्यता।

### यूनिट 20: ऊष्मागतिकी

ऊष्मागतिकी का शून्य नियम, ऊष्मा, कार्य और आन्तरिक ऊर्जा, ऊष्मागतिकी का पहला व दूसरा नियम, प्रतिवर्ती और अपरिवर्तीनीय प्रक्रियाएँ, ताप इंजन और रेफ्रिजरेटर, ऊष्मागतिक का तीसरा नियम।

### यूनिट 21: परफेक्ट गैस का व्यवहार और गतिक सिद्धान्त

एक परफेक्ट गैस की स्थिति का समीकरण, गैसों का गतिक सिद्धान्त-मान्यताएँ, दाब की अवधारणा, गतिज ऊर्जा और तापमान, गैस अणुओं की आर.एम.एस. गति, स्वतन्त्रता की कोटि, ऊर्जा के समविभाजन का नियम, गैसों की विशिष्ट ऊष्मा के लिए इसके अनुप्रयोग, मध्यमान मुक्त पथ और आवोगाद्रो संख्या।

### यूनिट 22: दोलन तथा तरंग

आवधिक गति, आवधिक फलन, सरल आवर्त गति और इसके समीकरण, अवस्था(फेज), स्प्रिंग का दोलन: बहालशक्ति और बल नियतांक, सरल आवर्त गति में ऊर्जा: गतिज और स्थितिज ऊर्जाएँ, सरल लोलक: लोलक के समय अवधि के लिए अभिव्यक्ति सूत्र, मुक्त, प्रतिप्रभावित (बलात्) और अवमंदित दोलन, अनुनाद, तरंग गति, अनुदैर्ध्य और अनुप्रस्थ तरंगें, तरंग की गति, एक प्रगतिशील तरंग के लिए विस्थापन संबंध, तरंगों का अध्यारोपण सिद्धान्त, तरंगों का परावर्तन, स्ट्रिंग तथा आर्गन पाइपों में खड़ी तरंगें, मौलिक मोड और हार्मोनिक्स, विस्पन्दन, डाप्लर प्रभाव।



# Physics

## **Unit I: Kinematics**

Frame of reference. Motion in a straight line, Uniform and non - uniform motion, Uniformly accelerated motion, velocity-time, position-time graphs, relations for uniformly accelerated motion, Elementary concepts of differentiation and integration for describing motion, Scalar and vector quantities: Position and displacement vectors, general vectors and notation, equality of vectors, Relative velocity, Unit vector, Resolution of a vector in a plane – rectangular components, Motion in a plane, Cases of uniform velocity and uniform acceleration-projectile motion, Uniform circular motion.

## **Unit II: Laws of Motion**

Concept of force, Inertia, Newton's first law of motion, Newton's second law of motion, impulse, Newton's third law of motion, Law of conservation of linear momentum and its applications, Static and kinetic friction, laws of friction, rolling friction, Dynamics of uniform circular motion, Centripetal force and its examples.

## **Unit III: Electrostatics**

Electric Charges; Coulomb's law, Electric field, electric field due to a point charge, charge distribution and dipole, torque on a dipole in uniform electric field, Electric flux, Gauss's theorem and its applications, Electric potential, potential difference, Electric field as a negative gradient of electric potential, electric potential due to a point charge, a dipole, charge distribution and system of charges, equipotential surfaces, electrical potential energy of a system of two point charges and electric dipole in an electrostatic field.

Conductors and insulators, Dielectrics and electric polarisation, capacitors and capacitance, capacitance of a parallel plate capacitor with and without dielectric medium between the plates, energy stored in a capacitor, Van de Graaff generator.

## **Unit IV: Electric Conduction**

Electric current, flow of electric charges in a metallic conductor, drift velocity, mobility and their relation with electric current, Lorentz – Drude theory of electrical conduction, Wiedmann – Franz's law, Ohm's law, electrical energy and power, electrical resistivity and conductivity, Carbon resistors, colour code for carbon resistors, temperature dependence of resistance, Kirchhoff's laws and its applications.

## **Unit V: Magnetic Effects of Current and Magnetism**

Biot – Savart law and its application, Ampere's law and its applications, Force on a moving charge in uniform magnetic and electric fields, Cyclotron, Force on a current-carrying conductor in a uniform magnetic field, Force between two parallel current-carrying conductors, moving coil galvanometer and conversion to ammeter and voltmeter.

Current loop as a magnetic dipole and its magnetic dipole moment, Magnetic dipole moment of a revolving electron, Magnetic field intensity due to a magnetic dipole along its axis and perpendicular to its axis, Torque on a magnetic dipole in a uniform magnetic field; magnetic field lines; Para-, dia- and ferro – magnetic substances with examples, Electromagnets and factors affecting their strengths.





## **Unit VI: Electromagnetic Induction and Alternating Currents**

Electromagnetic induction, Faraday's law, induced emf and current, Lenz's Law, Eddy currents, Self and mutual inductance, Alternating currents, peak and rms value of alternating current and voltage, reactance and impedance, LCR series and parallel circuit, resonance, power in AC circuits, wattless current, AC generator and transformer.

## **Unit VII: Work, Energy and Power**

Work, kinetic energy, work-energy theorem, power, Potential energy of a spring, conservative forces, conservation of mechanical energy, non-conservative forces, elastic and inelastic collisions in one and two dimensions.

## **Unit VIII: Gravitation**

Keplar's laws of planetary motion, law of gravitation, Acceleration due to gravity and its variation with altitude and depth, Gravitational potential energy, gravitational potential, Escape velocity, Orbital velocity of a satellite, Geo-stationary satellites.

## **Unit IX: Electromagnetic waves**

Displacement current, Electromagnetic waves and their characteristics, Transverse nature of electromagnetic waves, Electromagnetic spectrum, Maxwell's equations in free space and linear isotropic media, boundary conditions on the fields at interfaces, Scalar and vector potentials, gauge invariance, Electromagnetic waves in free space, Poynting vector, Poynting theorem, energy and momentum of electromagnetic waves.

## **Unit X: Optics**

Reflection of light, spherical mirrors, mirror formula. Refraction of light, total internal reflection and its applications, optical fibres, refraction at spherical surfaces, lenses, thin lens formula, lensmaker's formula, Magnification, power of a lens, combination of thin lenses in contact, Refraction and dispersion of light through a prism, Scattering of light – blue colour of the sky and reddish appearance of the sun at sunrise and sunset.

Optical instruments: Human eye, image formation and accommodation, correction of eye defects using lenses. Microscopes and astronomical telescopes and their magnifying powers.

Wave optics: wave front and Huygens' principle, reflection and refraction of plane wave at a plane surface using wave fronts, Proof of laws of reflection and refraction using Huygens' principle, Interference, Young's double slit experiment and expression for fringe width, coherent sources and sustained interference of light, Diffraction due to a single slit, width of central maximum, Resolving power of microscopes and astronomical telescopes, Polarisation, plane polarised light, Brewster's law, uses of plane polarised light and Polaroids.

## **Unit XI: Dual Nature of Matter and Radiation**

Dual nature of radiation, Photoelectric effect, Hertz and Lenard's observations, Einstein's equation of photoelectric effect, particle nature of light, Matter waves, wave nature of particles, de Broglie relation, Davisson - Germer experiment, Wave - particle duality, Wave functions in coordinate and momentum representations, Commutator and Heisenberg's uncertainty principle, Dirac's notation for state vectors, Schrödinger equation (time - dependent and time - independent), Eigen value problems (particle in a box, harmonic oscillator, etc.), Tunneling through a barrier.





## Unit XII: Atoms and Nuclei

Alpha-particle scattering experiment, Rutherford's model of atom, Bohr model, energy levels, hydrogen spectrum, Composition and size of nucleus, atomic masses, isotopes, isobars, isotones, Radioactivity, alpha, beta and gamma particles and their properties, radioactive decay law, Mass-energy relation, mass defect, binding energy per nucleon and its variation with mass number, nuclear fission, nuclear reactor, nuclear fusion.

## Unit XIII: Electronic Devices

Semiconductors: semiconductor diode, diode as a rectifier, LED, photodiode, solar cell and Zener diode, Zener diode as a voltage regulator, Junction transistor, transistor action, characteristics of a transistor, transistor as an amplifier and oscillator, Number system: binary, octal, hexadecimal, BCD code, Gray code. Boolean algebra, De Morgan's law, Logic circuits: OR- gate, AND- gate, NOT- gate, NAND - gate, NOR - gate and XOR - gate, Digital techniques and applications (registers, counters, comparators and similar circuits), Operational amplifiers and their applications.

## Unit XIV: Communication Systems

Elements of a communication system, bandwidth of signals, bandwidth of transmission medium, Propagation of electromagnetic waves in the atmosphere, sky and space wave propagation, Need for modulation, Production and detection of an amplitude-modulated wave, Computer and communications, Need for communication networks, Internet, World Wide Web, Communication protocols, Local Area Network.

## XV: Atomic and Molecular Physics

Quantum states of an electron in an atom, Electron spin, Hund's rule, Pauli exclusion principle, Stern - Gerlach experiment, Zeeman, Paschen - Back and Stark effect, X- ray spectroscopy, Lasers, spontaneous and stimulated emission, Einstein A and B coefficients, Optical pumping, population inversion, rate equation, Modes of resonators and coherence length.

## XVI: Condensed Matter Physics

Bravais lattices. Reciprocal lattice, Diffraction and the structure factor, Bonding of solids, Elastic properties, phonons, lattice specific heat, Free electron theory and electronic specific heat, Response and relaxation phenomena, Drude model of thermal conductivity, band theory of solids: metals, insulators and semiconductors, Superconductivity.

## XVII: Nuclear and Particle Physics

Basic nuclear properties: size, shape and charge distribution, spin and parity, Binding energy, semi - empirical mass formula, liquid drop model, Nature of the nuclear force, Particle accelerators and detectors, Classification of elementary particles, Fundamental interactions, Elementary particles and their quantum numbers, symmetries and conservation laws, Lepton and Baryon numbers, Gellmann - Nishijima formula, Quark model.

## XVIII: Mathematical Methods of Physics

Vector algebra and vector calculus, Gauss, Stokes and Green's theorem, Matrices: orthogonal, unitary and Hermitian matrices, Eigen values and eigen vectors of matrices, Special

functions (Legendre, Bessel, Hermite and Laguerre functions), Tensor: covariant, contravariant and mixed tensors, Epsilon, Christoffel and Ricci tensor.

### **XIX: Classical Mechanics**

D' Alembert's principle, Central force motions, Kepler's laws and equations, Artificial Satellite, Lagrange and Poisson bracket, Canonical transformations, Hamilton – Jacobi equation, Action angle variable, Lagrangian and Hamiltonian formalism and equations of motion, Special theory of relativity - Lorentz transformations, relativistic kinematics and mass–energy equivalence.

### **Unit XX: Thermodynamics**

Zeroth law of thermodynamics, Heat, work and internal energy, First and Second law of thermodynamics, reversible and irreversible processes, Heat engines and refrigerators, Third law of thermodynamics.

### **Unit XXI: Behaviour of Perfect Gas and Kinetic Theory**

Equation of state of a perfect gas, Kinetic theory of gases – assumptions, concept of pressure, Kinetic energy and temperature, rms speed of gas molecules, degrees of freedom, law of equipartition of energy and application to specific heats of gases, Mean free path, Avogadro's number.

### **Unit XXII: Oscillations and Waves**

Periodic motion, Periodic functions, Simple harmonic motion (S.H.M) and its equation, phase, oscillations of a spring-restoring force and force constant, energy in S.H.M.-kinetic and potential energies, simple pendulum-derivation of expression for its time period, free, forced and damped oscillations, resonance, Wave motion, Longitudinal and transverse waves, speed of wave motion, Displacement relation for a progressive wave, Principle of superposition of waves, reflection of waves, standing waves in strings and organ pipes, fundamental mode and harmonics, Beats, Doppler effect.



(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी



## रसायन विज्ञान

### खण्ड— अ

#### अकार्बनिक रसायन

1. परमाणु संरचना:

इलेक्ट्रॉन का व्यवहार, क्वाण्टम संख्याएँ, कक्षक एवं उनकी आकृति, विभिन्न कक्षकों में इलेक्ट्रॉनों को भरने हेतु नियम, तत्वों के इलेक्ट्रॉन विन्यास।

2. तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण एवं परमाणुक गुणधर्म: आधुनिक आवर्ती नियम, तत्वों के गुण धर्मों में आवर्तता एवं लॉरेन्सियम के बाद के तत्वों को सम्मिलित करते हुए आवर्त सारणी का विस्तारित रूप, आवर्त सारणी में खण्डों के आधार पर तत्वों के प्रकार (s, p, d, f -खण्ड), परमाणुक गुण धर्म—परमाणुक एवं आयनिक त्रिज्याएँ, आयनन विभव, इलेक्ट्रॉन बन्धुता, विद्युतऋणीयता।

3. रासायनिक आबंधन:

आयनिक आबंध—आयनिक ठोस, सामान्य आयनिक यौगिकों की निविड संकुलित संरचना, आयनिक ठोसों का वर्गीकरण एवं उनके गुण धर्म, आयनिक ठोसों में अपूर्णता।

सह संयोजक आबंध— संयोजकता बन्ध सिद्धान्त, संकरण की संकल्पना, सिग्मा एवं पाई आबंध, संयोजकता कोश इलेक्ट्रॉन युग्म प्रतिकर्षण सिद्धान्त एवं सामान्य अकार्बनिक अणुओं की आकृति, आणविक कक्षक सिद्धान्त का सामान्य विवरण, सम एवं विषम नाभिकीय द्विपरमाणुक अणुओं के लिए आणविक कक्षक ऊर्जा स्तर आरेख, बन्ध कोटि, अन्योन्य दुर्बल क्रियाएँ—हाइड्रोजन आबंध एवं वाण्डर वाल बल।

4. रेडियोधर्मिता एवं नाभिकीय रसायन

रेडियोधर्मिता— रेडियोधर्मी पदार्थों के विघटन का सिद्धान्त कणों/किरणों का उत्सर्जन, सॉडी-फायॉ का वर्ग विस्थापन नियम, रेडियो धर्मी तत्वों के विघटन की दर, विघटन स्थिरांक, अर्द्ध आयु एवं औसत आयु।

कृत्रिम रेडियोधर्मिता—तत्वों का तत्वांतरण, नाभिकीय विखण्डन एवं संलयन, नाभिकीय अभिक्रियाएँ एवं उनको संतुलित करना, नाभिकीय बल, नाभिकीय बन्धन ऊर्जा, नाभिकीय स्थायित्व एवं N/P अनुपात।

5. आक्सीकरण, अपचयन एवं वैद्युत अपघटन

आक्सीकरण एवं अपचयन की आधुनिक संकल्पना, संयोजकता एवं आक्सीकरण संख्या, आक्सीकारक एवं अपयायक, उनके तुल्यांकी भार, आक्सीकरण—अपचयन अभिक्रियाएँ एवं उनको संतुलित करना।

6. वर्ग 1 एवं 2 के तत्व— हाइड्रोजन, क्षार एवं क्षारीय मृदा धातुएँ (s- खण्ड)।

हाइड्रोजन का आवर्त सारणी में स्थान, हाइड्रोजन अणु के नाभिकीय चक्रण समावयव एवं हाइड्रोजन के भारी समस्थानिक, भारी जल एवं हाइड्रोजन परॉक्साइड।

s- खण्ड के धातुओं के सामान्य गुणधर्म, रासायनिक क्रियाशीलता एवं वर्ग में प्रवृत्ति, उनके हाइड्राइडों, हेलाइडों एवं आक्साइडों के रासायनिक व्यवहार।

7. वर्ग 3 से 12 तक के तत्व— संक्रमण एवं अन्तःसंक्रमण तत्व (d&f-block)

आवर्त सारणी में d एवं f-खण्ड के तत्वों का स्थान, d- खण्ड के तत्वों के अभिलक्षणिक गुणधर्म—परिवर्ती आक्सीकरण अवस्थाएँ, संकुल बनाने की प्रवृत्ति, रंग, चुम्बकीय एवं उत्प्रेरकीय गुणधर्म, 3d, 4d एवं 5d- संक्रमण तत्वों का उनके आयनिक त्रिज्याओं एवं आक्सीकरण अवस्थाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन, f-खण्ड के तत्वों के अभिलक्षणिक गुणधर्म— लैन्थेनाइड संकुचन, आक्सीकरण अवस्थाएँ, रंग एवं चुम्बकीय गुण धर्म।

8. वर्ग 13 से 18 तक के तत्व (p- खण्ड)

सामान्य गुण धर्म, रासायनिक तत्वों की क्रियाशीलता एवं वर्ग में प्रवृत्ति, परिवर्ती आक्सीकरण अवस्थाएँ (निष्क्रिय युग्म प्रभाव), उनके हाइड्राइडों, आक्साइडों एवं हेलाइडों के संदर्भ में रासायनिक व्यवहार।

आदर्श गैसों का आवर्त सारणी में स्थान, जेनॉन फ्लूओराइड एवं आदर्श गैसों के उपयोग।

#### 9. धातुओं का निष्कर्षण

अयस्क एवं खनिज, अयस्कों का सान्द्रण, धातुओं के निष्कर्षण एवं निर्मलीकरण की सामान्य विधियाँ

#### 10. उपसहसंयोजन रसायन

उपसहसंयोजी यौगिकों की IUPAC नामकरण पद्धति, उपसहसंयोजक यौगिकों में समावयवता, बन्ध की प्रकृति—VBT, CFT। d कक्षकों का अष्टफलकीय, चतुष्फलकीय एवं वर्ग समतलीय संकुलों में क्रिस्टल क्षेत्र विपाटन, वैद्युत रासायनिक श्रेणी। दुर्बल एवं प्रबल क्षेत्र अष्टफलकीय संकुलों में  $d^1$  से  $d^9$  तक के लिए CFSE का आगणन, इलेक्ट्रॉनिक संक्रमण एवं चयन नियम।  $3d$  -संक्रमण धातु संकुलों के इलेक्ट्रॉनिक स्पेक्ट्रा।

#### 11. जैव अकार्बनिक रसायन

जैविक प्रक्रियाओं में आवश्यक एवं सूक्ष्म (अज्प) तत्व,  $Na^+$ ,  $K^+$ ,  $Mg^{2+}$ ,  $Ca^{2+}$  धातु आयनों की जैविक भूमिका।

### खण्ड—ब भौतिक रसायन

#### 1. ठोस अवस्था :

अलग—अलग बंधन बलों के आधार पर ठोसों का वर्गीकरण, एकल सेल में द्विविमीय एवं त्रिविमीय लैटिस, ठोसों का निचयन, क्यूबिक सेल में एकक सेल परमाणुओं की संख्या।

#### 2. गैसीय अवस्था

गैसों का गतिक सिद्धान्त एवं गैस नियम, मैक्सवैल का गति वितरण नियम, वाण्डर वाल का समीकरण, गैसों का क्रान्तिक व्यवहार, संगत अवस्थाओं का नियम, गैसों की ऊष्मा धारिता

#### 3. द्रव अवस्था एवं विलयन

द्रवों के गुण धर्म— श्यानता, पृष्ठ तनाव एवं वाष्प दाब, राउल्ट का वाष्प दाब अवनमन का नियम, जमाव बिन्दु का अवनमन, क्वथनांक का उन्नयन, परासरण दाब, विलेयों का संगुणन एवं वियोजन।

#### 4. रासायनिक बल गतिकी

रासायनिक बल गतिकी, रासायनिक अभिक्रिया की दर, विशिष्ट अभिक्रिया दर, अभिक्रिया की आणविकता एवं कोटि, शून्य कोटि, प्रथम कोटि, द्वितीय कोटि एवं तृतीय कोटि की अभिक्रियाएँ, सक्रियण ऊर्जा, उत्क्रमणीय एवं अनुत्क्रमणीय अभिक्रियाएँ।

#### 5. रासायनिक साम्य

रासायनिक साम्य, द्रव्य अनुपाती क्रिया नियम एवं इसके अनुप्रयोग। ला शातेलिए का सिद्धान्त एवं उसके अनुप्रयोग।

#### 6. आयनन

वैद्युत वियोजन का सिद्धान्त। आयनन को प्रभावित करने वाले कारक, जल का आयनी गुणनफल एवं आयनन स्थिरांक। आयनिक साम्य—ओस्टवाल्ड का तनुता नियम।

अम्लों एवं भस्मों की धारणाएँ, विलेयता गुणनफल एवं विश्लेषणात्मक रसायन में इसके अनुप्रयोग। लवण का जल अपघटन।

#### 7. pH एवं बफर विलयन

#### 8. उत्प्रेरण

उत्प्रेरण के प्रकार, उत्प्रेरकों का वर्गीकरण एवं अभिलक्षण, उत्प्रेरण के सिद्धान्त।

#### 9. वितरण नियम एवं इसके अनुप्रयोग

#### 10. कॉलाइडी अवस्था



### 11. ऊष्मा गतिकी एवं ऊष्मा रसायन

ऊष्मा गतिकी में प्रयुक्त पद। ऊष्मा गतिकी का प्रथम नियम। ऊष्मा अंश, ऊष्मा धारिता, ऊष्मा गतिकी का द्वितीय नियम।

ऊष्मा रसायन: अभिक्रिया की ऊष्मा, निर्माण की ऊष्मा, दहन ऊष्मा, उदासीनीकरण ऊष्मा, विलयन की ऊष्मा, नैज (आन्तर) ऊर्जा, हेस का स्थिर ऊष्मा संकलन नियम।

### खण्ड – स

### कार्बनिक रसायन

1. सामान्य कार्बनिक रसायन विज्ञान : कार्बनिक यौगिकों का वर्गीकरण एवं नामकरण, इलेक्ट्रॉनिक विस्थापन-प्रेरणिक, इलेक्ट्रोमरी तथा मेसोमरी प्रभाव। अनुनाद, अति संयुग्मन एवं कार्बनिक यौगिकों के लिये इनका अनुप्रयोग। इलेक्ट्रॉन स्नेही, नाभिक स्नेही, कार्बोकेटायन, कार्बनआयन एवं मुक्त मूलक। कार्बनिक अम्ल तथा क्षार। कार्बनिक अम्लों तथा क्षारों की क्षमता पर संरचना का प्रभाव। हाईड्रोजन बंध तथा कार्बनिक यौगिकों के गुणों पर इसका प्रभाव।
2. त्रिविमरसायन: सममिति के तत्व, साधारण कार्बनिक यौगिकों में प्रकाशीय तथा ज्यामितीय समायवता। संपूर्ण विन्यास ( R तथा S ), ज्यामितीय समावययों के विन्यास, E तथा Z संकेतन। साइक्लोहेक्सेन, एकल तथा द्विप्रतिस्थापित साइक्लोहेक्सेनों के संरूपण एवं स्थायित्व।
3. एलिफैटिक यौगिक : निम्नलिखित वर्ग के साधारण कार्बनिक यौगिकों के रसायन जिसमें विशेषकर उन अभिक्रियाओं की क्रियाविधि के संदर्भ में उल्लेख हो जो इन यौगिकों के साथ हो रही हो; एल्केन, एल्कीन, एल्काइन, एल्किल हैलाइड, एल्कोहल, ईथर, थायोल, एल्डिहाइड, कीटोन, कार्बोक्सिली अम्ल, एमीन एवं उनके व्युत्पन्न।
4. संगंध यौगिक : बेन्जीन की आधुनिक संरचना; एरोमेटिसिटी की धारणा, हकल नियम तथा इसका अबेजीनीय एरोमैटिक एवं हेट्रोसाइक्लीक यौगिकों के लिये साधारण अनुप्रयोग। प्रतिस्थापित समूहों का सक्रियण तथा निष्क्रियण एवं दैशिक प्रभाव। बेन्जीन वलय से जुड़े निम्नलिखित समूहों वाले यौगिकों का रसायन शास्त्र, हैलोजेन, हाईड्राक्सी, नाइट्रो एमीनो, एल्डिहाइड, कीटोनी एवं कार्बोक्सीलि समूह।
5. नाम अभिक्रियायें, पुनर्विन्यास एवं क्रियाविधि : रीमर-टीमन अभिक्रिया, विलसमीर अभिक्रिया, शार्पलैस इपोक्सीकरण, बार्टन अभिक्रिया, फवोरस्की अभिक्रिया एवं वागनर-मीरवाइन पुनर्विन्यास एवं बेकमैन पुनर्विन्यास,।
6. कार्बोहाइड्रेट: मोनोसेक्राइड का वर्गीकरण एवं सामान्य अभिक्रियायें, ग्लूकोज, फ्रक्टोज एवं सुक्रोज के रासायनिक गुण एवं संरचना।
7. प्राकृतिक उत्पाद: टर्पीनॉयड एवं एल्कलॉएड के संरचना निर्धारण की सामान्य विधियां।
8. तेल, वसा, अमिनो अम्ल, प्रोटीन, विटामिन्स का सामान्य रासायनिक अध्ययन एवं इनकी पोषण तथा उद्योग में भूमिका।
9. कार्बनिक बहुलक: बहुलीकरण की क्रियाविधि, बहुलकों का औद्योगिक महत्व, संश्लेषित रेशे।
10. कार्बधात्विक यौगिक: लिथियम, मैग्निशियम एवं जिंक के कार्बधात एवं उनके सिंथेटिक अनुप्रयोग।
11. स्पेक्ट्रोस्कोपी: स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीकी से सम्बन्धित बुनियादी सिद्धान्त एवं उपयोग-पराबैंगनी, दृश्य अवरक्त, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद।
12. वर्णलेखी विज्ञान: वर्णलेखी प्रविधियों का वर्गीकरण, अधिशोषण, विभाजन, आयन विनियम, कागज वर्ग तथा विरल परत वर्ग लेखन के सामान्य सिद्धान्त।
13. पर्यावरणीय रसायन विज्ञान: वायु प्रदूषक एवं उनके विषाक्त प्रभाव, ओजोन परत का क्षरण, नाइट्रोजन के आक्साइड का प्रभाव, क्लोरो-फ्लोरो कार्बन तथा ओजोन परत पर उसका प्रभाव, ग्रीन हाउस प्रभाव, अम्ल वर्षा, पर्यावरणीय प्रदूषण के नियन्त्रण की व्यूह रचना।

(संज्ञा प्रकाश चतुर्वेदी)



**CHEMISTRY**  
**SECTION-A**  
**Inorganic Chemistry**

- 1. Structure of atom :** Electron behaviour, quantum numbers, orbitals and their shapes, rules for filling of electrons in various orbitals of sub-shells. Electronic configuration of elements.
- 2. Periodic classification of elements and atomic properties :** Modern periodic laws periodicity in properties of elements and extended form of periodic table including translawrencium elements. Types of elements on the basis of blocks (s,p,d,f). Atomic properties: atomic and ionic radii, ionization potential, electron affinity and electronegativity.
- 3. Chemical bonding :** Ionic bond - ionic solids, close-packed structure of simple ionic compounds. Classification and properties of ionic solids. Imperfections in ionic solids. Covalent bond: VBT, concept of hybridisation, sigma and pi bonds, VSEPR theory and shapes of simple inorganic molecules, general discussion of MO theory, MO energy level diagrams for homo and hetero nuclear diatomic molecules, bond order. Weak Interactions: hydrogen bond and van der Waals' forces.
- 4. Radioactivity and nuclear chemistry :** Theory of disintegration of radioactive substances and emission of particles/rays. Soddy-Fajan's group displacement law. Rate of disintegration of radioactive elements, disintegration constant, half life and average life. Artificial radioactivity: Transmutation of elements, nuclear fission and fusion, nuclear reactions & their balancing. Nuclear forces, nuclear binding energy, nuclear stability and N/P ratio.
- 5. Oxidation, reduction and electrolysis :** Modern concept of oxidation & reduction. Valency and Oxidation number. Oxidants & reductants and their equivalent weights. Redox reactions and their balancing. Electrolysis, standard electrode potential, electrochemical series and its importance.
- 6. Elements of Group 1 and 2 : Hydrogen, alkali and alkaline earth metals (s-block) :** Position of hydrogen in periodic table. Nuclear spin isomers of hydrogen molecule, heavier isotopes of hydrogen, heavy water and hydrogen peroxide. General properties, chemical reactivity and group trends of s-block metals, chemical behaviour with respect to their hydrides, halides and oxides.
- 7. Elements of Groups 3 to 12: Transition & inner transition elements (d & f-blocks) :** Position of d & f-block elements in periodic table. Characteristic properties of d-block elements: variable oxidation states, complex formation tendency, colour, magnetic and catalytic properties. Comparative study of 3d, 4d and 5d transition elements with reference to their ionic radii and oxidation states. Characteristic properties of f-block elements - lanthanide contraction, oxidation states, colour and magnetic properties.
- 8. Elements of Groups 13 to 18 (p-block) :** General properties, chemical reactivity of elements and group trends. variable oxidation states (inert pair effect), chemical behaviour with respect to their hydrides, oxides and halides. Position of noble gases in periodic table. Xenon fluorides and uses of noble gases.



9. **Extraction of metals** : Ores and minerals, concentration of ores. General methods of extraction and refining of metals.
10. **Coordination chemistry** : IUPAC system of nomenclature, isomerism in coordination compounds, nature of bonding - VBT, CFT. Crystal field splitting of d-orbitals in octahedral, tetrahedral and square planar complexes, spectrochemical series. Calculation of CFSE for  $d^1$  to  $d^9$  weak and strong field octahedral complexes, electronic transitions and selection rules. Electronic spectra of 3d-transition metal complexes.
11. **Bioinorganic chemistry** : Essential & trace elements in biological processes, biological role of  $Na^+$   $K^+$   $Mg^{2+}$  and  $Ca^{2+}$  cations.

**SECTION-B**  
**Physical Chemistry**

1. **Solid state** : Classification of solids based on different binding forces, unit cell in two dimensional and three dimensional lattices, packing of solids and number of atoms per unit cell in a cubic cell.
2. **Gaseous state** : Kinetic theory of gases & gas laws, Maxwell's law of distribution of velocities, van der Waals' equation, critical behaviour of gases, law of corresponding states, heat capacity of gases.
3. **Liquid state & solution** : Properties of liquids - viscosity, surface tension & vapour pressure. Raoult's law of lowering of vapour pressure, depression of freezing point, elevation of boiling point, osmotic pressure, association & dissociation of solutes.
4. **Chemical kinetics** : Chemical kinetics, rate of chemical reaction, specific reaction rate. Molecularity & order of a reaction - zero order, first order, second order & third order reaction. Energy of activation. Reversible & irreversible reactions.
5. **Chemical equilibrium** : Chemical equilibrium, law of mass action & its applications. Le-Chatelier's principle & its applications.
6. **Ionization** : Theory of electrolytic dissociation. Factors affecting ionization. Ionic product & ionization constant of water. Ionic equilibrium - Ostwald's dilution law. Concepts of acids & bases. Solubility product & its application in analytical chemistry. Salt hydrolysis.
7. **pH and buffer solutions**
8. **Catalysis** : Types and theories of catalysis, classification & characteristics of catalysts.
9. **Distribution law & its applications.**
10. **Colloidal state**
11. **Thermodynamics & thermochemistry** : Terms used in thermodynamics. First law of thermodynamics - heat content, heat capacity. Second law of thermodynamics. Thermochemistry - heat of reaction, heat of formation, heat of combustion, heat of neutralization, heat of solution, intrinsic energy. Hess's law of constant heat summation.


**SECTION – C**  
**Organic Chemistry**

1. **General Organic Chemistry** : Classification and nomenclature of organic compounds. Electronic displacement – inductive, electromeric and mesomeric effects, Resonance & hyperconjugation and their applications in organic compounds. Electrophiles, nucleophiles, carbocations, carbanions and free radicals. Organic acids and bases. Effects of structure on the strength of organic acids and bases. Hydrogen bond and its effect on the properties of organic compounds.
2. **Stereochemistry** : Elements of symmetry, optical and geometrical isomerism in simple organic compounds. Absolute configuration (R & S), configurations of geometrical isomers, E & Z notations. Conformations and stability of cyclohexane, mono- and disubstituted cyclohexanes.
3. **Aliphatic Compounds** : Chemistry of simple organic compounds belonging to following classes with special reference to the mechanisms of the reactions involved therein ; alkanes, alkenes, alkynes, alkyl halides, alcohols, ethers, thiols, aldehydes, ketones, carboxylic acids, amines and their derivatives.
4. **Aromatic Compounds** – Modern structure of benzene; concept of aromaticity, Huckel rule and its simple application to non-benzenoid aromatic and heterocyclic compounds. Activating and deactivating effect of substituent groups, directive influence. Chemistry of the compounds containing following groups attached to benzene ring – halogen, hydroxyl, nitro, amino, aldehydic, ketonic and carboxylic groups.
5. **Name reactions & rearrangements and their mechanism-** Reimer-Tiemann reaction, Vilsmeier reaction, Sharpless epoxidation reaction, Barton reaction, Favorskii reaction, Wagner-Meerwein rearrangement and Beckmann rearrangement.
6. **Carbohydrates**: Classification and general reactions of monosaccharides. Chemical properties and structure of glucose, fructose and sucrose.
7. **Natural products**: General methods of structure elucidation of terpenoids and alkaloids.
8. **Elementary idea of Chemistry of** : Oils, fats, amino acids, proteins, vitamins and their roles in nutrition and industry.
9. **Organic Polymers** : Mechanism of polymerization, polymers of industrial importance, synthetic fibres.
10. **Organometallic Compounds**: Organometallic reagents of lithium, magnesium & zinc and their synthetic applications.
11. **Spectroscopy** : Basic principles and applications of spectroscopic techniques - UV, Visible, IR & NMR.





12. **Chromatography** : Classification of chromatographic techniques, general principles of adsorption, partition, ion exchange, paper and thin layer chromatography.
13. **Environmental Chemistry** : Air pollutants and their toxic effects, depletion of ozone layer, effects of oxides of nitrogen, chlorofluorocarbons and their effects on ozone layer, greenhouse effect, acid rain, strategy for the control of environmental pollution.

  
संजीव प्रकाश चतुर्वेदी  
अनुभाग अधिकारी

## गणित

### यूनिट-1

1. समुच्चय सिद्धान्त : समुच्चय सिद्धान्त, रिक्त एवं परिमित समुच्चय, उपसमुच्चय, घात समुच्चय, सार्वत्रिक समुच्चय, वैन आरेख, सम्मिलन, सर्वनिष्ठ व अन्तर समुच्चय, समूह, उपसमूह, सामान्य उपसमूह, भागफल समूह, समाकारिता, चक्रीय समूह, क्रमचय समूह, कैलीज प्रमेय, सायलो प्रमेय, वलय।
2. सम्बन्ध एवं फलन : सम्बन्ध एवं फलन, समुच्चयों का कार्तीय गुणन, सम्बन्ध का प्रांत, सहप्रांत तथा परिसर, एक फलन का एक समुच्चय से दूसरे समुच्चय में विशेष प्रकार का सम्बन्ध। फलन, प्रांत, सहप्रांत तथा परिसर का चित्रण। विभिन्न प्रकार के फलन एवं उनके ग्राफ।

### यूनिट-2

3. गणितीय आगमन : गणितीय आगमन का सिद्धान्त तथा साधारण अनुप्रयोग, समिश्र संख्यायें तथा द्विघातीय समीकरण, समिश्र संख्याओं की आवश्यकता, समिश्र संख्याओं के गुण, आर्गंड तल और ध्रुवीय निरूपण। बीजगणित की आधारीय प्रमेय, समिश्र संख्याओं के निकायों के द्विघातीय समीकरण का हल। समिश्र संख्याओं का वर्गमूल।
4. रैखिक असमिकाएँ : रैखिक असमिकाएँ, एक चर राशि के रैखिक असमिकाओं का बीजगणितीय हल और उनका अंक रेखा पर आलेखीय निरूपण। दो चर राशियों की असमिका निकाय का हल।
5. क्रमचय और संचय : क्रमचय और संचय, गणना का आधार भूत सिद्धान्त,  $n!$  फलन, क्रमचय तथा संचय के सूत्रों का प्रतिपादन तथा उनमें सम्बन्ध,



साधारण अनुप्रयोग। धन पूर्णांकों के लिये द्विपद प्रमेय। साधारण अनुप्रयोग।

6. अनुक्रम तथा श्रेणी : समांतर श्रेणी, गुणोत्तर श्रेणी, इन श्रेणियों का व्यापक पद, गुणोत्तर श्रेणी के  $n$  पदों का योग, अनन्त गुणोत्तर श्रेणी तथा उनका योग, समांतर माध्य तथा गुणोत्तर माध्य में सम्बन्ध।

### यूनिट-3

7. द्वि-विमीय निर्देशांक ज्यामिती : सरल रेखायें, मूल बिन्दू का स्थानान्तरण, रेखा का व्यापक समीकरण, रेखा के समीकरण के विविध रूप। दो सरल रेखाओं के कटान बिन्दू से गुजरने वाली सरल रेखाओं की फैमिली का समीकरण, एक बिन्दू की सरल रेखा से दूरी। वृत्त, परवलय, दीर्घवृत्त, अति परवलय, अपभ्रष्ट शंकु परिच्छेद। परवलय, दीर्घवृत्त तथा अति परवलय की मानक समीकरणें तथा उनके गुण। वृत्त की मानक समीकरण।
8. त्रि-विमीय ज्यामिती : त्रिविमीय अंतरिक्ष में निर्देशांक और निर्देशांक तल। अंतरिक्ष में एक बिन्दु के निर्देशांक, दो बिन्दुओं के बीच की दूरी तथा विभाजन सूत्र तथा उनका दिशीय कोज्या/भिन्न। एक तल की कार्तीय तथा सदिश समीकरण, सहतलीय तथा त्रियक रेखायें। दो रेखाओं के मध्य न्यूनतम दूरी। किसी तल की कार्तीय तथा सदिश समीकरण। क. दो रेखाओं ख. दो तलों ग. एक रेखा तथा एक तल, के मध्य कोण। किसी बिन्दु की तल से दूरी।
9. सदिश विश्लेषण : सदिश एवं अदिश, सदिश का मापांक एवं दिशा, सदिशों की दिशीय कोज्या/भिन्न। सदिशों के प्रकार, किसी बिन्दु का स्थिति सदिश। सदिश की ऋणात्मकता, सदिशों के अवयव, सदिशों का योग, सदिशों का अदिश से गुणन। उस बिन्दु का स्थिति सदिश जो किसी सरल रेखा के भाग को दिये गये

भागों से विभाजित करता है। सदिश का अदिश गुणनफल। किसी रेखा पर सदिश का प्रक्षेपण। सदिशों का सदिश गुणनफल, सदिशों का त्रिअदिश गुणनफल।

#### यूनिट-4

10. सांख्यिकी एवं प्रायिकता : प्रकीर्णन की माप, माध्य विचलन, सामूहिक तथा असामूहिक आकड़ों का प्रसरण और विचलन। समान माध्यों तथा असमान प्रसरणों वाले बारंबारता बंटनों का विश्लेषण। प्रतिदर्श समष्टि तथा घटनायें। कालजयी, अनुभव एवं मान्यताओं पर आधारित प्रायिकता की परिभाषा। घटनाओं का घटित होना 'not', 'and' और 'or' घटनायें। परिभाषा। स्वतन्त्र घटनायें, प्रतिबन्धित प्रायिकता, बेज प्रमेय, असंगत तथा संगत एक चरीय बंटन, नाम है:-द्विपद, प्वाँजन तथा प्रसामान्य।

11. आव्यूह एवं सारणिक : आव्यूहों के प्रकार, सममित तथा विषम सममित आव्यूह, आव्यूहों पर संक्रियायें तथा उनके गुण, व्युत्क्रमणीय आव्यूह तथा व्युत्क्रम आव्यूह की अद्वितीयता। आव्यूह का सारणिक, गुण, उपसारणिक, सहखंड तथा अनुप्रयोग। सहखंडज तथा व्युत्क्रम आव्यूह। रैखिक समीकरणों के निकायों के हल तथा उदाहरण। व्युत्क्रम आव्यूह के प्रयोग से दो या तीन चरों वाले रैखिक समीकरणों के निकायों का हल।

#### यूनिट-5

12. अवकलन : फलन का अवकलन, सांतव्य और अवकलनीयता, फलनों के योग, अन्तर, गुणनफल तथा लब्धि का अवकलज। बहुपदों तथा त्रिकोणमितीय फलनों का अवकलन, समग्र फलनों का अवकलन, श्रंखला नियम, व्युत्क्रम, त्रिकोणमितीय फलनों का



अवकलन, । घातीय तथा लघुगणक फलनों का अवकलन। पैरामीट्रिक रूप के फलनों का अवकलन, द्विकोटिय अवकलन। रॉल्स तथा लैगरेंजिस-मीन वैल्यू प्रमेय तथा उनकी ज्यामितीय व्याख्या। स्पर्शी व लम्ब रेखाओं, अनुमान व अधिकतमता निकालने में अवकलनों का अनुप्रयोग। साधारण समस्याएं।

13. समाकलन

: समाकलन, प्रतिस्थपन, आंशिक भिन्न तथा भागों द्वारा समाकलन, सम्बन्धित उदाहरण। किसी फलन के योग सीमा के रूप में निश्चित समाकलन। समाकलन आधारीत मूलभूत प्रमेय, निश्चित समाकलन के मूलभूत गुण तथा मूल्यांकन। समाकलन के अनुप्रयोग द्वारा साधारण वक्रों के नीचे का क्षेत्रफल ज्ञात करना।

14. अवकलन समीकरण

: परिभाषा, आर्डर एवं डिग्री और अवकलन समीकरणों का व्यापक तथा विशेष हल, दिये गये हल से अवकल समीकरण बनाना, चरों की पृथक्करण विधि द्वारा अवकलन समीकरणों का हल। प्रथम आर्डर तथा प्रथम डिग्री वाली समान कोटि पद की, अवकलन समीकरण का हल। रैखिक साधारण अवकलन, समीकरणों का हल, सजातीय तथा असजातीय रैखिक अवकलन समीकरणों का हल, पैरामीटर विविधता, द्वि-आर्डर की आंशिक अवकल समीकरणों का लैग्रैन्जे तथा चारपिट्स विधियों द्वारा हल। प्रथम आर्डर की आंशिक अवकल समीकरण से संबंध कौशी प्रश्न, द्वितीय आर्डर की आंशिक अवकल समीकरण का वर्गीकरण।

15. रैखिक प्रोग्रामिंग

: रैखिक प्रोग्रामिंग समस्याओं का गणितीय सूत्रीकरण। विभिन्न प्रकार की रैखिक प्रोग्रामन समस्याएं, दो चरों की समस्याओं का ग्राफीय विधि से हल, सम्भव तथा असम्भव क्षेत्र, सम्भव तथा




(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

असम्भव हल, इष्टतम सम्भव हल, सिम्पलेक्स विधि, रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं का दोहरा रूप, डुवल सिम्प्लेक्स विधि।

## यूनिट-6

16. विचरण कलन : फलन का विचरण, आयलर-लैंगरेन्ज समीकरण, चरण के लिये आवश्यक एवं पर्याप्त प्रतिबन्ध, साधारण एवं आंशिक अवकलन समीकरणों के सीमा मान समस्याओं में विचरण विधि।
17. संख्यात्मक विश्लेषण : बीजगणितीय समीकरणों का संख्यात्मक हल, इट्रेशन तथा न्यूटन-रैफसन विधियां, अभिसरण दर, गौस-एलीमिनेशन तथा गास-सिडल विधियों द्वारा रैखिक बीजगणितीय समीकरणों का हल, परिमित तथा अपरिमित अन्तरों में अंतर्वेशन। आईवीपी का हल।

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी



## MATHEMATICS

### UNIT I:

#### 1. Set Theory:

Set theory, Empty and Finite sets. Subsets, Power set, Universal set. Venn diagrams. Union, intersection and Difference of sets. Groups, subgroups, normal subgroups, quotient groups, homomorphism, cyclic groups, permutation groups, Caley's theorem, Sylon theorem, Rings.

#### 2. Relations and Functions:

Relations and Functions, Cartesian product of sets. domain, co-domain and range of a relation. Function as a special kind of relation from one set to another. Pictorial representation of a function, domain, co-domain and range of a function. Various types of functions with their graphs.

### UNIT II:

#### 3. Mathematical Induction:

Principle of Mathematical Induction and simple applications. Complex Numbers and Quadratic Equations, Need for complex numbers, description of algebraic properties of complex numbers. Argand plane and polar representation of complex numbers. Statement of Fundamental Theorem of Algebra, solution of quadratic equations in the complex number system, Square-root of a Complex number.

#### 4. Linear Inequalities:

Linear Inequalities, Algebraic solutions of linear inequalities in one variable and their representation on the number line. Solution of system of linear inequalities in two variables.

#### 5. Permutations and Combinations:

Permutations and Combinations, Fundamental principle of counting.  $n!$  function. Permutations and combinations derivation of formulae and their connections, simple applications. Binomial theorem for positive integral indices, simple applications.

#### 6. Sequence and Series:

Arithmetic Progression, Geometric Progression, general term of these series, sum of  $n$  terms of a Geometric Progression, infinite Geometric Progression and its sum. Relation between Arithmetic Mean and Geometric Mean.

### UNIT III:

#### 7. Two-Dimensional Coordinate Geometry:

Straight Lines, shifting of origin. General equation of a line, various forms of equations of a line. Equation of family of lines passing through the point of intersection of two lines. Distance of a point from a line. Circles, ellipse, parabola, hyperbola, degenerated conic section. Standard equations and simple properties of parabola, ellipse and hyperbola. Standard equation of a circle.

### 8. Three-dimensional Geometry:

Coordinate axes and coordinate planes in three dimensions. Coordinates of a point. Distance between two points and section formula. Direction cosines/ratios of a line joining two points. Cartesian and vector equation of a line, coplanar and skew lines, shortest distance between two lines. Cartesian and vector equation of a plane. Angle between (i) two lines, (ii) two planes, (iii) a line and a plane. Distance of a point from a plane.

### 9. Vector Analysis:

Vectors and scalars, magnitude and direction of a vector. Direction cosines/ratios of vectors. Types of vectors, position vector of a point, negative of a vector, components of a vector, addition of vectors, multiplication of a vector by a scalar, position vector of a point dividing a line segment in a given ratio. Scalar product of vectors, projection of a vector on a line. Vector product of vectors, scalar triple product.

## UNIT IV:

### 10. Statistics and Probability:

Measure of dispersion, mean deviation, variance and standard deviation of ungrouped/grouped data. Analysis of frequency distributions with equal means but different variances. Sample space and events with classical, empirical, axiomatic definition of probability, Occurrence of events, 'not', 'and' & 'or' events, Multiplications theorem on probability. independent events, mutually exclusive events, conditional probability. Baye's theorem. Discrete and continuous univariate distributions namely, Binomial, Poisson and Normal.

### 11. Matrices and Determinants:

Types of matrices, symmetric and skew symmetric matrices. Operations on matrices and their properties, Invertible matrices and proof of the uniqueness of inverse. Determinant of a matrix, properties, minors, cofactors and applications of determinants. Adjoint and inverse matrix. solutions of system of linear equations and examples, solving system of linear equations in two or three variables using inverse of a matrix.

## UNIT V:

### 12. Differential Calculus:

Derivative of a function, Continuity and differentiability, derivative of sum, difference, product and quotient of functions. Derivatives of polynomial and trigonometric functions. derivative of composite functions, chain rule, derivatives of inverse trigonometric functions, derivative of implicit function. Concepts of exponential, logarithmic functions. Derivatives of  $\log_e x$  and  $e^x$ . Logarithmic differentiation. Derivative of functions expressed in parametric forms. Second order derivatives. Rolle's and Lagrange's Mean Value Theorems and their geometric interpretations. Applications of derivatives in finding tangents and normals, approximation, maxima and minima. Simple problems.

### 13. Integral Calculus:

Integration, Integration of a functions by substitution, by partial fractions and by parts. example related cases. Definite integrals as a limit of a sum. Fundamental Theorem of Calculus.



Basic properties of definite integrals and evaluation of definite integrals. Applications of the Integrals in finding the area under simple curves.

#### **14. Differential Equations:**

Definition, order and degree, general and particular solutions of a differential equation. Formation of differential equation whose general solution is given. Solution of differential equations by method of separation of variables, homogeneous differential equations of first order and first degree. Solutions of linear differential equation. Homogeneous and non-homogeneous linear ODEs, variation of parameters. Lagrange and Charpit method for solving first order Partial differential equations, Cauchy's problem for first order PDE, classification of second order PDEs.

#### **15. Linear Programming:**

Mathematical formulation of linear programming problems, different types of linear programming problems, Graphical method of solution for problems in two variables, feasible and infeasible regions, feasible and infeasible solutions, optimal feasible solutions. Simplex method, dual of LPP, Dual simplex method.


### **UNIT VI:**

#### **16. Calculus of Variation:**

Variation of a functional, Euler-Lagrange equation, necessary and sufficient conditions for extrema. Variation methods for boundary value problems in ODEs and PDEs.

#### **17. Numerical Analysis:**

Numerical solutions of algebraic equations: method of iteration and Newton-Raphson method, Rate of convergence, solution of system of linear algebraic equations using Gauss elimination and Gauss-Seidel method. Interpolation in equal and unequal differences. Solution of IVP.

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## जीव विज्ञान

### 1. पादप और जन्तुओं में विविधताएं

- क सूक्ष्मजीवों की सामान्य अवधारणा। आकृति विज्ञान, संरचना, प्रजनन और जीवाणु और विषाणु के जीवन चक्र।
- ख कवकों की संरचना, प्रजनन और जीवन चक्र
- ग मिक्जोमाइकोटीना, मैस्टिगोमोकोटीना, उमाइकोटिना, जाइगोमाइकोटिना, एस्कोमाइकोटीना, बेसिडोमाइकोटीना और ड्यूट्रोमाइकोटिना की विशिष्ट विशेषताओं के साथ कवक का वर्गीकरण।
- घ कवकों का आर्थिक महत्व।
- ङ रोग की सामान्य अवधारणा, पादपों में रोगों के लक्षण, संक्रमण के तरीके।
- च संरचना, रोग चक्र और भिगोना, विल्ट, जड़ सड़ांध, स्टेम रोट, पाउडर और डाउनीमिलडीयू, रस्ट, स्मुट्स, पत्ती के धब्बे और पत्ती के ब्लाइट्स के नियंत्रण के तरीकों का संक्षिप्त विवरण।
- छ रोगाणुओं का आर्थिक महत्व।
- ज शैवाल का वर्गीकरण।
- झ प्रोटोक्लोरोफाइटा, क्लोरोफायटा, कैरौफाइटा, जैन्थोफाईटा, बैसिलैरियोफाईटा, फियौफाइटा, रोडोफाइटा और साइनोफाइटा की मुख्य विशेषताएं।
- ञ विभिन्न शैवालों के जीवन चक्रों का सामान्य उल्लेख।
- ट शैवाल का आर्थिक महत्व।
- ठ ब्रायोफाईट्स के आकारिकी, संरचना, प्रजनन और जीवन इतिहास का सामान्य विवरण।
- ड ब्रायोफाईट्स का वर्गीकरण।
- ढ ब्रायोफाईट्स का आर्थिक महत्व।
- ण टेरिडोफाइट्स का वर्गीकरण।
- त साइलोफाइटोपसीडा, साइलोपोसीडा, लाइकोपसीडा, स्फीनोपसीडा, टेरोपसीडा का आकृति विज्ञान और जीवन इतिहास।
- थ टेरिडोफाइट्स का आर्थिक महत्व।
- द अनावृतबीजीयों का वर्गीकरण।
- ध टेरिडोस्पर्मेल्लस, बेनेटिटेल्स, साइकेडेल्स, गिंगकोऐल्स, कोनिफरेल्स, टेक्सेल्स, एफीडरेल्स, वेलवीस्चिथेल्स और नीटेल्स की आकृति विज्ञान एवं जीवनचक्र।



- न जिमनोसर्पम का आर्थिक महत्व ।
- न एंजियोसर्पम के वर्गीकरण की महत्वपूर्ण प्रणाली ( बेंथम और हुकर, हचिन्सन और क्रॉनिकिस्ट) ।
- प वर्गीकरण में शरीर रचना, भ्रूण विज्ञान, कोशिका विज्ञान, फाइटोकेमिस्ट्री और पैलेनौलाजी की भूमिका ।
- फ रेननकुलेसी, मैगनोलिएसी, रूटेसी, फैंबेसी, रोजेसी, एपीएसी, एस्टरएसी, प्रिमुलेसी, एस्क्लेपीडियेसी, लैमिऐसी, वर्बिनेसी, कोनवौल्युलेसी, एकैन्थैसी, सोलेनैसी, अमेरेनथैसी, युफोरबिएसी, ऑर्किडेसी, साइपेरेसी और पोएसी की विभेदीय विशेषताएं एवं उनका आर्थिक महत्व ।
- ब प्रोटोजोआ, पोरिफेरा, सिलेन्टीरेटा, प्लैटिहेलमैनथिस, एस्कीहेलमैनथिस, एनीलिडा, आथ्रोपोडा, मोलस्का, इकाईनोर्डरमेटा और कोर्डेटा के सामान्य लक्षण एवं वर्ग तक वर्गीकरण ।
- भ प्रोटोजोआ में संचलन, पोरिफेरा में नहर प्रणाली, सिलेनट्रेटा में बहुरूपता, हेलमैन्थस् में परजीवी अनुकूलता और कीटों में सामाजिक जीवन ।
- म हेमिकोर्डेटा, सिफैलोकोर्डेटा, यूरोकोर्डेटा में सम्बन्ध । उभयचर प्राणियों में पैत्रिक देखभाल, विष एवं विषहीन सर्प और पक्षियों में प्रवास । प्रोटोथिरिया, मैटाथिरिया और यूथिरिया के सामान्य लक्षण एवं उनकी समानताएं ।

## 2. कोशिका विज्ञान और आनुवांशिकी

- क कार्बोहाइड्रेट, लिपिड, प्रोटीन, न्यूक्लिक अम्ल, विटामिन और वर्णकों की संरचना, कार्य एवं चयापचय ।
- ख एंजाइमों का वर्गीकरण, एंजाइम बलगतिकी, किण्वक विनियमन, किण्वक उत्प्रेरक प्रक्रिया, समकिण्वक और सह-किण्वक ।
- ग प्रोटीन्स की प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक संरचनाएं ।
- घ मॉडल झिल्ली, लिपिड बाइलेयर की संरचना तथा झिल्ली प्रोटीन प्रसार, परासरण, आयन चैनल, सक्रिय परिवहन ।
- ङ कोशिका भित्ति, केन्द्रक, माईटोकॉन्ड्रिया, गोल्जी काँय, लाइसोसोम, अंतगर्दविक जालिका, परआक्सीसोम, प्लास्टीड्स, रिक्तिकाएं, साइटोपंजर की संरचना एवं कार्य तथा गतिशीलता में इसकी भूमिका ।
- च गुणसूत्रों और विशालकाय गुणसूत्रों की संरचना ।
- छ समसूत्रीय और अर्धसूत्रीय विभाजन, सेल चक्र, सेल चक्र का विनियमन एवं नियंत्रण ।

- ज प्रतिकृति की इकाई, इसमें शामिल किण्वक, गुणसूत्रवाह्य प्रतिकृतियां, डी एन ए क्षति एवं मरम्मत तंत्र।
- झ न्यूक्लिक एसिड की संरचना: हेलिक्स (ए, बी, जेड)।
- ञ आर एन ए संश्लेषण एवं प्रसंस्करण।
- ट मेंडेलियन के सिद्धांत, प्रभुत्व, अलगाव, अपव्यूहन, वंशानुगतता और विविधता।
- ठ जीन की अवधारणा एलिल, एकाधिक एलील्स, स्यूडोएलिल्स।
- ड मेंडेलियन सिद्धांतों का विस्तारण : सहप्रभुत्वता, अधूरा वर्चस्व, जीन परस्पर क्रिया, सहलंगनता, क्रोसिंग ओवर, लिंग सहलंगनता, लिंग प्रभावित लक्षण, उत्परिवर्तन के कारण एवं प्रकार।
- ढ अतिरिक्त गुणसूत्र वंशानुगतता, माइटोकोन्ड्रिया और क्लोरोप्लास्ट जीन का उत्तराधिकार, मातृ वंशानुगतता।
- ण गुणसूत्रों में संरचनात्मक एवं संख्यात्मक फेर बदल : विलोपन, दोहराव, उलटाव, स्थानान्तरण, प्लॉइडी।
- त पुनर्संयोजन: ट्रांसपोजिशन सहित समरूप और गैर-समरूप पुनर्संयोजन।
- थ पादप प्रजनन के लक्ष्य, उद्देश्य और बुनियादी तकनीक।
- द फसल सुधार विधियाँ-पादप परिचय, चयन, अनुकूलन, संकरण, कायिक प्रवर्धन और कलम बांधना।
- ध संकरीकरण : अन्तराजातिय एवं अन्तरावंशीय, शुद्ध वंशक्रम, बेक कास संकरण, स्व-असंगति प्रणाली।

### 3. विकास एवं व्यवहार

- क लैमार्कवाद एवं डार्विनवाद, अनुकूलन, संघर्ष, परिपूर्णता और प्राकृतिक चयन मेन्डलवाद : विकासवादी संश्लेषण, जैविक विकास के प्रमाण
- ख बुनियादी जैविक अणुओं का उद्भव, कार्बनिक एकलकों एवं बहुलकों का अजैविक संश्लेषण, ओपरिन और हल्दने की अवधारणा, मिलर का प्रयोग (1953), प्रथम कोशिका, प्रोकेरियोट्स का विकास: यूकेरियोटिक कोशिकाओं का उद्भव: एक कोशिकीय यूकेरियोट्स का विकास : अवायवीय चयापचय, प्रकाश संश्लेषण तथा वायवीय चयापचय।
- ग भू वैज्ञानिक समय मापक्रम, विकासवादी समय पैमाने की प्रमुख घटनाएँ: एक कोशिकीय एवं बहुकोशिकीय जीवधारीयों का उद्भव : जन्तुओं के प्रमुख समूह: प्रमुख जीवाश्म अभिलेख। घोडा, हाथी एवं मानव का विकास।



घ प्राकृतिक विकास की अवधारणा ।

#### 4. व्यावहारिक जीव विज्ञान

क) रेशा उत्पादक पादप, औषधीय एवं सुगंधित पादप ।

ख) महत्वपूर्ण काष्ठ-उपज देने वाले पादप एवं अकाष्ठ-वन उत्पाद (एन टी एफ पी०) जैसे बांस, गोंद, टैनिन्स, रंजक, रेजिन, पेय पदार्थ और सजावटी पादप ।

ग) बौद्धिक संपदा अधिकार ।

घ) सूक्ष्म जीवधारी किण्वन एवं छोटे और बड़े अणुओं का उत्पादन ।

ङ) प्रतिरक्षाविज्ञानीय सिद्धांतों की प्रयोज्यता, टीके, जाँच । पौधों एवं जन्तुओं में ऊतक एवं कोशिका संवर्धन की विधियाँ ।

च) परा-उत्पत्तिमूलक पादप एवं जन्तु, स्ट्रेन की पहचान एवं लक्षणों का आणविक दृष्टिकोण ।

छ) जीनोमिक्स एवं जीन उपचार सहित स्वास्थ्य एवं कृषि में इसका उपयोग ।

ज) चिन्हक-सहायता प्रदान चयन सहित पादप एवं जन्तुओं में जनन करना ।

झ) मानव एवं घरेलू पशुओं के आम परजीवी एवं रोगजनक ।

ञ) रेशम कीट पालन, मधुमक्खी पालन, लाख पालन, कृमि संवर्धन, मोती संवर्धन, मतस्य पालन ।

ट) औषधि, जैव-नियंत्रण एवं भोजन में उपयोग में आने वाले कीट ।

ण) एकीकृत कीट प्रबंधन ।

#### 5. पादप एवं जन्तु कार्यिकी

क) पादप जल सम्बन्ध: प्रसार, परासरण, पानी की क्षमता और इसके घटक, प्लाज्मोलाइसिस, पानी का अन्तःशोषण तथा अवशोषण, जड़ दबाव तथा पौधों में रस आरोहण ।

ख) पौधों में जल हानि: वाष्पोत्सर्जन तथा उसका महत्व, वाष्पोत्सर्जन को प्रभावित करने वाले कारक, रन्ध्र खुलने एवं बन्द होने की प्रक्रिया, बिन्दु स्त्राव ।

ग) खनिज पोषण- आवश्यक तत्व, दीर्घ एवं सूक्ष्म तत्व, तत्वों की आवश्यकताओं के मानदंड, आवश्यक तत्वों की भूमिका, खनिजों की कमी के लक्षण, कोशिका झिल्ली के आरपार आयनों का परिवहन, सक्रिय एवं निष्क्रिय परिवहन ।

घ) पौधों में प्रकाश संश्लेषण ।

ङ) अवायवीय एवं वायवीय श्वसन, ग्लाइकोलाईसिस, केब्स चक्र (साइट्रिक अम्ल चक्र), ऑक्सीकरणी फॉस्फोराइलेशन, इलेक्ट्रॉन परिवहन प्रणाली, किण्वन, आर.क्यू।

च) नाइट्रोजन निर्धारण, नाइट्रेट और अमोनियम सम्मिलन एमिनो अम्लों का जैव संश्लेषण ।

छ) पादप वृद्धि नियंत्रक – ऑक्जिन्स, जिबेरिलिन्स साइटोकिनिन, इथाईलीन, ऐबस्सिसिक अम्ल, पोलीएमाइन्स, जैसमोनिक अम्ल, हार्मोन अभिग्राही एवं विटामिन्स की कार्यिकी प्रभाव एवं क्रियाविधि ।

ज) प्रकाशकालिता एवं इसका महत्व ।

झ) टरपिन्स, फिनाॅल, नाइट्रोजनीय यौगिकों का जैवसंश्लेषण एवं उनकी भूमिका ।

ञ) पौधों पर जैविक एवं अजैविक तनावों की प्रतिक्रिया ।

ट) हृदय की तुलनात्मक आंतरिक शरीर रचना : पेशीजनक एवं तंत्रिकाजनक हृदय, हृदय चक्र, हृदयी निर्गम, स्ट्रोक आयतन, रक्त चाप, हृदय का हार्मोनल और तंत्रिकीय नियंत्रण। तन्त्रिका कोशिकाओं के आकारकीय प्रकार, तन्त्रिका आवेग का उद्भव, संचरण एवं कार्यिकी। जन्तुओं में नाइट्रोजीनी अपशिष्ट के प्रकार, स्तनधारियों में मूत्र निर्माण कार्यिकी, " किण्वक एवं विटामिन्स तथा उनका मानव कार्यिकी में महत्व। अन्तःस्त्रावी ग्रन्थियाँ तथा उनके स्त्राव एवं कार्य। मानव में पाचन की कार्यिकी ।

## 6. पारिस्थितिकी

क) पारिस्थितिकी तन्त्र के प्रकार, संरचना और कार्य (जलीय एवं स्थलीय)।

ख) ऊर्जा प्रवाह, एवं पोषक खाद्य चक्रण (N, P, C, O) खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल और पारिस्थितिक पिरामिड ।

ग) जनसंख्या पारिस्थितिकी : लक्षण, जनसंख्या वृद्धिक, जनसंख्या नियमन, डीम्स एवं प्रसार ।

घ) समुदाय पारिस्थितिकी : संरचना एवं संगठन, विशेषताएँ, नाम पद्धति ।

ङ) पारिस्थितिकीय अनुक्रम : प्रकार, क्रियावली, अनुक्रम में शामिल परिवर्तन ।

च) पर्यावरणीय प्रदूषण वायु : जल, ध्वनि, नाभिकीय (स्रोत, प्रभाव एवं अल्पीकरण)

छ) जैवविविधता : आनुवांशिक, प्रजाति तथा पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता का मूल्य, जैव विविधता में ह्रास के कारण तथा इसका संरक्षण (अंतस्थ तथा संसगत संरक्षण)।



## 7. पादप एवं जन्तुओं में प्रजनन और विकास—

परागण, निषेचन और भ्रूणपोष का विकास। पौधों में भ्रूण का विकास और बीज गठन। बीजांड की संरचना, गुरुबीजाणुजनन, का विकास एवं भ्रूण-कोष का संगठन। युग्मनन, निषेचन एवं मेंढक, चूजों और स्तनधारीयों में आरम्भिक विकास, ब्लास्टुला गठन, कंदुकन तथा जन्तुओं में जर्म परतों का गठन। युग्मनज का गठन, भ्रणोद्भय। चूजों में आंख, मस्तिष्क और हृदय का विकास, अपरा का वर्गीकरण, स्तनधारियों में अपरा की कार्यिकी एवं कार्य। जन्तुओं में कायान्तरण के प्रकार एवं हार्मोन नियन्त्रण। चूजों में अतिरिक्त भ्रूणीय झिल्लियां।

## 8. जैव प्रौद्योगिकी

क) विभिन्न प्रकार के सूक्ष्मजीव।

ख) आनुवांशिक अभियांत्रिकी की तकनीक एवं कार्यक्षेत्र पर संक्षिप्त विचार।

ग) जीन प्रतिरूपण : संकल्पना एवं बुनियादी कदम, आनुवंशिक अभियांत्रिकी के उपयोग के परिपेक्ष में *इ. कोलाई* तथा जीवाणुभोजी का आनुवंशिक विकास में जीवाणुओं एवं विषाणुओं का उपयोग।

घ) पादप कोशिका, ऊतक और अंग संवर्धन, ऊतक संवर्धन की तकनीक, जनन्द्रव का संग्रहण एवं भंडारण (निम्न ताप परिरक्षण)। पादप ऊतक संवर्धन का उपयोग। ट्रान्सजेनिक पौधें।

ङ) खेतों में जैव उर्वरक एवं जैविक नियंत्रण।

च) आनुवंशिक रूप से रूपान्तरित खाद्य फसलों, नैनो जैव प्रौद्योगिकी, पी सी आर, आर टी पी सी आर, जीन लायब्रेरी, जीन बैंक की प्रारंभिक जानकारी।

ज) आणविक चिन्हकों के प्रकार एवं उनकी भूमिका।

## 9. जीव विज्ञान में विधियाँ

क) आणविक जीवविज्ञान और पुनः संयोजक डी०एन०ए० विधि :

एक और द्विआयामी जैल वैद्युतकणसंचलन द्वारा आर०एन०ए०, डी०एन०ए० और प्रोटीन का विश्लेषण, समविद्युतविभव फोकसिंग जैल्स।

जीवाणु और यूकेरियोटिक प्रणालियों में डी०एन०ए० या आर०एन०ए० टुकड़ों का आणविक प्रतिरूपण। जीवाण्विक, जन्तुओं एवं पादप वाहकों का उपयोग करके पुनः संयोजक प्रोटीन की अभिव्यक्ति। विशिष्ट अमिनो अम्ल अनुक्रमों का अलगाव।

प्लाज्मिड, फेज, कॉस्मीड, बी ए सी, और वाई ए सी, वाहकों में जीनोमिक और सी डी एन ए पुस्तकालयों का निर्माण ।

प्रोटीन अनुक्रमण विधियाँ : प्रोटीन के पोस्ट अनुवाद रूपान्तरण का अवलोकन डी एन ए अनुक्रमण विधियाँ, जीनोम अनुक्रमण के लिए रणनितियाँ ।


आर०एन०ए० और प्रोटीन स्तर पर जीन अभिव्यक्ति के विश्लेषण के तरीके, बड़े पैमाने पर अभिव्यक्ति जैसे सूक्ष्म सरणी आधारित तकनीक । कार्बोहाइड्रेट एवं लिपिड अणुओं का अलगाव, प्रथककरण एवं विश्लेषण ।

आर०एफ०एल०पी, आर०ए०पी०डी० और ए०एफ०एल०पी तकनीकें ।

ख) सांख्यिकीय विधियाँ : केंद्रीय प्रवृत्ति और वितरण का मापआंकन : संभावना बंटन (द्विपदीय, प्वाइजन, साधारण) : नमूने का विक्षेपण" प्राचल और अप्राचल के बीच अंतर : विश्वास अंतराल त्रुटियाँ, आँकड़ों के स्तर" महत्त्व, समाश्रयण और सहसंबंध टी-परीक्षण, विचरता का विश्लेषण,  $X^2$  परीक्षण ।

ग) सूक्ष्मदर्शी तकनीक : प्रकाश सूक्ष्मदर्शी द्वारा कोशिकाओं और सबसेल्यूलर, घटकों को देखने की प्रक्रिया विसर्जन, विभिन्न सूक्ष्मदर्शीयों की शक्तियों का हल, जीवित कोशिकाओं की माइक्रोस्कोपी, स्कैनिंग और ट्रांसमिशन सूक्ष्मदर्शी ।

घ) क्षेत्र जीव विज्ञान की विधियाँ : रेन्जिंग पैटर्न द्वारा प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष तथा सुदूर अवलोकन, व्यवहार के अध्ययन की प्रतिचयन विधियाँ । वास, लक्षण वर्णन, धरातल एवं सदुर संवेदन विधियाँ ।

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी



## BIOLOGY

### 1. DIVERSITY IN PLANTS & ANIMALS.

- a. General concept of microorganisms. Morphology, structure, reproduction and life cycle of bacteria and viruses.
- b. Structure, reproduction and life cycle in fungi.
- c. Classification of fungi with characteristic features of Myxomycotina, Mastigomycotina, Oomycotina, Zygomycotina, Ascomycotina, Basidiomycotina and Deuteromycotina.
- d. Economic importance of fungi.
- e. Concept of disease, symptoms of plant diseases, methods of infection.
- f. Brief account of structure, disease cycle and control methods of damping off, wilt, root rot, stem rot, powdery and downy mildews, rust, smuts, leaf spots and leaf blights.
- g. Economic importance of microbes.
- h. Classification of algae.
- i. Salient features of Protochlorophyta, Chlorophyta, Charophyta, Xanthophyta, Bacillariophyta, Phaeophyta, Rhodophyta and Cyanophyta.
- j. General account of various life cycles in algae.
- k. Economic importance of algae.
- l. General account of morphology, structure, reproduction and life history of bryophytes.
- m. Classification of bryophytes.
- n. Economic importance of bryophytes.
- o. Classification of pteridophytes.
- p. Morphology and life history of Psilophytopsida, Psilotopsida, Lycopsida, Sphaenopsida and Pteropsida.
- q. Economic importance of pteridophytes.
- r. Classification of Gymnosperms.
- s. Morphology and life history of Pteridospermales, Bennetiales, Cycadales, Ginkgoales, Coniferales, Taxales, Ephedrales, Welwitschiales and Gnetales.
- t. Economic importance of Gymnosperms.
- u. Important systems of classification of Angiosperms (Bentham and Hooker, Hutchinson and Cronquist).
- v. Role of anatomy, embryology, cytology, phytochemistry and palynology in taxonomy.
- w. Distinguishing features of Ranunculaceae, Magnoliaceae, Rutaceae, Fabaceae, Rosaceae, Apiaceae, Asteraceae, Primulaceae, Asclepiadaceae, Lamiaceae, Verbenaceae, Convolvulaceae, Acanthaceae, Solanaceae, Amaranthaceae, Euphorbiaceae, Orchidaceae, Cyperaceae and Poaceae with their economic importance.
- x. General characters and classification the following phyla upto classes: Protozoa, Porifera, Coelenterata, Platyhelminthes, Aschehelminthes, Annelida, Arthropoda, Mollusca, Echinodermata and Chordata.



- y. Locomotion in Protozoa, canal system in Porifera, polymorphism in Coelenterata, parasitic adaptations in Helmenthes and Social life in insects.
- z. Affinities of Hemichordata, Cephalochordata, Urochordata. Parental care in Amphibians, poisonous & non poisonous snakes and migration in birds. General Characters of Prototheria , Metatheria and Eutheria with affinities.

## 2. CYTOLOGY AND GENETICS

- a) Composition, structure, function and metabolism of carbohydrates, lipids, proteins, nucleic acids ,vitamins and pigments.
- b) Classification of enzymes, enzyme kinetics, enzyme regulation, mechanism of enzyme catalysis, isozymes and coenzymes.
- c) Primary ,secondary and tertiary structures of proteins.
- d) Structure of model membrane, lipid bilayer and membrane protein diffusion, osmosis, ion channels, active transport.
- e) Cell wall, nucleus, mitochondria, Golgi bodies, lysosomes, endoplasmic reticulum, peroxisomes, plastids, vacuoles, structure & function of cytoskeleton and its role in motility.
- f) Structure of chromosomes and giant chromosomes.
- g) Mitosis and meiosis, cell cycle, regulation and control of cell cycle.
- h) Unit of replication, enzymes involved, extrachromosomal replicons, DNA damage and repair mechanisms.
- i) Structure of nucleic acids: Helix (A, B, Z).
- j) RNA synthesis and processing.
- k) Mendelian principles : Dominance, segregation, independent assortment. Inheritance and variation.
- l) Concept of gene : Allele, multiple alleles, pseudoalleles.
- m) Extension of Mendelian principles : Codominance, incomplete dominance, gene interactions, linkage and crossing over, sex linkage, sex influenced characters; mutation, its types and causes.
- n) Extra chromosomal inheritance : Inheritance of mitochondrial and chloroplast genes, maternal inheritance.
- o) Structural and numerical alterations of chromosomes : Deletion, duplication, inversion, translocation, ploidy.
- p) Recombination : Homologous and non-homologous recombinations including transposition.
- q) Aims, objectives and basic techniques of plant breeding.
- r) Crop improvement methods- plant introduction, selection, acclimatization, hybridization, vegetative propagation and grafting.
- s) Hybridization: Interspecific and inter-generic, pure line, back cross hybridization, self- incompatibility system.

## 3. EVOLUTION AND BEHAVIOUR

- a. Lamarckism and Darwinism, adaptations, struggle, fitness and natural selection; Mendelism; The evolutionary synthesis, evidences of organic evolution.



- b. Origin of basic biological molecules; abiotic synthesis of organic monomers and polymers; concept of Oparin and Haldane; experiment of Miller (1953); the first cell; evolution of prokaryotes; origin of eukaryotic cells; evolution of unicellular eukaryotes; anaerobic metabolism, photosynthesis and aerobic metabolism.
- c. Geological time scale, major events in the evolutionary time scale; origins of unicellular and multi cellular organisms; major groups of animals; major fossil records, evolution of horse, elephant and man.
- d. Concepts of neutral evolution,

#### 4. APPLIED BIOLOGY

- a) Fiber yielding plants, medicinal and aromatic plants.
- b) Important timber - yielding plants and non-timber forest products (NTFPs) such as bamboos, gums, tannins, dyes, resins , beverages and ornamental plants.
- c) Intellectual Property Rights.
- d) Microbial fermentation and production of small and macro molecules.
- e) Application of immunological principles, vaccines, diagnostics. Tissue and cell culture methods for plants and animals.
- f) Transgenic plants and animals, molecular approaches in diagnosis and strain identification.
- h. Genomics and its application to health and agriculture, including gene therapy.
- i. Breeding in plants and animals, including marker – assisted selection
- j. Common parasites and pathogens of humans and domestic animals.
- k. Sericulture, apiculture, lac culture, vermiculture, pearl culture and fish culture.
- l. Insects used in medicines, bio-control and food.
- m. Integrated pest management.

#### 5. PLANT AND ANIMAL PHYSIOLOGY

- a) Plant water relations: diffusion, osmosis, water potential and its components, plasmolysis, imbibition and absorption of water, root pressure and ascent of sap.
- b) Water loss in plants: Transpiration and its significance, factors affecting transpiration, mechanism of stomatal opening and closing, guttation.
- c) Mineral Nutrition- Essential elements, macro and micro nutrients, criteria of essentiality of elements, role of essential elements, mineral deficiency symptoms, transport of ions across cell membrane, active and passive transport.
- d) Photosynthesis in plants.
- e) Aerobic and anaerobic respiration, glycolysis, Kerbs cycle(Citric acid cycle) , oxidative phosphorylation, electron transport system, fermentation, R.Q.
- f) Nitrogen fixation, nitrate and ammonium assimilation; amino acid biosynthesis.
- g) Plant Growth Regulators – Physiological effects and mechanism of auxins, gibberellins cytokinins, ethylene, abscissic acid, polyamines, jasmonic acid; hormone receptors and vitamins.
- h) Photoperiodism and its significance.
- i) Biosynthesis of terpenes, phenols, nitrogenous compounds and their role.

- j) Responses of plants to biotic and abiotic stresses.
- k) Comparative anatomy of heart; myogenic & neurogenic heart, cardiac cycle, cardiac output, stroke volume, blood pressure, hormonal and neural regulation of heart; Morphological types of neurons, origin and physiology of transmission of nerve impulse. Types of nitrogenous wastes in animals, physiology of urine formation in mammals; types of enzymes and vitamins and their significance in human physiology. Endocrine glands, their secretions and functions. Physiology of digestion in man.

## 6. ECOLOGY

- a) Types, structure and functions of ecosystems(Aquatic, terrestrial).
- b) Energy flow, and nutrient cycling (N, P, C,O) food chain, food web and ecological pyramids.
- c) Population Ecology: Characteristics, population growth curve, population regulation, demes and dispersal.
- d) Community ecology: Structure and organization, attributes, nomenclature.
- e) Ecological Succession : Types, mechanism, changes involved in succession.
- f) Environmental Pollution : Air, Water, noise, nuclear (sources, effects and mitigation).
- g) Biodiversity: Genetic, species and ecosystem, Value of biodiversity, causes of depletion of biodiversity and its conservation (intrinsic and extrinsic conservation).

## 7. REPRODUCTION AND DEVELOPMENT IN PLANTS AND ANIMALS

Pollination, fertilization and development of endosperm, development of embryo in plants and seed formation. Structure of ovule, megasporogenesis development and organization of embryo-sacs. Gametogenesis, fertilization and early development in frog, chick and mammals, blastula formation, gastrulation and formation of germ layers in animals. Zygote formation embryogenesis. Development of eye, brain and heart in chick., classification of placenta, physiology and functions of placenta in mammals. Types of metamorphosis and its hormonal control in animals. Extra embryonic membranes in chick.

## 8. BIOTECHNOLOGY

- a) Different types of microorganisms.
- b) Brief idea of techniques and scope of genetic engineering.
- c) Gene cloning: concept and basic steps, application of bacteria and viruses in genetic molecular biology of *E.coli* and bacteriophages in the context of their use in genetic engineering.
- d) Plant cell, tissue and organ cultures, tissue culture techniques, collection and storage of germplasm (cryopreservation), application of plant tissue culture. Transgenic plants.
- e) Biofertilizers and biological control in fields.
- f) Elementary idea of Genetically Modified Food Crops, Nano biotechnology , PCR, RTPCR, Gene library, Gene Bank.
- g) Types of Molecular markers and their role.



## 9. METHODS IN BIOLOGY

### a) Molecular Biology and Recombinant DNA methods:

Analysis of RNA, DNA and proteins by one and two dimensional gel electrophoresis, Isoelectric focusing gels.

Molecular cloning of DNA or RNA fragments in bacterial and eukaryotic systems.

Expression of recombinant proteins using bacterial, animal and plant vectors.

Isolation of specific nucleic acid sequences.

Generation of genomic and cDNA libraries in plasmid, phage, cosmid, BAC and YAC vectors.

Protein sequencing methods, detection of post translation modification of proteins.


DNA sequencing methods, strategies for genome sequencing.

Methods for analysis of gene expression at RNA and protein level, large scale expression, such as micro array based techniques.

Isolation, separation and analysis of carbohydrate and lipid molecules.

RFLP, RAPD and AFLP techniques.

- b) Statistical Methods: Measures of central tendency and dispersal; probability distributions (Binomial, Poisson and normal); Sampling distribution; Difference between parametric and non-parametric, confidence interval; errors; levels of statistics; significance, regression and correlation; t-test; analysis of variance;  $X^2$  test.
- c) Microscopic techniques: Visualization of cells and subcellular components by light microscopy, resolving powers of different microscopes, microscopy of living cells, scanning and transmission microscopes.
- d) Methods in field biology: Methods of estimating population density of plants, ranging patterns through direct, indirect and remote observations, sampling methods in the study of behavior, habitat characterization: ground and remote sensing methods.

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## नागरिक-शास्त्र

### 1. राजनीतिक सिद्धान्त और विचार

- राजनीतिक सिद्धान्त की प्रकृति, इसकी मुख्य चिंताएं, पतन और पुनरोत्थान, प्रजातंत्र, स्वतंत्रता, समानता, न्याय, सम्प्रभुता, उदारवाद एवं मार्क्सवाद।
- शक्ति, सत्ता एवं वैधता।
- भारतीय राजनीतिक विचारक : मनु, कौटिल्य, विनायक दामोदर सावरकर, गाँधी तथा अम्बेडकर।
- पाश्चात्य राजनीतिक विचारक : प्लेटो, अरस्तु, बेंथम, जे०एस०मिल, हीगेल और मार्क्स।
- आधुनिक राजनीतिक विचारक : लेनिन, माओ, ग्राम्शी तथा जॉन रॉल्स।

### 2. तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक विश्लेषण

- तुलनात्मक राजनीति का एक अनुशासन के रूप में उद्भव; प्रकृति और विषय क्षेत्र।
- तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के उपागम: पारम्परिक एवं आधुनिक।
- शासन के प्रकार : एकात्मक तथा संघात्मक, संसदात्मक तथा अध्यक्षात्मक।
- शासन के अंग : कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका— तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में उनके अन्तरसम्बन्ध।
- दल-प्रणालियाँ तथा दबाव-समूह: चुनावी व्यवस्थाएँ।
- राजनीतिक विकास, राजनीतिक संस्कृति और राजनीतिक समाजीकरण।
- राजनीतिक अभिजन; प्रजातंत्र का अभिजात्य सिद्धान्त।

### 3. भारतीय शासन एवं राजनीति

- राष्ट्रीय आन्दोलन— 1. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के प्रभाव।  
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का निर्माण एवं कार्य  
3. स्वतंत्रता आंदोलन में गाँधी जी की भूमिका।  
4. स्वतंत्रता आन्दोलन में क्रान्तिकारियों का योगदान।
- संविधान सभा—रचना एवं कार्य।
- प्रस्तावना, नागरिकता, मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निदेशक-सिद्धान्त तथा मौलिक कर्तव्य।
- संवैधानिक संशोधन—प्रक्रिया एवं सामाजिक परिवर्तन।
- संरचना और प्रकार्य—1—राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रि-परिषद्, संसदात्मक व्यवस्था की कार्य-शैली।
- संरचना और प्रकार्य—2— राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रि-परिषद्, राज्य विधायिका।
- स्थानीय स्वायत्त शासन : (ग्रामीण और नगरीय), उत्तराखंड राज्य के विशेष संदर्भ में, स्थानीय स्वायत्त शासन में महिलाओं हेतु आरक्षण और उसका प्रभाव।
- संघवाद : भारत में संघवाद की संरचना, स्वायत्तता की माँगों और पृथकतावादी आन्दोलन, केन्द्र-राज्य सम्बन्धों के उभरते प्रतिमान।
- न्यायपालिका : उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय (संरचना एवं प्रकार्य), न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायिक सक्रियता, जनहित याचिका सम्बन्धी मुकदमों सहित, न्यायिक सुधार।
- भारत में पंथ निरपेक्षवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद एवं जातिवाद की राजनीति।
- भारत में लोकपाल एवं लोकायुक्त।
- भारत के नवीन सामाजिक आन्दोलन (कृषक आन्दोलन, महिला आन्दोलन, पर्यावरण तथा विकास प्रभावित जन आन्दोलन)।



- राजनैतिक दल एवं जनमत।
- उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन में महिलाओं की भूमिका।
- नीति आयोग-संरचना एवं प्रकार्य।
- भारत में चुनाव आयोग और चुनाव सुधार।
- उत्तराखण्ड में महिला सशक्तिकरण।
- उत्तराखण्ड में मानवाधिकार आयोग की रचना एवं कार्यविधि।

#### 4. लोक प्रशासन

- लोक प्रशासन : अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र।
- संगठन के सिद्धान्त : सूत्र और स्टाफ, पद सोपान, आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, केन्द्रीयकरण और विकेन्द्रीकरण, संगठन के प्रकार-औपचारिक एवं अनौपचारिक, संगठन के प्रारूप- विभाग और लोक निगम।
- मुख्य कार्यपालिका :- प्रकार, कार्य और भूमिका।
- कार्मिक प्रशासन :- भर्ती, प्रशिक्षण और पदोन्नति।
- नौकरशाही :- प्रकार तथा भूमिका, मैक्स वेबर और उनकी आलोचना।
- वित्तीय प्रशासन :- बजट, भारत में बजट निर्माण प्रक्रिया तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की भूमिका।
- सुशासन :- प्रशासनिक भ्रष्टाचार की समस्याएँ, पारदर्शिता, जवाबदेही उत्तराखण्ड के विशेष संदर्भ में
- सूचना का अधिकार।

#### 5. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का अर्थ प्रकृति एवं क्षेत्र।
- शक्ति : शक्ति के तत्व, राष्ट्रीय हित का निर्माण और उन्नयन, विदेश नीति के निर्धारक तत्व।
- शस्त्र : पारम्परिक, नाभिकीय एवं जैवरासायनिक, परमाणु निवारण।
- शस्त्रस्पर्धा, शस्त्र नियंत्रण एवं निःशस्त्रीकरण।
- विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान एवं कूटनीति।
- गुट-निरपेक्षता तथा वैश्वीकरण।
- नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था, उत्तर-दक्षिण संवाद, दक्षिण-दक्षिण सहयोग, विश्व व्यापार संगठन, (डब्ल्यू0 टी0 ओ0)।
- संयुक्त राष्ट्र : उद्देश्य, लक्ष्य, संरचना।
- संयुक्त राष्ट्र की कार्य प्रणाली : शान्ति, विकास तथा पर्यावरणीय संदर्भ में।
- क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय संगठन विशेषतः 'सार्क', 'आसियान' और 'ओपेक'।
- अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिका : भारत के पड़ोसी देशों (पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका) एवं प्रमुख देशों (ब्रिटेन, अमेरिका, रूस और चीन) से सम्बन्ध, भारतीय विदेश नीति और कूटनीति, भारत की परमाणु नीति।
- आतंकवाद और राज्य प्रायोजित आतंकवाद।
- राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती अवधारणा एवं राष्ट्र राज्य की चुनौतियां।

# CIVICS

## 1. Political Theory and Thought

- Nature of Political Theory, its main concern, decline and resurgence. democracy, liberty, equality, justice, sovereignty, liberalism and Marxism.
- Power, Authority and Legitimacy
- Indian Political Thought : Manu, Kautilya, Vinayak Damodar Savarkar, Gandhi and Ambedkar.
- Western Political Thought : Plato and Aristotle, Bentham, J. S. Mill, Hegel and Marx
- Contemporary Political Thought : Lenin, Mao, Gramsci and John Rawls

## 2. Comparative Politics and Political Analysis

- Comparative Politics as a discipline: nature and scope.
- Approaches to the study of comparative politics : Traditional and modern.
- Forms of Government: Unitary – Federal, Parliamentary – Presidential.
- Organs of Government: Executive, Legislature, Judiciary – their interrelationship in comparative perspective.
- Party Systems and Pressure Groups: Electoral Systems.
- Political Development, Political Culture and Political Socialization.
- Political Elite; Elitist theory of Democracy.

## 3. Indian Government and Politics

- **National Movement-** (i) Consequences of first war of Independence.  
(ii) Formation and working of Indian National Congress.  
(iii) Gandhiji's role in Independence Movement.  
(iv) Contribution of revolutionaries in the freedom movement.
- Constituent Assembly- Composition and working.
- Preamble, Citizenship, Fundamental Rights, Directive Principles of State Policy and Fundamental duties.
- Constitutional amendment process and social change.
- **Structure and Process – I :** President, Prime Minister, Council of Ministers, Working of the Parliamentary System.
- **Structure and Process – II :** Governor, Chief Minister, Council of Ministers, State Legislature.
- Local self governance (Rural and Urban) in Uttarakhand State, impact of reservation for women in Local self governance.
- Federalism : Federal structure in India; Demands of Autonomy and Separatist Movements; Emerging trends in Centre – State Relations.
- Judiciary : Supreme Court, High Courts (composition and working), Judicial Review, Judicial Activism including Public Interest Litigation cases, Judicial Reforms.
- Secularism, Communalism, Regionalism and caste politics in India.
- Lokpal and Lokayukta in India.




- New Social movements in India (Farmer's movement, women's, movement, Environment and Development-affected people's movement).
- Political Parties, Public Opinion.
- Role of women in Uttarakhand State movement.
- Niti Aayog-Composition and functions.
- Election Commission and Electoral Reforms in India.
- Empowerment of women in Uttarakhand State.
- Composition and working of Human Rights Commission in Uttarakhand.

#### 4. Public Administration

- Public Administration: Meaning, Nature and scope.
- Principles of Organization: Line and staff, hierarchy, span of control, unity of command, centralization and decentralization, Types of organization – formal and informal; Forms of organization; department and public corporation.
- Chief Executive: Types, functions and roles.
- Personnel Administration: Recruitment, Training, Promotion.
- Bureaucracy: Types and Roles; Max Weber and his critics.
- Financial Administration : Budget, Budget formation in India and the role of CAG.
- Good Governance; Problems of Administrative Corruption; Transparency and Accountability with special reference to Uttarakhand
- Right to Information.

#### 5. International Relations

- Meaning, Nature and scope of International Relations.
- Power; Elements of Power, Promotion of National Interest and determinants of foreign policy.
- Arms: conventional, Nuclear and bio – chemical; Nuclear deterrence.
- Arms Race, Arms Control and Disarmament.
- Peaceful Settlement of Disputes and Diplomacy.
- Non – Alignment and Globalization.
- New International Economic Order, North – South Dialogue, South – South Cooperation, WTO (World Trade Organisation).
- United Nations : Aims, Objectives and Structure.
- Working of UN; Peace, development and environment perspectives.
- Regional and sub – regional organizations especially SAARC, ASEAN, OPEC.
- India's Role in International affairs : India's relations with its neighbours (Pakistan, Bhutan, Bangladesh and Srilanka) and major countries(UK, USA, Russia and China) Indian Foreign Policy and Diplomacy, India's Nuclear policy.
- Terrorism and state sponsored terrorism.
- Changing Concept of National Security and Challenges to the Nation State system.

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## अर्थशास्त्र

1. सूक्ष्म अर्थशास्त्र— अर्थ, अर्थशास्त्र की केंद्रीय समस्यायें, उत्पादन सम्भावना वक्र एवं अवसर लागत।

उपभोक्ता संतुलन एवं माँग: उपयोगिता का अर्थ, सीमान्त उपयोगिता, सीमान्त उपयोगिता हास नियम, सीमान्त उपयोगिता विश्लेषण द्वारा उपभोक्ता का संतुलन, माँग एवं इसके निर्धारक तत्व, माँग में संकुचन व विस्तार तथा माँग वक्र में वृद्धि व कमी, माँग की कीमत लोच एवं इसके निर्धारण तथा मापन की विधियाँ; तटस्थता वक्र विश्लेषण एवं उपभोक्ता संतुलन।

उत्पादक व्यवहार एवं पूर्ति: उत्पादन फलन; कुल उत्पाद, औसत उत्पाद एवं सीमान्त उत्पाद; प्रतिफल के नियम; लागत एवं आगम की अवधारणायें एवं उनका सम्बन्ध; उत्पादक का संतुलन—अर्थ एवं संतुलन की दशायें; पूर्ति एवं इसके निर्धारक तत्व; पूर्ति वक्र में संकुचन व विस्तार एवं पूर्ति में कमी एवं वृद्धि, पूर्ति की कीमत लोच एवं इसके मापन की विधियाँ।

बाजार के स्वरूप एवं कीमत निर्धारण: पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता एवं अल्पाधिकार बाजार का अर्थ एवं इसकी विशेषताएँ, बाजार संतुलन दशायें एवं पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत निर्धारण, उच्चतम् (ceiling) कीमत एवं निम्नतम् (floor) कीमत। भूमि, श्रम, पूँजी एवं लाभ की अवधारणायें एवं सिद्धान्त।

2. व्यापक अर्थशास्त्र— अर्थ; राष्ट्रीय आय अंकक्षण; आय का चक्रीय प्रवाह; राष्ट्रीय आय की माप—उत्पाद अथवा मूल्यवर्धित विधि, व्यय विधि और आय विधि; राष्ट्रीय आय समग्र—सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP), शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP), सकल एवं शुद्ध घरेलू उत्पाद (GDP एवं NDP) साधन लागत एवं बाजार कीमतों पर; व्यय योग्य आय, निजी आय तथा वैयक्तिक आय; वास्तविक एवं मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद; सकल घरेलू उत्पाद एवं आर्थिक कल्याण।

मुद्रा एवं बैंकिंग: मुद्रा का अर्थ एवं कार्य, मुद्रा की पूर्ति एवं इसके विभिन्न माप, वाणिज्यिक बैंकों के द्वारा साख सृजन, केंद्रीय बैंक एवं इसके कार्य, साख नियंत्रण, मुद्रा स्फीति एवं व्यापार चक्र की अवधारणा।

रोजगार एवं आय का निर्धारण—समग्र माँग एवं समग्र पूर्ति फलन, रोजगार एवं आय का निर्धारण; उपभोग एवं बचत प्रवृत्ति; विनियोग गुणक एवं इसका कार्यकरण; पूर्ण रोजगार एवं अनैच्छिक बेरोजगारी का अर्थ तथा इसे दूर करने के उपाय।


सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था— अर्थ, उद्देश्य एवं घटक, प्राप्तियों एवं व्यय का वर्गीकरण, सरकारी घाटे के मापक—राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा एवं प्राथमिक घाटा; राजकोषीय नीति।

भुगतान संतुलन—अर्थ एवं घटक, भुगतान संतुलन घाटा, विनियम दर—अर्थ एवं प्रकार; मुक्त बाजार के अन्तर्गत विनियम दर निर्धारण।

(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी



3. **भारतीय अर्थ व्यवस्था: विकास नीतियाँ एवं अनुभव (1947 से 1990):**— भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ, पंचवर्षीय योजनाओं के उद्देश्य; वृद्धि एवं क्षेत्रक विकास; भारतीय कृषि की मुख्य विशेषतायें, समस्यायें व नीतियाँ; जैविक खेती, औद्योगिक विकास एवं औद्योगिक नीति; भारत का विदेशी व्यापार। 1991 के पश्चात आर्थिक सुधार; भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ—जनसंख्या; मानव पूँजी निर्माण एवं इसकी भूमिका; संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में रोजगार, गरीबी एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम; ग्रामीण विकास; साख एवं विपणन समस्यायें, सहकारिता की भूमिका; स्वास्थ्य एवं ऊर्जा की समस्यायें, मुद्रास्फीति; संधारणीय विकास और पर्यावरण; वैश्विक उष्णता; भारत के पाकिस्तान एवं चीन के साथ तुलनात्मक विकास के अनुभव; नीति आयोग।
4. **सांख्यिकी:**— अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व; आकड़ों का संकलन—स्रोत, विधियाँ एवं आँकड़ों का संगठन, बारम्बारता वितरण; आकड़ों का प्रस्तुतीकरण, केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप—माध्य, माध्यिका एवं बहुलक; अपकिरण—विस्तार, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन और मानक विचलन तथा इनके सापेक्ष अपकिरण माप; लॉरेन्ज वक्र एवं इसके अनुप्रयोग; सहसंबंध—कार्ल पियर्सन एवं स्पियरमैन विधि। सूचकांक— थोक मूल्य सूचकांक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, औद्योगिक उत्पाद सूचकांक एवं इनके उपयोग, मुद्रास्फीति एवं सूचकांक।


  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## Economics

- 1- **Micro Economics:** Meaning, Central Economic problems, Production Possibility Frontier and opportunity cost  
**Consumer equilibrium and Demand:** Meaning of Utility, Marginal Utility, Law of diminishing marginal utility, consumer's equilibrium using marginal utility analysis, Demand and Its determinants; Movement and shift in the demand curve, Price elasticity of demand, its determinants and measurement; indifference curve analysis and consumer's equilibrium.  
**Producer Behavior and Supply:** Production function; Total, Average and Marginal Product; Laws of Returns; Concepts of Cost and Revenue and their relationship; Producer's equilibrium: Meaning and equilibrium conditions; Supply and its determinants; Movement and shift in Supply curve; Price elasticity of Supply and its measurement.  
**Market Forms and price determination:** Meaning and features of Perfect competition, Monopoly, Monopolistic and Oligopoly market; Market equilibrium conditions and price determination under perfect competition; Ceiling price and Floor price. Concepts and theories of Land, Labour, Capital and Profit.
- 2- **Macro Economics:** Meaning; National Income Accounting; Circular flow of income; Measurement of National Income — Product or Value added method, Expenditure method and Income method; National Income Aggregates — Gross National Product (GNP), Net National Product (NNP), Gross and Net Domestic Product (GDP and NDP) at factor cost and market price; Disposable Income, private Income and personal Income, Real and Nominal GDP; GDP and welfare.  
**Money and Banking:** Meaning and functions of money; supply of money and its various measures; credit creation by Commercial banks; Central Bank and its functions, credit Control; Money Inflation and Concept of Trade Cycle.  
**Determination of Income and Employment:** Aggregate Demand and Supply functions, Determination of Income and Employment; Propensity to consume and save; Investment Multiplier and its mechanism; Meaning of full employment, involuntary unemployment and measures to correct them.  
**Government Budget and Economy:** Meaning, Objectives and Components; Classification of receipts and Expenditure; Measures of Government deficits — revenue, fiscal and primary deficit; fiscal policy.  
**Balance of Payment:** Meaning and components; Balance of payment deficit; Exchange rate- meaning and types; Exchange rate determination in a free market.
3. **Indian Economy: Developmental Policies and Experiences (1947 to 1990):—** Main features of Indian economy; Goals of Five Year Plans; Growth and sectoral development; Main features, problems and policies of agriculture; organic farming; Industrial development and Industrial Policy; Foreign trade of India; Economic Reforms since 1991; Current Challenges of Indian economy— Population; Human capital formation and its role; Formal and informal employment, Poverty and Poverty alleviation Programmes; Rural development; Credit and Marketing problems; Role of cooperatives; Health and Energy Problems; Inflation; Sustainable development and Environment; Global warming; Comparative development experience of India with Pakistan and China; NITI AAYOG.



**Statistics:** Meaning, scope and importance; Collection of data — sources, methods and organization of data; Frequency distribution; Presentation of data; Measurement of Central tendency — Mean, Median and Mode; Dispersion — Range, Quartile deviation, Mean deviation and Standard Deviation and their Relative dispersion measures; Lorenz Curve and its application; Correlation — Karl Pearson and Spearman's method; Index Number—Wholesale Price Index, Consumer Price Index, Index of Industrial Production and their uses; Inflation and Index Number.

  
सिंजीव प्रकाश चतुर्वेदी  
अनुभाग अधिकारी

## इतिहास

### प्राचीन भारत:

प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत: पुरातात्विक स्रोत, पुरालेख शास्त्र, मुद्राशास्त्र, साहित्यिक स्रोत यात्रा-वृतान्त।

मानव का उद्विकास: पुरापाषाण, मध्यपाषाण एवं नवपाषाण युग।

सिन्धु घाटी की सभ्यता: उदगम, तिथि, विस्तार, विशेषताएं और पतन।

वैदिक युग: समाज का उद्विकास, अर्थव्यवस्था, धर्म एवं राजव्यवस्था; वैदिक साहित्य।

सोलह महाजनपद और मगध साम्राज्य का अभ्युदय

नवीन धर्मों का युग: जैन एवं बौद्ध मत—उनकी मुख्य शिक्षाएं, विस्तार एवं पतन।

विदेशी आक्रमण: ईरान तथा मकदूनिया के प्रभाव।

मौर्य साम्राज्य: मौर्य साम्राज्य की नींव—चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार, अशोक तथा उसका धम्म, मौर्य प्रशासन, समाज एवं अर्थव्यवस्था, कला, और मौर्य साम्राज्य का पतन।

मौर्योत्तर भारत: हिन्द—यवन, शक, कुषाण, पल्लव तथा पश्चिमी क्षत्रप: समाज, कला एवं स्थापत्य, अर्थव्यवस्था।

सातवाहन; संगम युग—संगम साहित्य; सम्राट खारवेल

गुप्त साम्राज्य: स्थापना—श्रीगुप्त, चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्र गुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य), स्कन्दगुप्त और उत्तरवर्ती गुप्त सम्राट; विस्तार तथा पतन, प्रशासन, समाज एवं संस्कृति; कला एवं स्थापत्य, व्यापार, जाति व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था—नालन्दा, विक्रमशिला तथा वल्लभी विश्वविद्यालय; विदेशों से सम्बन्ध।

वाकाटक: मौखरी; हर्ष—युग: उसकी राजनैतिक तथा धार्मिक उपलब्धियां।

नवीन शक्तियों का अभ्युदय—बादामी के चालुक्य, कदम्ब; प्रशासन, वैष्णव एवं शैव मत—शंकराचार्य।

कल्याणी के चालुक्य, चोल; होयसल, पाड्य एवं पल्लव—प्रशासन तथा स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य; अर्थव्यवस्था एवं व्यापार, श्री लंका तथा दक्षिण पूर्व एशिया से सम्बन्ध।

कामरूप के वर्मन और पाल, प्रतिहार, राष्ट्रकूट, परमार, चंदेल, कल्चुरी, चेदि, सेन; गुजरात के चालुक्य, इस्लान का आक्रमण—मुहम्मद—बिन—कासिम, महमूद गजनी, अल्बेरूनी।

### मध्यकालीन भारत—

स्रोत: पुरातात्विक स्रोत, पुरालेख एवं मुद्राशास्त्र, स्मारक, साहित्यिक स्रोत—फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएं, विदेशी यात्रीयों के अभिलेख।

सल्तनत काल—गौरी, तुर्क, खिलजी, तुगलक, सैय्याद और लोदी। प्रशासन, अर्थव्यवस्था और समाज—स्त्रियों की दशा, संस्कृति, कला और स्थापत्य, धार्मिक आन्दोलन—सूफी और भक्ति आन्दोलन, शिक्षा एवं साहित्य, दिल्ली सल्तनत का पतन एवं क्षेत्रीय शक्तियों का अभ्युदय।

विजयनगर और बहमनी राज्य—उनका विस्तार, प्रशासन, समाज और संस्कृति, अर्थव्यवस्था और स्थापत्य, साहित्य, पतन के कारण।



गों का आरोहण— बाबर से औरंगजेब तक और उत्तरवर्ती मुगल, अफगान—अन्तराल— शेरशाह सूरी और उसके सुधार।  
ज प्रशासन— भू—सुधार, मनसबदारी और जागीरदारी व्यवस्था, अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं वाणिज्य— आन्तरिक तथा बाह्य,  
ताज तथा संस्कृति, कला एवं स्थापत्य— हिंद—मुगल स्थापत्य; चित्रकला, संगीत; साहित्य— फारसी, संस्कृत तथा क्षेत्रीय  
भाषाएँ।

मल साम्राज्य का विघटन— कारण।

मराठा और मराठा शक्ति का अभ्युदय— मराठा संघ— विस्तार, प्रशासन, समाज एवं संस्कृति, मराठा शक्ति का पतन।

**आधुनिक भारत—**

स्रोत— पुरातात्विक और अभिलेखीय सामग्री— सिक्के एवं इमारतें, साहित्य— यूरोपीय एवं भारतीय जीवनवृत्त तथा संस्मरण,  
यात्रावृत्तान्त, समाचारपत्र, मिशनरी साहित्य।

औपनिवेशिक शक्तियों का आगमन तथा ब्रिटिश साम्राज्य का अभ्युदय एवं सृष्टीकरण, यूरोपीय व्यापारी तथा  
अन्तर—औपनिवेशिक प्रतिस्पर्धा— पुर्तगाली, डच, अंग्रेज तथा फ्रांसीसी।

ईस्ट इंडिया कम्पनी के प्रमुख भारतीय राज्यों के साथ सम्बन्ध— बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, मराठा तथा सिक्ख।

ईस्ट इंडिया कम्पनी तथा ताज के आधीन प्रशासन— कम्पनी के अधीन केन्द्रीय तथा प्रान्तीय प्रशासन का विकास  
(1773—1853);

परमोच्च शक्ति, सिविल सेवा, न्याय—व्यवस्था, पुलिस तथा सेना।

ब्रिटिश शासन में अर्थव्यवस्था— अर्थव्यवस्था का बदलता परिदृश्य, 'दि ट्रिब्यूट'; कृषि का विस्तार एवं वाणिज्यीकरण, अकाल एवं  
महामारी, भू—अधिकार, भू—व्यवस्था, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, हस्तशिल्प का अधःपतन,

ब्रिटिश औद्योगिक नीति; प्रमुख उद्योग; फैक्ट्री अधिनियम, श्रमिक एवं मजदूर संघ के आन्दोलन।

मौद्रिक नीति: बैंक व्यवस्था, रेल तथा भूतल परिवहन।

संक्रमणाधीन भारतीय समाज: ईसाई धर्म—आगमन, मिशनरी गतिविधियाँ तथा जनसामान्य को तत्सम्बन्धी लाभ: शिक्षा, स्वास्थ्य,  
सामाजिक— स्वास्थ्यविज्ञान।

ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत शैक्षणिक व्यवस्था।

भारतीय पुनर्जागरण— सामाजिक—धार्मिक आन्दोलन और इसके मुख्य प्रवर्तक।

प्रिंटिंग प्रेस का अभ्युदय— पत्रकारिता सम्बन्धी गतिविधियाँ, तथा जनमत निर्माण में इसकी सहभागिता।

स्वाधीनता संघर्ष: भारतीय राष्ट्रवाद का उद्भव: राष्ट्रीय आन्दोलन का सामाजिक एवं आर्थिक आधार।

1857 का विद्रोह: कारण एवं परिणाम:—विभिन्न आन्दोलन— जनजातीय एवं कृषक आन्दोलन को समाहित करते हुए।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म तथा विकास— प्रारम्भिक वर्ष— 1885—1920।

वामपंथी दल तथा भारत में वामपंथी राजनीति।

स्वदेशी आन्दोलन— बंग—भंग, देश तथा विदेश में भारतीय क्रान्तिकारियों की गतिविधियाँ।

गाँधी तथा गाँधीवादी आन्दोलन।

दलित समाज से सम्बन्धित आन्दोलन, जस्टिस पार्टी, अम्बेडकर, पेरियार। साम्प्रदायिक राजनीति का अभ्युदय तथा जिन्ना का उद्भव।

आजाद हिन्द फौज तथा सुभाष चन्द्र बोस।

स्वतन्त्रता प्राप्ति की ओर एवं भारत का विभाजन। भारतीय संविधान का निर्माण, राष्ट्रीय आन्दोलन में उत्तराखण्ड का योगदान।

### विश्व का इतिहास:

विश्व इतिहास का परिचय

प्रारम्भिक समाज— आरंभिक समय से भूमिका; अफ्रीका, यूरोप 15000 ई0पू0 तक,

प्रारम्भिक शहर: ईराक, तीसरी सहस्राब्दि ई0पू0

साम्राज्य: भूमिका, तीन महाद्वीपों में फैला रोमन साम्राज्य 27 ई0पू0 से 600 ई0पू0।

मध्य इस्लामिक भूमि: 7वीं से 12वीं ई0 तक

आदिवासी साम्राज्य: मंगोल 13वीं से 14वीं ई0 तक।

परिवर्तित परम्पराएं: भूमिका, तीन आदेश, पश्चिमी यूरोप, 13वीं से 16वीं ई0 तक

14वीं से 17वीं सदी तक यूरोप में परिवर्तनशील सांस्कृतिक परम्पराएं।

यूरोप में क्रांतियां— फ्रांसिसी क्रांति, रूसी क्रांति।

सांस्कृतिक संघर्ष: 15वीं से 18वीं सदी तक अमेरिका।

आधुनिकीकरण की ओर: भूमिका, औद्योगिक क्रान्ति और कृषि क्रांति।

मूल निवासियों का विस्थापन: उत्तरी अमेरिका और आस्ट्रेलिया 18वीं से 20वीं सदी तक।

आधुनिकीकरण की ओर: पूर्वी एशिया 19 वीं सदी के पश्चात् से 20 वीं सदी।

प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के मध्य यूरोप।

महामंदी तथा न्यू डील।

नाजीवाद तथा फासीवाद

चीन में साम्यवाद का प्रभाव— कुओमिन्तांग तथा माओ की लम्बी पदयात्रा। संयुक्त राष्ट्र संघ शीत युद्ध तथा शक्ति संतुलन,

गुटनिरपेक्ष आन्दोलन: स्वातंत्रयोत्तर भारत की वैदेशिक नीति।

संजीव प्रकाश चतुर्वेदी,  
अनुभाग अधिकारी



## HISTORY

### Ancient India :-

Sources of Ancient Indian History:-Archaeological sources, Epigraphy, numismatics, literary sources and travel accounts.

Evolution of human being-Palaeolithic, Mesolithic and Neolithic.

Indus Valley Civilization:- origin, date, extent, characteristics and decline.

The Vedic Age- evolution of society, economy, religion and polity; Vedic Literature.

Sixteen Mahajanpadas and Rise of Magadha Empire.

Era of New Religions:- Jainism and Buddhism-their basic tenets; spread and decline.

Foreign invasions-Iranian and Macedonian influences.

Mauryan Empire- Foundation of Mauryan Empire – Chandragupta Maurya, Bindusar, Asoka and his Dhamma; Mauryan administration, society and economy, art, and decline of Mauryan Empire.

Post –Mauryan India:- Indo-Greeks, Shakas, Kushanas, Pahlavs and Western Kshatrapas; society, art and architecture, economy.

Satvahans; Sangam Age- Sangam literature; King Kharvela.

Gupta Empire :- foundation- Shrigupta, Chandragupta I, Samudragupta, Chandragupta II (Vikramaditya), Skandgupta and later Guptas; extent and downfall, administration, society and culture, art and architecture, trade, caste system; educational system-Universities of Nalanda, Vikramshila and Vallabhi; contact with foreign countries.

Vakatakas; Maukharis; age of Harsha-his political and religious achievements.

Emergence of new powers-Chalukyas of Badami, Kadambas; administration; Vaishnavism and Saivism-Sankaracharya.

Chalukyas of Kalyani, Cholas, Hoysalas, Pandyas and Pallavas-Administration and local government; art and architecture, economy and trade; contact with Sri Lanka and South East Asia.

Varmans of Kamrup and Palas, Pratihars, Rashtrakutas, Paramaras, Chandels, Kalachuris, Chedis, Senas, ; Chalukyas of Gujarat ; Invasion of Islam-Mohammad-bin-Qasim, Mahmud of Ghazni; Al beruni.

### **Medieval India :-**

**Sources**-Archaeological sources, epigraphy and numismatics, monuments; literary sources-Persian, Sanskrit and regional language; .accounts of foreign travelers.

The Sultanate period-Ghorids, Turks, Khaljis, Tughlaqs, Saiyyads and Lodis.

Administration, economy and society- position of women; culture-art and architecture; religious movements-Sufi and Bhakti movements ; education and literature; decline of the Delhi Sultanate and emergence of regional powers.

Vijayanagar and Bahmani kingdoms-their extent , administration, society and culture, economy, and architecture, literature; causes of decline.

Advent of the Mughals-Babar to Aurangzeb and later Mughals; Afghan interlude-Sher Shah Suri and his reforms.

Mughal Administration-land reforms, Mansabdari and Jagirdari system; economy, trade and commerce-internal and external; society and culture, art and architecture-Indo-Islamic architecture; painting; music; literature-Persian , Sanskrit and regional languages.

Disintegration of the Mughal Empire –causes

Shivaji and rise of Maratha power :-Maratha Confederacy-extent –administration , society and culture; decline of the Maratha power.

### **Modern India-**

Sources-Archaeological & Archival material-coins and monuments; literature-European as well as Indian biographies and memoirs, travelogues, newspapers,



missionary texts.

Advent of colonial powers and the rise and consolidation of the British Empire

European traders in India and inter-colonial rivalry-Portuguese, Dutch, English and French.

Relations of East India Company with principal Indian states- Bengal, Oudh, Hyderabad, Mysore, Marathas and Sikhs.

Administration under the East India Company and the Crown-Evolution of central and provincial structure under the Company-1773-1853; Paramountcy, Civil service, Judiciary, Police and the Army.

Economy under British regime :- Changing composition of economy, the "Tribute"; expansion and commercialization of agriculture, famines and epidemics, land rights, land settlements, rural indebtedness, decline of handicrafts,

British Industrial policy; major industries; factory legislations; labour and trade union movements.

Monetary policy:- banking, railways and surface transport.

Indian society in transition:- The advent of Christianity; Missionary activities and its attendant benefits to the masses-education, health-care, social hygiene .

Educational system under the British.

Indian Renaissance-socio-religious movement and its prominent proponents;

Advent of the printing press-journalistic activity and its role in creating public opinion.

Struggle for independence:- Rise of Indian Nationalism; social and economic base of national movement.

Uprising of 1857-causes and consequences; various movements including tribal and peasant movements.

Birth and growth of Indian National Congress-initial years-1885-1920.

Left parties and left wing politics in India.

Swadeshi Movement; Partition of Bengal.

Activities of Indian revolutionaries, both at home and abroad.

Gandhi and Gandhian movements.

Movements related to depressed classes-Justice Party, Ambedkar, Periyar.

Rise of communal politics and emergence of Jinnah,

Indian National Army and Subhash Chandra Bose,

Towards independence and partition of India,

The making of the Constitution,

Role of Uttarakhand in National Movement.

### **World History :-**

Introduction to World History.

Early Societies- Introduction from the beginning of the time: Africa, Europe till 15000 BCE

Early Cities- Iraq in 3<sup>rd</sup> millennium BCE

Empires- Introduction, an Empire across Three Continents- Roman Empire, 27 BCE to 600 CE.

Central Islamic Lands- 7<sup>th</sup> to 12<sup>th</sup> centuries

Nomadic Empires- the Mongol, 13<sup>th</sup> to 14<sup>th</sup> century.

Changing Traditions- introduction, three Orders- Western Europe, 13<sup>th</sup> to 16<sup>th</sup> century.

Changing Cultural Traditions in Europe- from 14<sup>th</sup> to 17<sup>th</sup> century

Revolutions in Europe- French Revolution, Russian Revolution.

Confrontation of Cultures- America, 15<sup>th</sup> to 18<sup>th</sup> century.



Paths to Modernization- Introduction, The Industrial Revolution and Agrarian Revolution.

Displacing Indigenous People- North America and Australia, 18<sup>th</sup> to 20<sup>th</sup> century.

Paths of Modernization- East Asia, late 19<sup>th</sup> and 20<sup>th</sup> century.

Europe between the World Wars I and II.

The Great Depression and the New Deal.


Nazism and Fascism.

Influence of Communism in China-The Kuomintang and the Long March of Mao.

United Nations Organization.

The Cold War and balance of power.

Non Aligned Movement; India's post- independence foreign policy.

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## भूगोल

### 1. भूगोल, एक विषय के रूप में

- परिभाषा, वितरणों के विज्ञान के रूप में, स्थानिक भिन्नताओं के विज्ञान समाग्रही एवं समाकलन अनुशासन के रूप में भूगोल।
- भूगोल की विषय – वस्तु
- भूगोल की प्राथमिक शाखाएँ: भौतिक एवं मानव
- भूगोल में प्रमुख दृष्टिकोण: निश्चयवाद, संभववाद, नव-निश्चयवाद एवं संभाव्यवाद
- विषय की अनुपयोगिता

### 2. भौतिक भूगोल

#### भू-आकृति विज्ञान

- पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास, पृथ्वी का अभ्यन्तर: महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त तथा प्लेट विवर्तनिकी की संकल्पना
- भूकम्प तथा ज्वालामुखी के कारण एवं परिणाम
- प्रमुख चट्टानों के प्रकार एवं खनिज-उनकी विशेषताएँ एवं वितरण
- भू-दृश्यों के प्रकार: अभिकर्ता, प्रकियाएँ तथा संबंधित आकृतियां
- भूकृतिक प्रक्रम— अनाच्छादन, अपक्षय, वृहद क्षरण, अपरदन; निक्षेपण
- मृदा-निर्माण की प्रकिया

#### जलवायु विज्ञान

- वायुमण्डल का संघटन एवं संरचना
- सूर्यताप: आपतन का कोण तथा वितरण, पृथ्वी का ताप-बजट, पृथ्वी के तापन व शीतलता को प्रभावित करने वाले कारक, जैसे— संचलन, संवहन, पार्थिव विकिरण तथा अभिवहन।
- जलवायु एवं मौसम के तत्व
- तापमान— नियंत्रक कारक, क्षैतिज एवं लम्बवत् वितरण, तापमान का व्युत्क्रम
- वायुमण्डलीय दाब, दाब-पेटियां, पवनों का सामान्य संचरण—स्थानीय व मौसमी पवनें; वायु-राशियां एवं वाताग्र, मानसून की क्रिया विधि, चक्रवातों के प्रकार, एल-निनो एवं ला-नीना का प्रभाव
- वर्षण की प्रकृति एवं प्रकार, वाष्पीकरण तथा संघनन—मेघ, ओस, पाला, कोहरा व धुन्ध, वर्षा का विश्व-वितरण
- विश्व जलवायु का वर्गीकरण (कोपेन तथा थार्नवेट)
- वैश्विक तापन एवं जलवायु परिवर्तन—कारण तथा परिणाम, जलवायु परिवर्तन से संबंधित उपचारात्मक उपाय



### जल-मण्डल

- समुद्र विज्ञान के आधारभूत पक्ष
- जलीय चक्र
- समुद्रों में तापमान व लवणता का वितरण
- समुद्री नितलों का उच्चावच
- समुद्रीजल की गतियां-धाराएँ, तरंगे तथा ज्वार-भाटे
- समुद्री संसाधन तथा समुद्री प्रदूषण की समस्याएँ

### जैवमण्डल

- वृहत जैवमण्डल के रूप में पृथ्वी
- पर्यावरण तथा परिस्थितिकी की अवधारणा, पर्यावरण के घटक
- जैव विविधता: प्रकार, महत्व एवं संरक्षण, परिस्थितिक तंत्र की परिभाषा तथा प्रकार
- पर्यावरण पर मानवीय प्रभाव, प्रदूषण, पारिस्थितिक तंत्रों का संरक्षण एवं प्रबंधन, पारिस्थितिक सन्तुलन

### भारत का भूगोल

#### भौतिक विशेषताएँ (अभिलक्षणायें) –

- अवस्थिति, स्थानिक संबंध, संरचना, उच्चावच तथा भारत के भौतिक विभाग
- भारत का अपवाह-तंत्र, नदी बेसिनों एवं जलगमों की संकल्पना, उत्तराखण्ड की नदियां
- जलवायु विशेषताएँ: तापमान का वितरण (स्थानिक व कालिक), दाब तंत्र, पवनें, वर्षा में प्रतिरूप तथा मौसमी विशेषताएँ, भारतीय मानसून की विशेषताएँ एवं क्रिया-विधि, जलवायु के प्रकार (कोपेन)
- प्राकृतिक वनस्पति- वनस्पति-प्रदेश, वनावरण, वन्य-जीव, वनस्पति एवं वन्य जीवों का संरक्षण-जैव-संरक्षित क्षेत्र, राष्ट्रीय उद्यान तथा वन्यजीव अभयारण्य
- मुख्य मृदा प्रकार तथा उनका वितरण (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार), मृदा अपरदन तथा अवनयन की समस्या, मृदा-संरक्षण
- प्राकृतिक आपदाओं व प्रकोप के कारण, परिणाम, न्यूनीकरण तथा प्रबन्धन-बाढ़, सूखा, भूकम्प, चकवात, सुनामी तथा भू-स्खलन, उत्तराखण्ड की प्राकृतिक आपदाएँ

#### मानवीय विशेषताएँ-

- जनसंख्या- वितरण, घनत्व व वृद्धि, जनसंख्या की विभिन्न विशेषताओं को प्रभावित करने वाले कारक, जनसंख्या का संघटन: लिंग-अनुपात, ग्रामीण-नगरीय, धार्मिक, भाषाई, अनुसूचित जाति व जनजातिय जनसंख्या, जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना, जनसंख्या के क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय प्रवास प्रतिरूप, भारत की

जनसंख्या के प्रवास के प्रतिरूप के कारण और प्रभाव, उत्तराखण्ड में जनसंख्या प्रवास के प्रतिरूप, कारण तथा प्रभाव।

- ग्रामीण तथा नगरीय, अधिवासों के प्रकार एवं वितरण, नगरीय बस्तियों का कार्यात्मक वर्गीकरण; नगरीकरण की समस्याएँ

### संसाधन-

- प्राकृतिक संसाधनों की संकल्पना, प्रकार तथा वितरण। भूमि संसाधन-भूमि उपयोग प्रतिरूप तथा इसको प्रभावित करने वाले कारक
- जल संसाधन-संभाव्यता, उपलब्धता तथा उपयोग, जल का प्रयोग-सिंचाई, घरेलू, औद्योगिक तथा अन्य, जल-अल्पता की समस्या, जल-संसाधनों का प्रबन्धन और संरक्षण-सुसंगत तकनीकें, जलागम प्रबन्धन व वर्षा जल का संचयन, पर्वतीय क्षेत्रों में जल प्रबन्धन
- खनिज संसाधन, धात्विक तथा अधात्विक खनिजों का वितरण, लौह अयस्क, तांबा, बॉक्साइट, मैंगनीज, अभ्रक तथा लवण आदि का अध्ययन
- ऊर्जा संसाधन-वर्गीकरण, पारम्परिक (कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा जल विद्युत) तथा गैर-पारम्परिक (सौर पवन, बायोगैस) ऊर्जा-संसाधनों का महत्व व विवरण, ऊर्जा-संसाधनों का प्रबन्धन एवं संरक्षण

### आर्थिक क्रियायें:-

- कृषि भूमि-उपयोग, प्रतिरूप, भौगोलिक परिस्थितियाँ एवं भारत की प्रमुख फसलें (गेहूँ, धान, कपास, जूट, गन्ना, चाय, कहवा तथा रबर), कृषि विकास व इसका प्रादेशिक प्रतिरूप, कृषि की समस्याएँ व समाधान
- उद्योग- उद्योगों का महत्व तथा प्रकार, औद्योगिक अवस्थापन को प्रभावित करने वाले कारक, प्रमुख उद्योगों का वितरण तथा बदलता प्रतिरूप-लौहा एवं इस्पात, सूती वस्त्र, चीनी, पेट्रो-रसायन, सूचना तकनीकी पर आधारित उद्योग, औद्योगिक प्रदेश एवं औद्योगिक समूह; उद्योगों पर निजीकरण तथा वैश्वीकरण का प्रभाव
- परिवहन तथा संचार-तंत्र: सड़कें, रेलमार्ग, आन्तरिक जलमार्ग तथा वायुमार्ग, तेल एवं गैस पाइप लाइनें, संचार तंत्र
- भारतीय विदेशी व्यापार की प्रकृति तथा इसका बदलता प्रतिरूप, समुद्री पत्तनों की भूमिका तथा प्रभाव-क्षेत्र, विदेशी व्यापार में हवाई अड्डों का महत्व तथा भूमिका
- भारत में नियोजन-भारत में नियोजन का इतिहास, 12वीं पंचवर्षीय योजना की मुख्य विशेषताएँ। नियोजन के प्रकार- क्षेत्रीय तथा खण्डीय, सतत विकास-संकल्पना तथा सूचक
- भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित समस्याएँ-पर्यावरण अवनयन, जल-प्रदूषण, निर्वनीकरण, स्रोतों का सूखना, नगरीय अपशिष्ट प्रबन्धन, ग्रामीण-नगरीय प्रवास, मलिन बस्तियों की समस्याएँ।




## मानव भूगोल

- मानव भूगोल की परिभाषा, प्रकृति तथा कार्य-क्षेत्र। जनसंख्या: वितरण, घनत्व तथा वृद्धि, आयु तथा लिंगानुपात, ग्रामीण-नगरीय संयोजन, जनसंख्या की बदलती संरचना तथा स्थानिक प्रतिरूप, जनसंख्या परिवर्तन के निर्धारक
- मानव विकास की संकल्पना एवं सूचक, अन्तर्राष्ट्रीय तुलनाएं
- आर्थिक क्रियाएँ-
- वर्गीकरण
- प्राथमिक क्रियाएँ: संकल्पना एवं परिवर्तनशील प्रवृत्तियाँ (संग्रहण, लकड़ी काटना, पशुचारण, पशुपालन, खनन, मछली पकड़ना, निर्वाहमूलक तथा गहन कृषि, विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में कृषि तथा संबंधित क्रियाओं की भूमिका)
- द्वितीयक क्रियाएँ: संकल्पना एवं परिवर्तनशील प्रवृत्तियाँ, उद्योगों के प्रकार-कुटीर, लघु व वृहद उद्योग, कृषि व खनिजों पर आधारित उद्योग, द्वितीयक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या-चयनित देशों से उदाहरण
- तृतीयक क्रियाएँ: संकल्पना तथा परिवर्तनशील प्रवृत्तियाँ, व्यापार, परिवहन, पर्यटन, सेवाएँ, तृतीय क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या-चयनित देशों से उदाहरण
- चतुर्थक क्रियाएँ: संकल्पना, सूचना प्रौद्योगिकी आधारित क्रियाएँ, चतुर्थक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या-चयनित देशों से उदाहरण
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार - प्रकृति व परिवर्तनशील प्रतिरूप, पत्तनों की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भूमिका, विश्व व्यापार संगठन की भूमिका
- समुद्र: महत्व, राष्ट्रीय अधिकार, अन्तर्राष्ट्रीय समझौते
- परिवहन तथा संचार- सड़के, रेल, हवाई तथा जल परिवहन, ट्रॉस-महाद्वीपीय रेल, वृहत् समुद्री मार्ग, अर्न्देशीय जलमार्ग, अन्तर्राष्ट्रीय वायु मार्ग, तेल एवं गैस पाइपलाइन।
- संचार के साधन-परम्परागत, मोबाइल टेलीफोन, इन्टरनेट, उपग्रह संचार और साइबर स्पेस, भौगोलिक सूचना का महत्व और उपयोग। जी.पी.एस. का उपयोग
- मानव अधिवास- ग्रामीण एवं नगरीय अधिवास के प्रकार एवं प्रारूप, शहरों, वृहत् शहरों की आकृतिकी, विकसित देशों में अधिवास की समस्या।

## मानचित्र कला एवं मानचित्र कार्य

- मापक- मापकों का महत्व एवं प्रकार, सरल, तुलनात्मक और कर्णवत मापकों की रचना
- मानचित्रों का महत्व, उपयोग तथा प्रकार, परम्परागत चिन्ह और उनका उपयोग, दूरी की माप, स्थिति निर्धारण तथा दूरी।
- भू स्थानिक आंकड़ा- संकल्पना और प्रकार (बिन्दु, रेखा और क्षेत्र आंकड़ा)
- मानचित्र प्रक्षेप : अक्षोश, देशान्तर, प्रक्षेपों के प्रकार शंक्वाकार तथा मरकेटर प्रक्षेप की रचना विधि और विशेषतायें।
- स्थलाकृतिक मानचित्र-पहचान, मापक, क्षेत्र, सम्मोच्च रेखायें और उनके अनुभाग, भू-दृश्य की पहचान, भूमि उपयोग की व्याख्या, विषय सम्बन्धि मानचित्र

- वायु फोटो चित्र— प्रकार, ज्यामितीय विशेषतायें, मापक, मानचित्र और वायु फोटोचित्रों में अन्तर, भौतिक व सांस्कृतिक तत्वों की पहचान।
- सुदूर संवेदन – महत्व और उत्पाद (वायु फोटोचित्र, उपग्रह चित्र) सुदूर संवेदन में आंकड़ा निवेश एवं प्रक्रम की अवस्थायें, उपग्रह सेंसर्स तथा आंकड़ा उत्पाद
- मौसम उपकरणों का उपयोग: तापमापी (नम एवं शुष्म बल्ब), वायुदाव मापी, वायुवेग मापी और वर्षामापी, मौसम मानचित्रों की व्याख्या।
- क्षेत्रीय अध्ययन का महत्व
- पाठ्यक्रम के भौतिक/मानव/भारतीय भूगोल के खण्डों में दिये गये विभिन्न तत्वों तथा क्रियाओं का मानचित्रण एवं पहचान।

  
 सजीव प्रकाश अनुवर्दा  
 अनुभाग अधिकारी



# Geography

## Geography as a discipline

- Definition, Geography as science of distribution, as science of spatial differentiation and as an integrating discipline
- Subject matter of Geography
- Primary branches of Geography- Physical and Human
- Main viewpoints in Geography- Determinism, Possibilism, Neo-determinism and Probablism
- Applicability of the discipline

## Physical Geography

### Geomorphology

- Origin and evolution of the earth, interior of earth, continental drift theory and the concept of plate tectonics
- Causes and consequences of earthquakes and volcanoes
- Major rock types and minerals- their characteristics and distribution
- Types of landforms: Agents, processes and associated features
- Geomorphic processes- denudation, weathering, mass wasting, erosion, deposition
- Process of soil formation

### Climatology

- Composition and structure of atmosphere
- Insolation - angle of incidence and distribution, heat budget of the earth, factors affecting the heating and cooling of the earth e.g. conduction, convection, terrestrial radiation and advection
- Elements of weather and climate
- Temperature- controlling factors, horizontal and vertical distribution, inversion of temperature
- Atmospheric pressure, pressure belts, general circulation of winds-local and seasonal winds, Air masses and air fronts, monsoon mechanism, type of cyclones, Impact of El-nino and La-nina



- The nature and form of precipitation, evaporation and condensation-clouds, dew, frost, fog and mist, world distribution of rainfall
- Classification of climates of the world (Koeppen and Thornthwaite)
- Global warming and climate change, Causes, consequences and remedial measures related to climate change

## Hydrosphere

- Basic aspects of Oceanography
- Hydrological cycle
- Distribution of temperature and salinity of oceans
- Relief features of ocean basins
- Movements of ocean water- currents, waves and tides
- Ocean resources and problems of ocean pollution

## Biosphere

- Earth as giant biosphere
- Concept of environment and ecology, components of environment
- Biodiversity-types, importance and conservation; definition and types of ecosystems
- Anthropogenic influence on environment, pollution, conservation and management of ecosystems, ecological balance

# GEOGRAPHY OF INDIA

## Physical Characteristics

- Location, space relations, structure, relief and physiographic divisions of India
- Drainage pattern of India, concept of river basin and watershed, rivers of Uttarakhand
- Climatic characteristics: distribution of temperature (spatial and temporal), pressure system, winds, rainfall pattern and seasonal characteristics, Indian Monsoon-characteristics and mechanism, types of climate (Koeppen)



- Natural vegetation- vegetation regions, forest cover, wildlife, conservation of vegetation and wildlife-biosphere reserves, national parks and wildlife sanctuaries
- Major soil types and their distribution (according to ICAR classification), problems of soil erosion and degradation, soil conservation
- Causes, consequences, mitigation and management of natural hazards and disasters- floods, droughts, earthquakes, cyclones, Tsunami and landslides, natural hazards of Uttarakhand

### Human Characteristics

- Population- Pattern of distribution, density and growth, factors influencing various population characteristics, composition of population: sex ratio, rural-urban, religious, linguistic, scheduled caste and scheduled tribe population, occupational structure of population
- Regional, national and international migration of population, pattern, causes and consequences of migration pattern of Indian population, migration in Uttarakhand
- Types and distribution of rural and urban settlements, functional classification of urban settlements, problems of urbanization

### Resources

- Natural resources- concept, types and distribution
- Land resources- important factors of land use pattern
- Water resources- potential, availability and utilization, uses of water- irrigation, domestic, industrial and other uses, problem of water scarcity, management and conservation of water resources- appropriate techniques, watershed management and rainwater harvesting, water management in mountain region
- Mineral resources- distribution of metallic and non-metallic resources, study of Iron ore, Copper, Bauxite, Manganese, Mica, Salt etc
- Energy resources- classification, importance and distribution of conventional (Coal, Petroleum, Natural gas and Hydroelectricity) and Non-conventional (solar, wind, biogas) resources, management and conservation of energy resources

## Economic Activities

- Agricultural land use pattern, Geographical conditions and major crops of India (Wheat, Rice, Cotton, Jute, Sugarcane, Tea, Coffee and Rubber), agricultural development and its regional pattern, problems and solutions of agriculture
- Industries- importance and types, factors of industrial location, distribution and changing pattern of important industries-iron and steel, cotton textile, sugar, petrochemicals, information-technology based industries, industrial regions and clusters, Impact of privatization and globalization on industries
- Transport and communication network- roads, railways, inland -waterways and airways: oil and gas pipelines, communication networks
- Nature of India's foreign trade and its changing pattern, role and hinterland of sea ports, importance and role of airports in foreign trade
- Planning in India- history of planning in India, highlights of 12<sup>th</sup> five year plan, types of planning- area and sectoral planning, sustainable development- concept and indicators
- Geographical perspective on selected issues- environmental degradation, water pollution, deforestation, drying of springs, urban-waste management, rural-urban migration, problems of slums etc

## Human Geography

- Definition, nature and scope of human geography
- **Population:** distribution, density and growth, age and sex composition, rural and urban composition, Changing structure and spatial pattern of population, determinants of population change
- Concept and indicators of human development, international comparisons
- **Economic Activities-** classification, Primary activities- concept and changing trends; gathering, lumbering, pastoral, animal husbandry, mining, fishing; subsistence and intensive agriculture; role of agricultural and allied activities in economy of different countries of world
- Secondary activities- concept and changing trends, types of industries- household, small and large scale, agro-based and mineral based industries, population engaged in secondary activities-examples from selected countries




- Tertiary activities-concept and changing trends, trade, transport, tourism, services; population engaged in tertiary activities-examples from selected countries
- Quaternary activities- concept, information technology based activities, population engaged in quaternary activities-examples from selected countries
- International trade-nature and changing pattern, role of ports in international trade, role of World Trade Organization
- Oceans- importance, national rights, international treaties
- **Transport and Communication-** roads, railway, air and water transport; trans-continental railways, major ocean routes, inland waterways, international air routes; oil and gas pipelines
- Means of communication-traditional, mobile telephony, internet, satellite communication and cyber space, importance and use of geographical information, use of Global Positioning System
- **Human Settlements-**Types and pattern of rural and urban settlement, morphology of cities, mega cities, problem of settlements in developing countries

## CARTOGRAPHY and MAP WORK

- Scale-importance and types of scale, construction of simple, comparative and diagonal scale
- Importance, use and types of maps, conventional signs and their use, measurement of distance, finding location and distance
- Geo-spatial data-concept and types (point, line and area data)
- Map projection: latitude, longitude, types of projections, construction and properties of conical and Mercator's projection
- Topographical maps- identification, scale, area, contours and their cross sections, identification of landforms, interpretation of land use, thematic maps
- Aerial photographs – types, geometrical characteristics, scale, difference between maps and aerial photographs, identification of physical and cultural features

- Remote sensing- importance and products (aerial photos, satellite imageries), stages in remote sensing data acquisition and processing, satellite sensors and data products
- Use of weather instruments: thermometer (wet and dry bulb), barometer, wind vane and rain gauge, interpretation of weather maps
- Significance of field study
- Mapping and identification of different features and activities mentioned in syllabus (physical/human/Indian geography sections)

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी  
अनुभाग अधिकारी



## समाजशास्त्र

### इकाई-01

समाजशास्त्रः—अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, विषय क्षेत्र और इसका महत्व। यूरोप और भारत में समाजशास्त्र का ऐतिहासिक विकास। समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य।

### इकाई-02

मौलिक अवधारणायें:— समाज, समुदाय, समूह, समिति, सामाजिक संरचना, सामाजिक व्यवस्था, संस्कृति, सामाजीकरण, प्रस्थिति और भूमिका, सामाजिक नियंत्रण और सामाजिक परिवर्तन।

### इकाई-03

सामाजिक प्रक्रियायें:

सहयोगात्मक प्रक्रियायें: सहयोग, समायोजन, आत्मसात्करण  
असहयोगात्मक प्रक्रियायें : प्रतियोगिता और संघर्ष।  
सामाजिक स्तरीकरण और सामाजिक गतिशीलता।

### इकाई-04

सामाजिक संस्थायें:— विवाह, परिवार, नातेदारी, आर्थिक संस्थायें, राजनीतिक संस्थायें, शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थायें।

### इकाई-05

सामाजशास्त्रीय विचारक: (I)

कार्लमार्क्स—ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन के ढंग, अलगाव, वर्ग संघर्ष।

इमाइल दुर्खीम— श्रम विभाजन, सामाजिक तथ्य, आत्महत्या, धर्म और समाज।

मैक्स वेबर— सामाजिक क्रिया, आदर्श प्रारूप, सत्ता, नौकरशाही, प्रोटस्टैन्ट आचार संहिता और पूंजीवाद की भावना।

टॉल्कट पारसनस—सामाजिक व्यवस्था, प्रतिमानित चर।

रॉबर्ट के0मर्टन— प्रकट और प्रछन्न प्रकार्य, अनुरूपता और विचलन, संदर्भ—समूह।

### इकाई-06

सामाजशास्त्रीय विचारक—(II)

अल्फ्रेड शूट्ज और पीटर बर्जर : प्रघटनाशास्त्र

गारफिन्कल

: लोकविधि विज्ञान

गॉफमैन	: प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद
जे० अलैकजेन्डर	: नव-प्रकार्यवाद
हेबरमास और एल्थ्यूजर	: नव-मार्क्सवाद
एन्थनी गिडन्स	: संरचनाकरण
डेरिडा और फूको	: उत्तर आधुनिकता

### इकाई-07

अनुसंधान पद्धति: (I)

सामाजिक अनुसंधान: अर्थ, प्रकार और महत्व, वैज्ञानिक पद्धति: तथ्य और मूल्य, कारक, सामाजिक अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता की समस्या, सर्वेक्षण, शोध प्रारूप और इसके प्रकार, उपकल्पना, निदर्शन।

तथ्य संकलन की प्राविधियां:— अवलोकन, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार।

### इकाई-08

सामाजिक अनुसंधान: (II)

गुणात्मक पद्धतियां:— सहभागी अवलोकन, वैयक्तिक अध्ययन, अर्न्तवस्तु विश्लेषण।

सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी: केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप—माध्य, मध्यांक, बहुलक; विचलन माप के तरीके तथा सामाजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर की उपयोगिता।

### इकाई-09

भारतीय समाज का परिचय:

- (i) जी०एस० घुरिये और लुई ड्यूमों: भारत विद्याशास्त्रीय/वाङ्मयी परिप्रेक्ष्य, एम०एन०श्रीनिवास और एस०सी० दुबे: संरचनात्मक प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य  
डी०पी० मुकर्जी और ए०आर०देसाई: मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य  
बी०आर० अम्बेडकर और डेविड हार्डिमेन : दलितवादी परिप्रेक्ष्य

- (ii) भारतीय समाज की सामाजिक पृष्ठभूमि: इस्लाम, ईसाई, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलनों और समाज सुधार आन्दोलनों का भारतीय समाज पर प्रभाव।

### इकाई-10

भारतीय सामाजिक संरचना, परिवर्तन और चुनौतियां:


- (i) भारत में सामाजिक वर्ग: कृषक वर्ग संरचना, औद्योगिक वर्ग संरचना, भारत में मध्यम वर्ग।  
(ii) भारत में जनजातीय समुदाय: भौगोलिक विस्तार, जनजातियों संबंधी विभिन्न कल्याणकारी नीतियां।



- (iii) भारत में नातेदारी व्यवस्था: नातेदारी व्यवस्था के प्रकार, भारत में परिवार और विवाह
- (iv) भारत में सामाजिक परिवर्तन और चुनौतियां: विकास के नियोजन का विचार और मिश्रित आर्थिकी।

परिवर्तन की प्रक्रियाएं: संस्कृतिकरण, आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण।

- (a) भारत में ग्रामीण रूपान्तरण: ग्रामीण विकास के कार्यक्रम, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, गरीबी उन्मूलन योजनायें, ग्रामीण मजदूरों की समस्यायें।
- (b) भारत में औद्योगिकरण और नगरीकरण: भारत में आधुनिक उद्योगों का उद्विकास, भारत में नगरीय बसावट में वृद्धि और गंदी बस्तियां, कामागार वर्ग: संरचना, वृद्धि
- (c) आधुनिक भारत में सामाजिक आन्दोलन : कृषक और किसान आन्दोलन, महिला आन्दोलन, पिछड़ी जाति और दलित आन्दोलन, पर्यावरण संरक्षण आन्दोलन।
- (d) जनसंख्या गतिशीलता: जनसंख्या का आकार, वृद्धि, संरचना, वितरण। जनसंख्या वृद्धि के घटक: जन्म, मृत्यु, प्रजनन। जनसंख्या नीति और परिवार नियोजन।  
समकालीन मुद्दे—वृद्धावस्था, लिंगानुपात, बाल और शिशु मृत्यु दर, प्रजनन स्वास्थ्य।
- (e) सामाजिक रूपान्तरण की चुनौतियां :  
विकास के संकट—विस्थापन, पर्यावरणीय समस्यायें और सतृप्तता; श्वेतवसन अपराध और भ्रष्टाचार, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, वर्णीय संघर्ष, जातीय संघर्ष, साम्प्रदायिकता, बेरोजगारी एवं आतंकवाद।

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## SOCIOLOGY

### **Unit-I**

Sociology: Meaning, Definition, Nature, Scope and its Significance; Historical Development of Sociology in Europe and India. Sociological Perspectives.

### **Unit-II**

Basic Concepts: Society, Community, Group, Association, Social Structure, Social System, Culture, Socialization, Status and Role, Social Control and Social Change.

### **Unit-III**

Social Processes:

Associative Processes: Cooperation, Accommodation, Assimilation,

Disassociative Process: Competition and Conflict.

Social Stratification and Social Mobility.

### **Unit-IV**

Social Institutions: Marriage, Family, Kinship, Economy, Polity, Education and Religion.

### **Unit-V**

Sociological Thinkers-(I)

Karl Marx- Historical Materialism, Mode of Production, Alienation, Class Struggle.

Emile Durkheim- Division of Labour, Social Fact, Suicide, Religion and Society.

Max Weber- Social Action, Ideal Types, Authority, Bureaucracy, Protestant Ethic and Spirit of Capitalism.

Talcott Parsons- Social System, Pattern Variables.

Robert K. Merton- Latent and Manifest Functions, Conformity and Deviance, Reference Group.

### **Unit-VI**

Sociological Thinkers-(II)

Alfred Shultz and Peter Berger : Phenomenology



Garfinkel	: Ethnomethodology
Goffman	: Symbolic Interactionism
J. Alexander	: Neo-Functionalism
Habermass and Althusser	: Neo-Marxism
Anthony Giddens	: Structuration
Derrida and Foucault	: Post- Modernism

### Unit-VII

Research Methodology: I

Social Research: Meaning, Types and Significance; Scientific Method; Fact and Value, Variables; Problems of Objectivity in Social Research, Survey, Research Design and its Types, Hypothesis and Sampling.

Techniques of Data Collections:- Observation, Questionnaire, Schedule, Interview.

### Unit-VIII

Research Methodology:II

Qualitative Methods: Participant Observation, Case Study, Content Analysis.

Statistics in Social Research:- Measures of Central Tendency: Mean, Median, Mode; Measures of Dispersion; Usefulness of Computer in Social Research.

### Unit-IX

Introducing Indian Society:

- (i) G.S Ghurye and Louis Dumont: Indological/Textual Perspective  
M.N Srinivas and S.C Dube: Structural- Functional Perspective  
D.P Mukherjee and A.R Desai: Marxian Perspective  
B.R. Ambedkar and David Hardiman: Subaltern Perspective
- (ii) Social background of Indian Society; Impact of Islam, Christianity, Indian National Movements and Social Reform Movements on it

### Unit-X


Indian Social Structure, Change and Challenges:-

- (i) Social Classes in India:- Agrarian Class Structure, Industrial Class Structure, Middle Class in India.
- (ii) Tribal Communities in India:- Geographical Spread, Different Welfare Policies related to Tribes.

- (iii) System of Kinship in India:- Types of Kinship System, Family and Marriage in India.
- (iv) Social Change and Challenges in India: Idea of Development Planning and Mixed Economy.

Processes of Change : Sanskritization, Modernization and Globalization.

- (a) Rural Transformation in India: Programmes of Rural Development, Community Development Programmers; Poverty Allevation Schemes; Problems of Rural Labour.
- (b) Industrialization and Urbanization in India: Evolution of Modern Industry in India. Growth of Urban Settlements and Slums in India. Working Class: Structure and Growth.
- (c) Social Movements in Modern India: Peasants and Farmers Movements, Women's Movement, Backward Classes and Dalit Movement; Environmental Protection Movement.
- (d) Population Dynamics: Population Size, Growth, Composition and Distribution.  
Components of Population Growth: Birth, Death, Migration. Population Policy and Family Planning.  
Contemporary Issues: Old age, Sex-Ratios, Child and Infant Mortality, Reproductive Health.
- (e) Challenges of Social Transformation:  
Crisis of Development- Displacement, Environmental Problem and Sustainability; White Collar Crime and Corruption, Violence against Women, Caste Conflicts, Ethnic Conflicts, Communalism, Unemployment and Terrorism.

  
संजीव प्रकाश चतुर्वेदी  
अनुभाग अधिकारी



## कला

**कला के मूलाधार :** कला के तत्व – रेखा, रूप, रंग, तान, पोत, स्थान, आदि। संयोजन के सिद्धांत – एकरूपता, अनुरूपता, सन्तुलन, प्रभाविता, लय, अनुपात। द्विआयामी एवं त्रिआयामी चित्रण, परिप्रेक्ष्य चित्रण। कलात्मक प्रक्रिया— अभिव्यक्ति, कल्पना, संवेदना, विषयवस्तु आदि। माध्यम और तकनीक – पेन्सिल, चारकोल, पेन, इंक, जल रंग, तैल रंग, ग्वाश, पेस्टल, म्यूरल, फ्रेस्को, टेम्परा, मोजाइक, वाश तकनीकियां, और मिक्स मीडिया।

**प्राविधिक कला –** अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें। द्विआयामी एवं त्रिआयामी टोस एवं सामान्य ज्यामितीय आकार, चित्रण औजार— पेन्सिल, स्केल्स, डिवाइडर, प्रोटेक्टर, कम्पास, टी-सक्वायर, सेट-सक्वायर, अनियमित वक्र। त्रिभुज की परिभाषा और प्रकार – समकोण, समबाहु, समद्विबाहु, विषमबाहु त्रिभुज बनाने की विधियां। ज्यामितीय आकारों के गुण और पहचान।


**भवन अनुरेखन,** आकार, प्रकार, कलात्मक वास्तुकला अनुरेखन, आधार रूप। भवन और उसके घटकों के द्विआयामी एवं त्रिआयामी रूप का निर्माण करना। भवन के नींव (आधार) एवं मंजिल योजना के स्वरूप का कलात्मक निर्माण करना।

**कला का इतिहास :** (चित्रकला एवं मूर्तिकला) भारतीय कला – प्रागैतिहासिक काल, सिन्धु घाटी सभ्यता, मौर्य काल, गुप्त काल, अजन्ता, ऐलोरा एवं बाघ गुफाओं की कला, मुगल शैली, राजस्थानी शैली, उत्तराखण्ड शैली, पटना शैली, राजा रवि वर्मा, बंगाल शैली, काली घाट पेंटिंग, पट्टचित्रकला, प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप, कलकत्ता ग्रुप, मद्रास स्कुल, शिल्पी चक्र आदि, एवं स्वतंत्रता पश्चात् की समकालीन कला। इन्डो इस्लामिक स्थापत्य, मन्दिरों का स्थापत्य एवं मूर्तिकला।

**लोक कला –** उत्पत्ति, अर्थ, विकास। मधुबनी कला, रंगोली, थापा, मांडना, अल्पना, सांझी, गोदना ऐपण, कलमकारी, एवं उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति और कला।

**पाश्चात्य कला –** प्रागैतिहासिक कला, मिस्र और मेसोपोटामिया की कला, कीट और इट्रस्कन कला, ग्रीक कला, रोमन कला, ईसाई कला, बाइजेन्टाइन कला, रोमनस्क कला, गोथिक कला, रीतिवाद, बारोक कला, रोकोको कला, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, प्रभाववाद, अभिव्यक्तिवाद, घनवाद, फाववाद, अतियथार्थवाद, अमूर्तवाद, भविष्यवाद।

**सौन्दर्यशास्त्र :** कला और सौन्दर्य – उत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, विशेषता, वर्गीकरण। षंडग, अलंकार, रस, ध्वनि, औचित्य आदि। कला और समाज, कला और परम्परा, कला और धर्म, कला और कल्पना, कला और अनुकृति, कला और सम्प्रेषण, कला और प्रतीक, कला और कलात्मकता, कला और मनोविज्ञान, सहजानुभूति, तदात्म्य, स्वप्न एवं अवास्तविक कल्पना, रूपवाद का सिद्धान्त। भारतीय और पाश्चात्य विद्वानों के अनुसार कला और सौन्दर्य।

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## Art

**Fundamentals of Art :** Element of art – Line , Form, Color, Tone , Texture, Space etc. Principles of composition – Unity, Harmony , Balance, Dominance, Rhythm , Proportion . Two-Dimensional and Three – Dimensional Drawing . Perspective Drawing . Creative process – Expression , Imagination , Sensation , Content etc. Material and Technique – Pencil , Charcoal , Pen, Ink , Water color, Oil paint, Gouache, Pastel , Mural , Fresco , Tempera, Mosaic , Wash technique and Mix media.

**Technical Art :** Meaning, Definition and Characteristics. 2D and 3D Plane and Solid Geometry. Drawing instruments- Pencil, Scales, Dividers, Protectors , Compass, T-squares, Set squares, Irregular curves. Definition and types of Triangle- Methods to draw a Right angled, equilateral, Isosceles, Scalene triangle. Properties and identification of geometrical shapes. Building drawing, shape, size, artistic architecturing drawing, Basic form. Produce 2D and 3D model drawings of a building and its components. Make a freehand artistic sketch of a floor plan and foundation.


**History of Art :** (Painting and Sculpture) **Indian Art** – Pre-historic period , Indus valley , Morya period , Gupta period , Ajanta , Ellora , Bagh caves , Mugal style , Rajasthani style , Uttarakhand style, Patna style , Raja Ravi Verma, Bangal School of art, Kalighat Paintings, Progressive artist Group, Calcutta group, Madras School , Shilpi chakra etc. Independent developments in Indian Contemporary art, Indo - Islamic architecture , Temple architecture and sculpture. Folk Art – origin, meaning and progress. Madhubani art, Rangoli, Thapa, Mandana, Alpana, Sanjhi, Godana, Aipan, Kalamkari and Folk culture and art of Uttarakhand. **Western Art** - Pre-historic period , Egyptian and Mesopotamia , Creten, Etruscan Greek , Roman , Christian, Byzantine, Romanasac, Gothic, Mannerism, Baroc, Rococo, Romanticism, Realism , Impressionism , Expressionism , Cubism, Fauvism , Surrealism, Abstractism, Futurism.

**Aesthetics:** Art and beauty - Origin, Meaning, Definition, Characteristics, Classification. Six limbs, Alankar , Ras , Dhawni , Auchitya etc. Art and society , Art and Tradition , Art and Religion , Art and Imagination , Art and Imitation , Art and communication, Art and symbol, Art and Creativity, Art and Psychology, Intuition, Empathy , Dream and Fantasy, theory of formism. Art and aesthetics according to Indian and western thinkers.




## मनोविज्ञान

1. मनोविज्ञान का स्वरूप एवं क्षेत्र : मनोविज्ञान का अर्थ, मनोविज्ञान का स्वरूप, मनोविज्ञान के क्षेत्र, मनोविज्ञान एवं अन्य विज्ञानों से संबंध।
2. मनोविज्ञान की पद्धतियां : अन्तर्दर्शन, निरीक्षण, प्रयोगात्मक एवं नैदानिक विधि।
3. मानव व्यवहार के दैहिक आधार : केन्द्रीय, परिधीय तथा स्वतः तंत्रिका तन्त्र की रूपरेखा। मस्तिष्क-संरचना एवं कार्य, अन्तःश्रावी ग्रन्थियां एवं कार्य।
4. संवेदना एवं प्रत्यक्षीकरण : विशेषताएँ एवं विभेदीकरण, ध्यान प्रक्रिया— दृष्टि एवं श्रवण। प्रत्यक्षीकरण — आकृति, रंग एवं गहराई।
5. बुद्धि : संप्रत्यय एवं निर्धारक, बुद्धि का मापन, बुद्धि के सिद्धान्त।
6. अभिप्रेरणा एवं संवेग : अभिप्रेरणा का अर्थ, अभिप्रेरणा के प्रकार— जैविक एवं सामाजिक प्रेरणाएं। संवेग की परिभाषा, संवेग के सिद्धान्त।
7. स्मृति तथा विस्मरण : स्मृति के प्रत्यय, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्मृति। विस्मरण की परिभाषा एवं कारण।
8. अधिगम एवं अनुबन्धन : अधिगम का स्वरूप, वाचिक अधिगम, अधिगम का स्थानान्तरण। अनुबन्धन की परिभाषा, अनुबन्धन के प्रकार— प्राचीन एवं नैमित्तिक अनुबन्धन।
9. चिंतन : चिंतन के स्वरूप एवं प्रकार, समस्या सामाधान, सृजनात्मक चिंतन का स्वरूप एवं प्रक्रिया, सृजनात्मक चिंतन का विकास।
10. व्यक्तित्व : व्यक्तित्व का संप्रत्यय, व्यक्तित्व के अध्ययन के उपागम—प्रकार एवं शीलगुण। व्यक्तित्व का मूल्यांकन।
11. मनोवैज्ञानिक विकार : अपसामान्यता तथा मनोवैज्ञानिक विकार के सम्प्रत्यय। मनोवैज्ञानिक विकारों का वर्गीकरण। अपसामान्य व्यवहार के अन्तर्निहित कारक। प्रमुख मनोवैज्ञानिक विकार—दुश्चिंता विकार, मनोविदलन विकार, भावदशा विकार।
12. चिकित्सा उपागम : मनश्चिकित्सा की प्रकृति एवं प्रक्रिया, चिकित्सात्मक संबंध। चिकित्सा के प्रकार— मनोगतिक चिकित्सा, मानवतावादी चिकित्सा, संज्ञानात्मक चिकित्सा, व्यवहार चिकित्सा। वैकल्पिक चिकित्सा—योग, ध्यान। मानसिक रोगियों का पुनः स्थापन।

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी

## PSYCHOLOGY

1. **Nature and Scope of Psychology:** Meaning of Psychology, Nature of Psychology, Scope of Psychology, Psychology and other disciplines.
2. **Methods of Psychology:** Introspection, Observation, Experimental and Clinical Methods.
3. **Physiological Bases of Human Behaviour:** Outline of central, peripheral and autonomic nervous system. Brain-structure and functions, Endocrine glands and functions.
4. **Sensation and Perception:** Characteristics and distinctions, Attentional processes- Visual and auditory. Perception of form, colour and depth.
5. **Intelligence:** Concepts and determinants, Measurement of Intelligence, Theories of Intelligence.
6. **Motivation and Emotion:** Meaning of Motivation, Types of motivation- biogenic and sociogenic motives. Meaning of Emotion, Theories of Emotion.
7. **Memory and Forgetting:** Concept of memory, short term memory (STM) and Long term memory (LTM). Meaning and causes of forgetting.
8. **Learning and Conditioning :** Nature of learning, Verbal learning, transfer of learning. Meaning of conditioning, Types of conditioning- Classical and Instrumental conditioning.
9. **Thinking:** Nature and types of thinking, Problem solving, nature and process of creative thinking, developing creative thinking.
10. **Personality:** Concept of personality, approaches of personality- Type and trait. Assessment of personality.
11. **Psychological Disorders:** Concept of abnormality and psychological disorders. Classification of disorders. Factors underlying abnormal behaviour. Major Psychological disorders- Anxiety, schizophrenia, Mood.
12. **Therapeutic Approaches:** Nature and process of therapy. Therapeutic relationship. Types of therapies- Psychodynamic, humanistic, cognitive, behaviour. Alternative therapies- Yoga, meditation. Rehabilitation of mentally ill.

  
श्री जीव प्रकाश चतुर्वेदी  
अनुभाग अधिकारी



## वाणिज्य

### भाग -अ

#### व्यावसायिक अध्ययन

##### भाग प्रथम:—व्यवसाय परिचय

प्रकृति एवं उद्देश्य, व्यवसाय बनाम पेशा, व्यावसायिक संगठन के स्वरूप: प्रकृति एवं सीमाएं। निजी एवं सार्वजनिक उद्यमों का अर्थ एवं भूमिका, लघु एवं मध्यम उपक्रम, व्यवसाय की उभरती पद्धतियां, व्यवसाय की नैतिकता। तकनीकी नवप्रवर्तन, कौशल विकास एवं मेक इन इण्डिया।

##### भाग द्वितीय: निगमीय संगठन एवं व्यवसाय के वैधानिक पहलू

(a) कम्पनी अधिनियम 2013 : प्रशासन (NCLT एवं NCLAT सहित), संयुक्त स्कन्ध कम्पनी की स्थापना, सार्वजनिक और निजी कम्पनी, सरकारी कम्पनी, एक व्यक्ति कम्पनी, रचनात्मक सूचना का सिद्धान्त एवं आन्तरिक प्रबन्ध का सिद्धान्त, निगमीय आवरण को उठाना।  
प्रपत्रीकरण : रेड हेरिंग प्रविवरण एवं शेल्फ प्रविवरण, पार्षद सीमानियम एवं पार्षद अन्तर्नियम।  
प्रबन्ध : संचालक, सभाएं एवं प्रस्ताव। कम्पनी का समापन। निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व एवं इसका क्रियान्वयन।

(b) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम : आवश्यकता, महत्व, उपभोक्ता जागरूकता, उपभोक्ता अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत वैधानिक प्रावधान।

(c) वस्तु एवं सेवाकर (GST) : व्यवसाय में इसके उद्देश्य एवं प्रभावशीलता।

##### भाग तृतीय: व्यावसायिक पर्यावरण

व्यावसायिक पर्यावरण का अर्थ, प्रकृति एवं मूलतत्त्व। अर्थिक पर्यावरण : उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण, द्वितीय पीढ़ी सुधार, वर्तमान सरकार द्वारा किए गए नवीन परिवर्तनों सहित नवीन औद्योगिक नीति।

##### भाग चतुर्थ: व्यवसाय, वित्त एवं विपणन प्रबन्ध

(a) व्यावसायिक प्रबन्ध : प्रकृति, महत्व एवं प्रबन्ध के सिद्धान्त।

नियोजन : उद्देश्य, रणनीति, नियोजन प्रक्रिया, निर्णयन।

संगठन : संगठनात्मक ढाँचा, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन, शाक्ति एवं अधिकार।

स्टाफिंग : प्रक्रिया, प्रशिक्षण एवं विकास, निष्पादन मूल्यांकन।

निर्देशन : अभिप्रेरणा, नेतृत्व एवं संवहन।

नियंत्रण : आवश्यकता, प्रक्रिया एवं तकनीक।

(b) वित्तीय प्रबन्ध: आशय एवं उद्देश्य, वित्तीय निर्णयों को प्रभावित करने वाले घटक, पूंजीगत ढांचा, पूंजी लागत एवं पूंजी बजट।

(c) विपणन प्रबन्ध : विपणन का प्रादुर्भाव (उत्पत्ति), विपणन बनाम विक्रय, विपणन मिश्रण, CRM, आधुनिक विपणन, बाजार विभक्तिकरण, उपभोक्ता व्यवहार। उत्पाद, मूल्य, संवर्धन एवं वितरण संबंधी विपणन निर्णय

#### भाग पांच:- बैंकिंग संस्थाएं एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार :

(a) व्यवसाय में बैंकिंग का महत्व, बैंकों के विभिन्न प्रकार और इनके कार्य, आर0बी0आई0, नाबार्ड एवं आर0 आर0बी0 (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक)। बैंकिंग क्षेत्र में सुधार-एन0पी0ए0 (गैर निष्पादित सम्पत्तियां) एवं बैंकिंग उद्योग में आधुनिक प्रवृत्तियां। विमुद्रीकरण एवं इसका बैंकिंग उद्योग पर प्रभाव।

(b) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार: अर्थ, एवं प्रकृति, व्यापार सन्तुलन।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थान : IMF, IBRD, IFC, ADB

विश्व व्यापार संगठन : इसके कार्य एवं नीतियां, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियां।

### भाग-ब

#### लेखाशास्त्र

इकाई 01-लेखांकन एक परिचय:- लेखांकन का अर्थ, उद्देश्य एवं भूमिका, लाभ एवं सीमायें, लेखांकन एक सूचना प्रणाली के रूप में, लेखांकन की मूल-अवधारणाएँ एवं रीतियां/परम्पराएं सर्वमान्य स्वीकृत सिद्धान्त (गैप), अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक (आई.एफ.आर.एस.)।

इकाई 02-लेखांकन प्रक्रिया- लेखांकन समीकरण, लेखांकन के सुनहरे नियम, मुख्य लेखांकन शब्दावली, लेखांकन प्रणालियां, रोजनामचा, खाताबही, प्रारम्भिक लेखे की सहायक पुस्तकें, रोकड़ बही, क़य बही, विक्रय बही, क़य वापसी बही एवं विक्रय वापसी बही, तलपट बनाने की विधियां तथा अशुद्धियों का संशोधन।

इकाई 03-अंतिम खाते-गैर निगमीय व्यावसायिक संस्थाओं के अंतिम खाते समायोजन सहित।

इकाई 04-बैंक समाधान विवरण तथा विनिमय विपत्र-बैंक समाधान विवरण की आवश्यकता तथा बैंक समाधान विवरण का निर्माण, विनिमय विपत्र का अर्थ, लाभ, बिल की



कटौती, बिल का अनादरण एवं नवीनीकरण, अनुग्रह बिल, व्यापारिक बिल एवं अनुग्रह बिल में अन्तर।

इकाई 05—ह्रास, आयोजन तथा संचय—ह्रास का अर्थ एवं आवश्यकता, ह्रास की गणना की विधियां, आयोजन तथा संचय। पूंजीगत एवं आयगत व्यय एवं प्राप्तियां।

इकाई 06—गैर—व्यावसायिक संगठनों के खाते—अर्थ, विशेषताएं तथा लाभ अर्जित न करने वाले गैर व्यावसायिक संगठनों के लेखे, प्राप्ति तथा भुगतान खाता एवं आय—व्यय खाता।

इकाई 07—साझेदारी खाते—मुख्य अवधारणाएं, प्रकृति एवं साझेदारी संलेख। सीमित दायित्व साझेदारी अधिनियम 2008, नये साझेदार का प्रवेश, अवकाश ग्रहण एवं साझेदार की मृत्यु तथा साझेदारी का समापन।


इकाई 08—कंपनी खाते— अर्थ, अंश पूंजी के प्रकार, समता एवं पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन, अंशों का हरण तथा हरित अंशों का पुनःनिर्गमन, स्वेट—समता अंश तथा कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ई0एस0ओ0पी0)। पूर्वाधिकार अंशों का शोधन। ऋणपत्रों का निर्गमन एवं शोधन।

इकाई 09—(अ)वित्तीय—विवरणों का विश्लेषण—कंपनी के वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार कंपनी के आर्थिक चिट्ठे का निर्माण।

(ब) वित्तीय विवरण विश्लेषण के औजार (टूल्स) —अर्थ, महत्व एवं सीमायें, तुलनात्मक वित्तीय विवरण तथा समरूप (कॉमन) वित्तीय विवरण, लेखांकन अनुपात—लाभदायकता, तरलता, शोधन—क्षमता और क्रियाशीलता अनुपात।

इकाई 10—(अ) लेखांकन की किराया कय पद्धति एवं किस्त भुगतान पद्धति।

(ब)लेखांकन में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग—कम्प्यूटरीकृत लेखांकन—कम्प्यूटरीकृत लेखांकन की अवधारणाएं एवं भेद, विशेषताएं, स्वरूप तथा लेखांकन में कम्प्यूटर की भूमिका। लेखांकन में टेली एवं इलैक्ट्रानिक स्प्रेड—शीट का उपयोग।

  
अनुभाग अधिकारी

## COMMERCE

### Part-A

#### Business Studies:

**Part I- Introduction to Business:** Nature and purpose, business vs profession, forms of business organisation: nature and limitations. Concept and role of private and public enterprises, small and medium enterprises. Emerging models of business, Business Ethics. Technological innovations, Skill development and Make in India.

#### Part II- Corporate Organisation and Legal Aspects of Business:

(a) **Companies Act 2013:** Its administration (including NCLT and NCLAT), formation of a Joint Stock Company, Public and Private company, Government company, One man company, concept of 'Doctrine of Constructive Notice' and 'Indoor Management', lifting of corporate veil.

**Documentation:** Red Herring Prospectus and Shelf Prospectus, Memorandum of Association and Articles of Association(MOA & AOA)

**Management:** Directors, Meetings and Resolutions. Winding up of a company. Corporate Social Responsibility and its enforcement.

(b) **Consumer Protection Act:** need, significance, consumer awareness, consumer rights, legal provisions under Consumer Protection Act.

(c) **Goods and Services Tax(GST):** Its objects and implications on business.

#### Part III- Business Environment: meaning, nature and elements of Business Environment:

Economic Environment- Liberalisation, Privatisation and Globalisation, second generation reforms, New Industrial Policy with latest changes initiated by existing government.

#### Part IV- Business, Financial & Marketing Management

(a) **Business Management:** Nature, significance and Principles of Management.

**Planning:** Objectives, strategies, planning process, decision making.

**Organising:** Organisational structure, formal and informal organisation, Power and Authority.

**Staffing:** Process, Training and Development, Performance Appraisal.

**Directing:** Motivation, Leadership and Communication.

**Controlling:** Need, Process and Techniques.

(b) **Financial Management:** Meaning & Objectives, factors affecting financial decisions, Capital Structure, Cost of Capital and Capital Budgeting.

(c) **Marketing Management:** Evolution of marketing, marketing vs selling, marketing mix, CRM, modern marketing, market segmentation, consumer behaviour, marketing decisions relating to product, price, promotion and distribution.



## **Part V- Banking Institutions and International Trade**

- (a) Role of banking in business, different types of banks and their functions, RBI, NABARD and RRB's. Reforms in banking sector- NPA's and recent trends in banking industry. Demonetisation and its impact on banking sector.
- (b) International Trade: Meaning and nature, Balance of Payment. International Economic Institutions: IMF, IBRD, IFC, ADB. World Trade Organisation: its functions & policies, Foreign Direct Investment and MNC's.

## **Part-B**

### **Accountancy**

- Unit 1-** Introduction to Accounting: Meaning , objectives; Role of Accounting, advantages and limitations, Accounting as an information system, Basic Accounting Concepts and Conventions, Generally Accepted Accounting Principles[GAAP], International Financial Reporting Standards[IFRS].
- Unit 2-** Accounting Process: Accounting Equations,Golden rules of Accounting and basic accounting terms, Accounting Systems, Journal, Ledger, Books of original Entry, Cash book, Purchase book, sales book, purchase return book and sales return book. Methods of preparing of Trial Balance and Rectification of errors.
- Unit 3-** Final Accounts: Final Accounts with adjustments of Non-Corporate business Entities or Sole Proprietorship.
- Unit 4-** Bank Reconciliation statement and Bills of Exchange- Need and Preparation of Bank Reconciliation statement, Meaning of Bills of exchange, Advantages, Discounting of a bill, dishonour and Renewal of the Bill, Accomodation of Bills, Difference between Trade bill and Accomodation Bill.
- Unit 5-** Depreciation, Provisions and Reserves-: Meaning, Need of Depreciation, Methods of Computing depreciation. Provisions and Reserves, Capital and Revenue Expenditures and Receipts.
- Unit 6-** Accounting for Non-Profit organisations: Meaning, Characteristics and Accounting Records for Non-Profit Organisations- Receipts and Payment Account and Income & Expenditure Account.
- Unit 7-** Accounting for Partnership: Basic Concepts, Nature, Partnership Deed, The Limited Liability Partnership Act 2008, Admission of a New Prtner, Retirement and Death of a Partner, Dissolution of Partnership Firm.
- Unit 8-** Company Accounts: Meaning and Types of Share Capital, Issue of Equity and Preference Shares, Forfeiture and Re-issue of Forfeiture Shares, Sweat equity shares


and Employees stock option plan [ESOP], Redemption of Preference Shares. Issue and Redemption of Debentures.

**Unit 9-** (a) Analysis of Financial statements- Financial statements of a Company, preparation of Balance sheet of a Company as per Company Act, 2013.

(b) Meaning, significance, tools for financial statements analysis and limitations, comparative financial statement and common size financial statements. Accounting Ratios- Profitability, Liquidity, Solvency, Activity and turnover Ratios.

**Unit 10-** (a) Accounting for Hire Purchase systems and Instalment payment system.

(b) Applications of Computers in Accounting- Introduction to Computer and Accounting Information System[AIS], Concept and types of Computerised Accounting, Features, Structure and Role of Computer in Accounting. Application of Tally and Electronic Spread sheet [E.S] in Accounting.

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी



## कृषि

### I. सस्य और कृषि मौसम विज्ञान

कृषि और इसके क्षेत्र, बीज और बुवाई, जुताई और जोती हुई जमीन, फसल घनत्व और ज्यामिति, फसल पोषण, खाद और उर्वरक, पौष्टिक तत्व उपयोग दक्षता, जल संसाधन, मृदा-पौध-जल सम्बन्ध, फसल जल आवश्यकता, जल उपयोग दक्षता, सिंचाई-निर्धारण मानदंड और विधियाँ, सिंचाई के पानी की गुणवत्ता, जल भराव। खरपतवार - महत्व, वर्गीकरण, फसल-खरपतवार प्रतिस्पर्धा, खरपतवार प्रबन्धन की संकल्पना-सिद्धान्त एवं विधियाँ, खरपतवार नाशक का वर्गीकरण, चयनात्मकता और प्रतिरोध।

खरपतवार, उसके लक्षण, प्रसार एवं वर्गीकरण, विभिन्न फसलों के साथ सम्बन्ध; एवं उनके गुणन; खरपतवार का सांस्कृतिक, जैविक तथा रासायनिक नियंत्रण।

फसल की वृद्धि एवं विकास; वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक, फसल चक्र एवं उसके सिद्धान्त, फसलों का अनुकूलन एवं वितरण, फसलों की कटाई एवं मड़ाई।

पारिस्थितिकी, प्राकृतिक संसाधनों एवं उनके प्रबन्धन तथा संरक्षण में मानव के लिए प्रासंगिकता। फसल के वितरण एवं उत्पादन के पर्यावरणीय कारक। फसल वृद्धि के लिए जलवायवीय तत्व, बदलते हुए पर्यावरण का फसलों के स्वरूप में प्रभाव। पर्यावरण प्रदूषण तथा फसल, पशुओं एवं मानव से सम्बन्धित जोखिम।

पृथ्वी का वायुमण्डल-इसकी रचना, सीमा तथा संरचना, वायुमण्डल में मौसम परिवर्तनियता; वायुमण्डलीय दबाव तथा उँचाई के साथ इसमें भिन्नता; हवा, हवा के प्रकार, चक्रवात, प्रतिचक्रवात, स्थल एवं समुद्र समीर; सौर विकिरण की प्रकृति एवं गुण; वायुमण्डलीय तापमान, तापमान का व्युत्क्रमण, ह्रास दर, तापमान का उर्ध्वधर स्वरूप; वायुमण्डलीय आर्द्रता, वाष्प दबाव, संघनन प्रक्रिया, ओस, कोहरा, पाला, बादल का बनना; वर्षण एवं इसकी प्रक्रिया, वर्षण एवं इनके प्रकार जैसे वर्षा, फुहार, हिम, सहिम वृष्टि एवं ओले; बादल का बनना एवं वर्गीकरण; कृत्रिम वर्षा, मानसून तथा कृषि में उसका महत्व, ओजोन अल्पीकरण, मौसम सम्बन्धी खतरे-सूखा, बाढ़, पाला और अति-मौसम जैसे गरम एवं ठंडी लहरे, बादल फटना। मौसम पूर्वानुमान- मौसम पूर्वानुमान के प्रकार एवं उपयोग। जलवायु परिवर्तन एवं परिवर्तिता, भूमण्डलीय उष्णता, जलवायु परिवर्तन के कारण एवं क्षेत्रीय व राष्ट्रीय कृषि पर इसका प्रभाव।

राज्य के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्र में फसल पद्धतियाँ। अधिक उत्पाद एवं अल्प कालिक प्रजातियों का फसल पद्धतियों पर प्रभाव। बहुफसलीय, बहुमंजली, रीले एवं अन्तरफसल की संकल्पना एवं सतत फसल उत्पादन में उसका महत्व। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में खरीफ एवं रबी मौसम के दौरान पैदा होने वाले महत्वपूर्ण अनाज, दलहनी, तिलहन, फाइबर, चीनी तथा

नगदी फसलों के उत्पादन के लिए पद्धतियों का संकुल। कृषि एवं सामाजिक वानिकी के संदर्भ में विभिन्न प्रकार के वानिकी पौधों के प्रमुख लक्षण, महत्व एवं प्रसारण।

## II. मृदा विज्ञान और कृषि रसायन

मृदा उत्पत्ति : मिट्टी बनाने वाली चट्टानों और खनिज; अपक्षय, प्रक्रिया और मिट्टी के गठन के कारक; मृदा स्वरूप, मृदा घटक, मृदा के भौतिक गुण, समस्याग्रस्त मृदायें, भारत में उनका विस्तार, वितरण और सुधार। मृदा और पौधों में आवश्यक पौध पोषक तत्व एवं अन्य लाभकारी तत्व। सहजीवी और गैर-सहजीवी नाइट्रोजन यौगिकीकरण।


मिट्टी की उर्वरता के सिद्धान्त और उसका सही उर्वरक उपयोग हेतु मूल्यांकन। जैविक खाद, भारी एवं केन्द्रित खाद तैयार करने की विधियाँ और गुण। हरी खाद। खाद संस्तुति की पद्धतियाँ। एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन। पौधों में पोषक प्रवाह तंत्र, पौधों में पोषक तत्व उपलब्धता को प्रभावित करने वाले कारक।

मृदा के नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्सियम, मैग्निशियम, सल्फर और सूक्ष्म पोषक तत्वों के रासायनिक गुणधर्म। मृदा के विभिन्न पोषक तत्वों के महत्वपूर्ण स्तर। जल विभाजन आधार पर मृदा संरक्षण योजना। पर्वतीय क्षेत्रों, तलहटी और घाटियों में अपरक्षण और अपवाह प्रबन्धन; प्रक्रिया एवं उनको प्रभावित करने वाले कारक।

शुष्क कृषि और उनकी समस्याएँ। वर्षा आधारित कृषि में कृषि उत्पादन के स्थायीकरण की तकनीक। फसल उत्पादन के लिए जल उपयोग दक्षता, सिंचाई निर्धारण के मानदंड, सिंचाई योग्य जल के अपवाह हानि को कम करने वाले तरीके एवं साधन। मिट्टी में जलभराव की निकासी।

कृषि भूमि प्रबन्धन, क्षेत्र, महत्व एवं विशेषताएं, कृषि योजना और बजट। विभिन्न प्रकार की कृषि प्रणालियों का अर्थशास्त्र। कृषि निवेश व उत्पाद का विपणन एवं मूल्य निर्धारण, मूल्य में उतार चढ़ाव व उनकी लागत, कृषि अर्थव्यवस्था में सहकारिता की भूमिका, कृषि के प्रकार एवं प्रणाली और उनको प्रभावित करने वाले कारक। आर्थिक विश्लेषण का दृष्टिकोण, बुनियादी अवधारणाएं: वस्तु एवं सेवा, अभीष्ट, माँग, खपत, उपयोगिता, लागत और मूल्य, धन, पूंजी, आय और कल्याण।

कृषि प्रसार, इसका महत्व एवं भूमिका, प्रसार कार्यक्रमों के मूल्यांकन की विधियाँ, विसरण, संचार और नवप्रवर्तन को अपनाने में लोगों की भागीदारी एवं प्रेरणा। कृषि यंत्रीकरण और कृषि उत्पादन व ग्रामीण रोजगार में इसकी भूमिका।

  
(संजीव प्रकाश चतुर्वेदी)  
अनुभाग अधिकारी



### III. कृषि सांख्यिकी

कृषि में सांख्यिकीय अनुप्रयोग, केन्द्रीय प्रवृत्ति और विक्षेपण की माप, प्रायिकता, जोड़ और गुणा प्रमेय (बिना प्रमाण) की परिभाषा। प्रायिकता पर आधारित सरल समस्याएँ। द्विपदीय और पॉयसन वितरण, सह-संबंध की परिभाषा, स्कैटर आरेख। कार्ल पियरसन का सह-संबंध गुणांक। रेखीय प्रतिगमन समीकरण। सार्थकता परीक्षण का परिचय, माध्य के लिए एक-नमूना व दो-नमूना  $t$ -परीक्षण,  $2 \times 2$  आकस्मिकता तालिका में गुणों की स्वतंत्रता का कार्ई-स्क्वायर परीक्षण। विचरण, एकपक्षीय वर्गीकरण के विश्लेषण का परिचय। नमूनाकरण पद्धतियों का परिचय, नमूनाकरण बनाम पूर्ण गणना, प्रतिस्थापन के साथ एवं प्रतिस्थापन के बिना सरल याहच्छिक नमूनाकरण, सरल याहच्छिक नमूने के चयन के लिए याहच्छिक संख्या टेबल्स का उपयोग।

### IV. आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन

मेण्डल के वंशानुक्रम का नियम, वंशानुक्रम के गुणसूत्र का सिद्धान्त, सेक्स से जुड़े, सेक्स प्रभावित और सेक्स उत्परिवर्तन। महत्वपूर्ण क्षेत्र फसलों की किस्मों व सम्बन्धित प्रजातियों के बदलाव का आकारिकी स्वरूप। फसल सुधार में भिन्नता के कारण और उपयोग। प्रमुख कृषि फसलों के सुधार के लिए पौध प्रजनन के सिद्धान्तों का उपयोग, स्वतः व पर परागण फसलों के प्रजनन की विधियाँ। सूत्रपात, चयन, संकरण। पुरुष बाँझपन और आत्मविहीनता, प्रजनन में बहुगुणित के उत्परिवर्तन का उपयोग।

आनुवंशिक विकार। आनुवंशिक पदार्थ की प्रकृति, संरचना और पुनरावृत्ति। प्रोटीन संश्लेषण, जीन अवधारणा: जीन संरचना, कार्य और विनियमन।

बीज प्रौद्योगिकी और उसके महत्व, उत्पादन, प्रसंस्करण, भण्डारण और बीज परीक्षण। उन्नत बीजों के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन में राष्ट्रीय और राज्य बीज संगठनों की भूमिका। फसल कार्यिकी और कृषि में इसका महत्व; प्रोटोप्लाजम का भौतिक गुण व रसायनिक संघटन, अवरोध, पृष्ठ तनाव, विस्तार, परासरण, पानी का अवशोषण और स्थानान्तरण, पादप कोशिका में वाष्पोत्सर्जन।

### V. पादप कार्यिकी विज्ञान

पादप वृद्धि नियंत्रक: कार्यिकी भूमिका और कृषिक उपयोग, प्रमुख फसलों के वृद्धि और विकास के कार्यिकी पक्ष: वृद्धि विश्लेषण, फसल उत्पादकता में कार्यिकी विकास मानकों की भूमिका।

संजीव प्रकाश चतुर्वेदी,  
अनुभाग अधिकारी

किण्वक और पौध रंजक, प्रकाश संश्लेषण— आधुनिक अवधारणाएँ और प्रभावित करने वाले कारक, प्रकाश व अंधकारकृत प्रतिक्रियाएँ, सी3, सी4 और कैम पौधे; वायुजीवी व अवायवीय श्वसन, वृद्धि और विकास, दीप्तिकालिता और बसंतीकरण।

प्रमुख फल और सब्जी फसलों की खेती एवं जलवायु सम्बन्धी आवश्यकताएँ; अभ्यास का संकुल और उसका वैज्ञानिक आधार। फलों और सब्जियों के कटाई के पूर्व व बाद की कार्यिकी। प्रसंस्करण तकनीक और उपकरण। भूदृश्य और पुष्पोत्पादन सहित सजावटी पौधों की खेती। लान और बगीचों की रूपरेखा व खाका।

राज्य की सब्जियों, फलों और रोपण फसलों के रोग और कीट और पौध बीमारियों के नियंत्रण के उपाय। कीटनाशक और उनका निरूपण व उनका प्रयोग, पौध संरक्षण उपकरण, उनकी देखभाल और रखरखाव।

## VI. कृषि कीट विज्ञान

फाइलम आर्थ्रोपोडा का कक्षाओं तक वर्गीकरण। आकारिकी विज्ञान: कीट छल्ली तथा निर्मोचन की संरचना और कार्य। सिर, वक्ष और पेट की संरचना। कीट में एंटीना की संरचना व संशोधन, मुखभाग, पैर, पंखों का शिराविन्यास, संशोधन और पंखों का युग्मन तंत्र। नर व मादा कीट जननांग की संरचना। कीटों में उपरति व कायान्तरण। लार्वा व प्यूपा के प्रकार। कीटों के पाचन, संचलन, उत्सर्गी, श्वसन, तंत्रिका, कार्यदर्शि (अंतः स्त्रावी) और प्रजनन प्रणाली की संरचना व कार्य। सरल और यौगिक आँखे।

कीट पारिस्थितिकी: वृद्धि एवं विकास पर जैविक व अजैविक कारकों का प्रभाव। कीटनाशकों का वर्गीकरण, उनका नियमन और प्रयोग तकनीक, आई0पी0एम0 की अवधारणा, प्रमुख फसलों, सब्जियों, फलों और भण्डारित अनाज के रोग एवं कीट तथा उनका प्रबन्धन।

लाभकारी कीटों का प्रबन्ध: मधुमक्खी पालन, पालने की विधियाँ, मधुमक्खी के शत्रु और रोग। रेशम कीट के प्रकार और उनकी जैविकी। शहतूत की खेती, कोकूनो का पालन, बढ़त और कटाई। रेशम कीट के रोग व कीट। लाख कीट, जैविकी, मेजबान पौधा, लाख उत्पादन— बीजू लाख, बटन लाख, चपड़ा, लाख उत्पाद। सामान्य तौर पर जैविक नियंत्रण में इस्तेमाल होने वाले प्रमुख परजीवियों और परभक्षियों की पहचान।


## VII. पादप रोग विज्ञान और प्रबन्धन

पौधों की बीमारियाँ, क्षेत्र और पादप रोग विज्ञान के उद्देश्यों का महत्व। पादप रोग विज्ञान की शर्तें और अवधारणाएँ। रोगजनन। रोग के विकास को प्रभावित करने वाले कारण/कारक: रोग त्रिकोण और चतुष्फलक एवं पौध रोगों का वर्गीकरण।



महत्वपूर्ण पौध रोगजनक जीव, विभिन्न समूह: कवक, जीवाणु, दुराराध्य वायुकोशीय जीवाणु, फाइटोप्लास्मास, स्पिरोप्लास्मास, विषाणु, वाइरोइड्स, शैवाल, प्रोटोजोवा, फोनरोगैमिक परजीवी और सूत्रकृमि, उनके द्वारा होने वाले रोगों के उदाहरणों के साथ। कवक: सामान्य लक्षण और कवक का कक्षाओं तक वर्गीकरण। जीवाणु और श्लेष्म: सामान्य आकारिकी लक्षण। वर्गीकरण की मौलिक विधियाँ। विषाणु: प्रकृति, संरचना, पुनरावृत्ति और संचरण। फोनरोगैमिक पौध परजीवी का अध्ययन। सूत्रकृमि: सामान्य आकारिकी और प्रजनन, वर्गीकरण, लक्षण और पौध सूत्रकृमि की वजह से हुई क्षति की प्रकृति। पौध रोग प्रबन्धन का सिद्धान्त तथा विधियाँ।

महामारी विज्ञान: रोग के विकास को प्रभावित करने वाले कारक। कवकनाशियों और प्रतिजैविकों की प्रकृति, रसायनिक संयोजन, वर्गीकरण, कार्यविधि और नियमन। क्षेत्र और बागवानी फसलों के महत्वपूर्ण रोग और उनका प्रबन्धन। एकीकृत कीट और रोग प्रबन्धन के सिद्धान्त।

  
सिंजीव प्रकाश चतुर्वेदी  
अनुभाग अधिकारी

## AGRICULTURE

### **I. Agronomy and Agrometeorology**

Agriculture and its scope, seeds and sowing, tillage and tilling, crop density and geometry, crop nutrition, manures and fertilizers, nutrient use efficiency, water resources, soil-plant-water relationship, crop water requirement, water use efficiency, irrigation- scheduling criteria and methods, quality of irrigation water, water logging.

Weeds- importance, classification, crop weed competition, concepts of weed management- principles and methods, herbicides- classification, selectivity and resistance. Weeds, their characteristics, dissemination and association with various field crops; their multiplications; cultural, biological and chemical control of weeds.

Growth and development of crops, factors affecting growth and development, crop rotation and its principles, adaptation and distribution of crops, harvesting and threshing of crops.

Ecology and its relevance to man, natural resources, their management and conservation. Environmental factors of crop distribution and production. Climatic elements as factor of crop growth, impact of changing environment on cropping pattern. Environmental pollution and associated hazards to crops, animals and humans.

Earth atmosphere - its composition, extent and structure; Atmospheric weather variables; Atmospheric pressure, its variation with height; Wind, types of wind, cyclone, anticyclone, land breeze and sea breeze; Nature and properties of solar radiation; Atmospheric temperature, temperature inversion, lapse rate, vertical profile of temperature; Atmospheric humidity, vapor pressure, process of condensation, formation of dew, fog, frost, cloud; Precipitation and its process, forms of precipitation such as rain, drizzle, snow, sleet and hail; cloud formation and classification; artificial rainmaking, monsoon and its importance in agriculture, Ozone depletion, weather hazards - drought, floods, frost and extreme weather conditions such as heat and cold waves, cloud burst. Weather forecasting- types of weather forecast and their uses. Climate change, climatic variability, global warming, causes of climate change and its impact on regional and national agriculture.

Cropping patterns in different agro-climatic zones of the state. Impact of high yielding and short duration varieties on shifts in cropping patterns. Concepts of multiple cropping, multistory, relay and inter-cropping and their importance in relation to sustainable crops production. Package of practices for production of important cereals, pulses, oilseeds, fibre, sugar and cash crops grown during Kharif and Rabi seasons in different regions of the state. Important features, scope and propagation of various types of forestry plants with reference to agro-forestry and social forestry.

### **II. Soil Science and Agricultural Chemistry**

Soil genesis: soil forming rocks and minerals; weathering, processes and factors of soil formation; soil profile, components of soil. soil physical properties, Problem soils, extent and distribution in India and their reclamation. Essential plant nutrients and other beneficial elements in soils and plants. Symbiotic and non-symbiotic nitrogen fixation.

Principles of soil fertility and its evaluation for judicious fertilizer use. Organic manures, properties and methods of preparation of bulky and concentrated manures. Green/leaf manuring. Fertilizer recommendation approaches. Integrated nutrient management. Mechanisms of nutrient transport to plants, factors affecting nutrient availability to plants.



Chemistry of soil nitrogen, phosphorus, potassium, calcium, magnesium, sulphur and micronutrients. Critical levels of different nutrients in soil. Soil conservation planning on watershed basis, Erosion and runoff management in hills, foothills and valleys; processes and factors affecting them.

Dryland agriculture and its problems. Technology for stabilizing agriculture production in rainfed agriculture. Water use efficiency in relation to crop production, criteria for scheduling irrigation, ways and means of reducing run-off losses of irrigation water. Drainage of water-logged soils.

Farm management, scope, importance and characteristics, farm planning and budgeting. Economics of different types of farming systems. Marketing and pricing of agriculture inputs and outputs, price fluctuations and their cost, role of co-operatives in agricultural economy, types and systems of farming and factors affecting them. Approaches to economic analysis, basic concepts: Goods and services, desire, want, demand, utility, cost and price, wealth, capital, income and welfare.

Agricultural extension, its importance and role, methods of evaluation of extension programmes, diffusion, communication and adoption of innovationism people's participation and motivation. Farm mechanization and its role in agricultural production and rural employment.

### III. Agricultural Statistics

Statistical applications in agriculture, Measures of Central Tendency & Dispersion, Definition of Probability, Addition and Multiplication Theorem (without proof). Simple Problems Based on Probability. Binomial & Poisson Distributions, Definition of Correlation, Scatter Diagram. Karl Pearson's Coefficient of Correlation. Linear Regression Equations. Introduction to Test of Significance, One sample & two sample test t for Means, Chi-Square Test of Independence of Attributes in  $2 \times 2$  Contingency Table. Introduction to Analysis of Variance, Analysis of One Way Classification. Introduction to Sampling Methods, Sampling versus Complete Enumeration, Simple Random Sampling with and without replacement, Use of Random Number Tables for selection of Simple Random Sample.

### IV. Genetics and Plant Breeding

Mendel's law of inheritance, chromosomal theory of inheritance, sex linked, sex influenced and sex mutation. Morphological patterns of variations in varieties and related species of important field crops. Cause and utilization of variation in crop improvement. Application of the principles of plant breeding to the improvement of major field crops, methods of breeding of self and cross-pollinated crops. Introduction, selection, hybridization. Male sterility and self-incompatibility, utilization of mutation of polypoidy in breeding.

Genetic disorders. Nature, structure & replication of genetic material. Protein synthesis, Gene concept: Gene structure, function and regulation.

Seed technology and its importance, production, processing, storage and testing of seeds. Role of national and state seed organizations in production and processing, marketing of improved seeds. Crop physiology and its importance in agriculture; physical properties and chemical constitution of protoplasm, inhibition, surface tension, diffusion and osmosis, absorption and translocation of water, transpiration in plant cell.



## V. Plant Physiology

Plant growth regulators: Physiological roles and agricultural uses, physiological aspects of growth and development of major crops: growth analysis, role of physiological growth parameters in crop productivity.

Enzymes and plant pigments, photosynthesis – modern concepts and factors affecting the process, light and dark reactions, C<sub>3</sub>, C<sub>4</sub> and CAM plants; aerobic and anaerobic respiration, growth and development, photoperiodism and vernalization.

Climatic requirements and cultivation of major fruits and vegetable crops; package of practices and the scientific basis for the same. Pre and post harvest physiology of fruits and vegetables. Processing techniques and equipments. Landscape and floriculture including raising of ornamental plants. Design and layout of lawns and gardens.

Diseases and pests of vegetables, fruits and plantation crops of the state, and measures to control plant diseases. Pesticides and their formulations and its applications, plant protection equipment, their care and maintenance.

## VI. Agricultural Entomology

Classification of phylum Arthropoda upto classes. Morphology: Structure and functions of insect cuticle and molting. Structure of Head, thorax and abdomen. Structure and modifications of insect antennae, mouth parts, legs, Wing venation, modifications and wing coupling apparatus. Structure of male and female genital organ. Metamorphosis and diapause in insects. Types of larvae and pupae. Structure and functions of digestive, circulatory, excretory, respiratory, nervous, secretary (endocrine) and reproductive system in insects. Simple and compound eyes.

Insect ecology: Effect of abiotic and biotic factors on growth and development. Classification of insecticides, its formulations and application techniques, concept of IPM, insect pests of important crops, vegetables, fruits and stored grains with their management.

Management of beneficial insects: Beekeeping, methods of rearing, bee enemies and disease. Types and biology of silkworm. Mulberry cultivation, rearing, mounting and harvesting of cocoons. Pest and diseases of silkworm. Lac insect, biology, host plant, lac production – seed lac, button lac, shellac, lac products. Identification of major parasitoids and predators commonly being used in biological control.

## VII. Plant Pathology and Management

Importance of plant diseases, scope and objectives of plant pathology. Terms and concepts in plant pathology. Pathogenesis. Causes / factors affecting disease development: disease triangle and tetrahedron and classification of plant diseases.

Important plant pathogenic organisms, different groups: fungi, bacteria, fastidious vesicular bacteria, phytoplasmas, spiroplasmas, viruses, viroids, algae, protozoa, phanerogamic parasites and nematodes with examples of diseases caused by them. *Fungi*: General characters and classification of fungi upto classes. *Bacteria and mollicutes*: General morphological characters. Basic methods of classification. *Viruses*: Nature, structure, replication and transmission. Study of phanerogamic plant parasites. *Nematodes*: General morphology and



reproduction, classification, symptoms and nature of damage caused by plant nematodes (*Heterodera*, *Meloidogyne*, *Anguina*). Principles and methods of plant disease management.

*Epidemiology*: Factors affecting disease development. Nature, chemical combination, classification, mode of action and formulations of fungicides and antibiotics. Important diseases of field and horticultural crops and their management. Principles of Integrated Pest and Disease Management.



संजीव प्रकाश चतुर्वेदी,  
अनुभाग अधिकारी

परिशिष्ट-3

उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग-समूह 'ग') सेवा (सामान्य एवं महिला शाखा) परीक्षा-2018 के विभिन्न चरणों हेतु न्यूनतम अर्हकारी अंक (Qualifying Marks)

अनारक्षित वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को प्रश्नगत परीक्षा के प्रत्येक चरण हेतु उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली, 2012, 2013 (प्रथम संशोधन), 2014 (द्वितीय संशोधन), 2015 (तृतीय संशोधन) एवं 2016 (चतुर्थ संशोधन) द्वारा निर्धारित निम्नलिखित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य है :-

क्र. सं.	आरक्षण की श्रेणी	स्क्रीनिंग परीक्षा हेतु निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक (प्रतिशत में)	साक्षात्कार परीक्षा हेतु निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक (प्रतिशत में)
1	अनारक्षित एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	35%	45%
2	उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	30%	40%
3	उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति श्रेणी / उत्तराखण्ड अनुसूचित जनजाति श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	25%	35%

नोट- सम्बन्धित श्रेणी/उपश्रेणी के अभ्यर्थियों को उक्तानुसार न्यूनतम अर्हकारी अंक (प्रतिशत में) प्राप्त करने पर ही प्रवीणता सूची हेतु विचारित किया जायेगा।

Sushant



